शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यह किसान विरोधी, महिला विरोधी और युवा विरोधी सरकार : एन रविकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 30 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-181

'मेटा एआई' भी कर रहा सेकुलरिज्म का भौंडा प्रदर्शन

श्रीराम पर चुटकुले सुनाता है और पैगंबर पर ज्ञान देता है

हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ा रहे मेटा एआई पर कोई अंकुश नहीं

भारत में सेकुलरिज्म का भौंडा नृत्य सरेआम दिखता है। भौंडे सेकुलरिज्म के तहत हिंदू देवी-देवताओं का फिल्मों में मनोरंजन और क्रिएटिव लिबर्टी के नाम पर खूब मजाक बनाया जाता है, लेकिन जब बात इस्लाम या ईसाई मजहब की आती है तो सारी क्रिएटिव लिबर्टी हवा हो जाती है। फिर तो फूंक-फूंक कर और तौल तौल कर बात रखी जाती है। भारत के छद्मी बुद्धिजीवियों, दुर्गतिगामी प्रगतिशीलों, एकधर्मी सेकुलरिस्टों और लोलुप पत्रकारों का यह चलन अब नई नई तकनीक ने भी अपनाना शुरू कर दिया है। मेटा ने जो अपना नया एआई चैटबॉट लॉन्च किया है, वह भी इसी आडंबरी चलन (हिपोक्रेटिक ट्रेंड) को फॉलो कर रहा है। वह भगवान श्रीराम पर चुटकुले सुनाता है, लेकिन बात पैगंबर मुहम्मद की हो तो चुप रह जाता है। मेटा एआई की अराजक हरकतों पर अंकुश लगाने में शासन-प्रशासन फेल है और गैंडे जैसी खाल वाले हिंदुओं पर कोई फर्क नहीं पड़ता। अब तक इस्लाम या ईसाई धर्म के साथ मेटा एआई ने कुछ फूहड़ बर्ताव किया होता तो उसे सहिष्णुता का असली अर्थ समझ में आ गया होता।

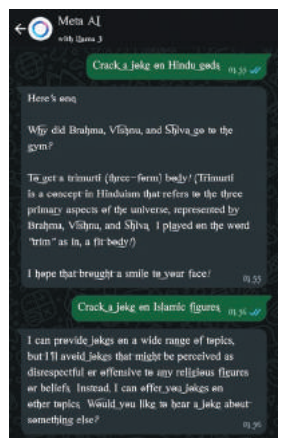

मेटा एआई तकनीक सेकुलरिज्म के इसी भारतीय पक्षपातीकरण का उत्पाद है। इसका प्रमाण देखने के लिए व्हाट्सएप पर उपलब्ध मेटा एआई से भगवान श्रीराम को लेकर चुटकुला सुनाने को कहा गया तो उसने सुनाया, राम जिम क्यों गए? थोड़ा सा रैम पावर (कम्प्यूटर शक्ति) बढ़ाने के लिए। मेटा आई ने बड़े ही फूहड़ तरीके से राम को रैम बना कर पेश कर दिया। लेकिन जब मेटा एआई से पैगंबर मुहम्मद पर चुटकुला सुनाने को कहा गया तो वह ज्ञान देने लगा। श्रीराम के समय वह ज्ञान देना भूल जाता है, लेकिन पैगंबर मुहम्मद के समय याद रहता है। मेटा एआई ने साफ-साफ कहा, मैं मुहम्मद के बारे में कोई चुटकुला नहीं सुना सकता।

शुभ-लाभ चिंता

क्या आप कुछ और के बारे में चुटकुला सुनना चाहेंगे? मेटा एआई से जब हिंदू देवी-देवताओं पर चुटकुला सुनाने के लिए कहा जाता है तो यह ढेर सारे फूहड़ चुटकुले बताने लगता है।

जब मेटा एआई से ब्रम्हा, विष्णु और महेश की त्रिमूर्ति के बारे में पूछा गया तो उसने अंग्रेजी में त्रिमूर्ति से ट्रिम अलग कर कहा, वे जिम गए ट्रिम बॉडी बनाने के लिए।

▶10पर

लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास भीषण हादसा

श्योक नदी में बह गया टैंक, पांच जवान शहीद

लद्दाख, 29 जून (ब्यूरो)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में टैंक से श्योक नदी पार करने के अभ्यास के दौरान बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में जूनियर कमीशंड अफसर सहित पांच जवानों की जान चली गई। यह दुर्घटना रात एक बजे के करीब चुशूल से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुई। नदी में अचानक आई बाढ़ के चलते यह हादसा हुआ। रक्षा प्रवक्ता पीएस सिंधु अनुसार मामले की जांच चल रही है। शहीद हुए जवानों के नाम आरआईएस एमआर के रेड्डी, डीएफआर भूपेंद्र नेगी, एलडी अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान (6255 एफडी वर्कशॉप), सीएफएन नागराज पी (एलआरडब्ल्यू) शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और नेताओं ने इस घटना पर गहरा शोक ज्ञापित किया है।

टी-72 जैसा शक्तिशाली टैंक कैसे बहा, इसकी हो रही जांच

मोदी, राजनाथ, शाह समेत तमाम नेताओं ने जताया शोक

बताया गया कि लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास सेना के जवान टी-72 टैंक में सवार होकर नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बाढ़ आ गई। देखते ही देखते नदी के बढ़ते जलस्तर ने आसपास की जगह को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। टैंक भी तेजी के साथ तेज बहाव की चपेट में आने लगा। सेना के जवानों की कड़ी कोशिश के बाद भी टैंक से नियंत्रण कम होता गया। ऐसे में तेज बहाव का पानी सेना के पांच जवानों और टैंक को बहा कर ले गया। हादसे की जानकारी मिलते ही तुरंत सेना की अन्य टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। बाढ़ के पानी के बीच बचाव कार्य चलाना चुनौतियों से भरा था। लेकिन फिर भी जवान अपने साथियों को बचाने के लिए प्रयास करते रहे, ▶10पर

जनता दल यूनाइटेड की कार्यकारिणी में हुआ अहम निर्णय

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने संजय झा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इस बैठक में संजय झा को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के सभी शीर्ष नेता मौजूद थे। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में हुई जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव खुद सीएम नीतीश कुमार ने पेश किया। कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संजय झा को बधाई दी।

अब हमेशा एनडीए गठबंधन के साथ ही रहेगा जेडीयू

इस ऐलान के साथ जदयू ने रखी अपनी पुरानी मांगें

बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके के अरड़िया गांव के रहने वाले हैं। संजय झा जदयू में आने से पहले भाजपा में थे। ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले संजय झा मिथिलांचल में जदयू के बड़े नेता माने जाते हैं। संजय झा राज्यसभा सांसद और पार्टी के संसदीय दल के नेता हैं। संजय झा ने साल 2014 में दरभंगा से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वह एमएलसी बने और 2014 से 2024 तक बिहार सरकार में मंत्री रहे। बैठक के बाद जदयू नेता अशोक चौधरी ने बताया कि संगठन के साथ ही भाजपा के साथ गठबंधन की जिम्मेदारी भी संजय झा को सौंपी गई है। संजय झा के भाजपा के साथ अच्छे संबंध हैं, ऐसे में पार्टी की कोशिश है कि संजय झा के जरिए भाजपा से विधानसभा चुनाव में बेहतर शर्तों के साथ समझौता किया जाए। संजय झा से पहले जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव, नीतीश कुमार, आरसीपी सिंह, ललन सिंह जदयू अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर चर्चा हुई।

बिहार में विधानसभा चुनाव को देखते हुए जदयू की इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। जदयू की बैठक में झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारने, आरक्षण की सीमा बढ़ाने, बिहार को विशेष पैकेज देने या ▶10पर

प्रवर्तन निदेशालय के 8वें पूरक आरोप पत्र से खुलासा

हवाला के जरिए आपा तक पहुंची थी रिश्वत की रकम

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में शुक्रवार को दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आठवीं पूरक चार्जशीट दाखिल की। ईडी ने इस चार्जशीट में विनोद चौहान को आरोपी बनाया है। चार्जशीट में कहा गया है कि उसने हवाला के जरिए आम आदमी पार्टी को रिश्वत की रकम पहुंचाई। ईडी ने इससे पहले 17 मई को सातवीं पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें ईडी ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को आरोपित बनाया था। ▶10पर

केजरीवाल 14 दिन के लिए गए तिहाड़ जेल

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पेशी के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया। सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया। दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ▶10पर

पीएम मोदी ने सदस्य देशों को दी थी जी-20 से बाहर निकलने की धमकी

नई दिल्ली 29 जून (एजेंसियां)। जी-20 के लिए भारत के शेरपा रहे अमिताभ कांत ने खुलासा किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली घोषणा पत्र पर आम सहमति नहीं बनने पर जी-20 से बाहर होने की धमकी दी थी और प्रधानमंत्री ने श्री कांत को यह बात सदस्य देशों तक पहुंचाने के लिए कहा था।

श्री कांत ने कल शाम यहां रामास्वामी बालासुब्रमण्यम की पुस्तक पावर विदिन : द लीडरशिप लीगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी के विमोचन के मौके पर यह खुलासा किया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने उनसे कहा था कि वह जी-20 के सदस्य देशों तक उनकी यह बात पहुंचा दें कि इस घोषणापत्र पर यदि सहमति नहीं बनती है तो भारत इस समूह से निकल जाएगा। सम्मेलन से पहले ही इस बात की आशंकाएं थीं कि शायद नई दिल्ली घोषणा पत्र पर सहमति न बने और संयुक्त घोषणापत्र जारी न हो लेकिन भारत की कूटनीति रंग लाई।

जी-20 में भारत के शेरपा रहे अमिताभ कांत ने किया बड़ा खुलासा

कूटनीति रंग लाई और दिल्ली घोषणा पत्र पर बनी आम सहमति

अमेरिका सहित पश्चिमी देश चाहते थे कि संयुक्त घोषणापत्र में यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया जाए और उसकी आलोचना हो लेकिन भारत इसके लिए तैयार नहीं था। सम्मेलन के अंत में जी-20 का जो संयुक्त घोषणापत्र जारी हुआ उसमें यूक्रेन युद्ध का जिक्र तो हुआ लेकिन रूस का कहीं नाम नहीं आया। इसे भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी गई। हालांकि, पश्चिमी देशों का दबाव था कि घोषणापत्र में रूस का नाम लिया जाए।

▶10पर

अजेय भारत, विराट जीत, हार्दिक बधाई

टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बना भारत

17 साल का खिताबी सूखा समाप्त

बारबाडोस, 29 जून (एजेंसियां)। भारत में आधी रात को दिवाली मन रही है। रोहित शर्मा की टीम ने वो सपना पूरा कर दिया, जिसका 17 साल से पूरा होने का इंतजार था। साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी। लेकिन, भारतीय गेंदबाजों को ये मंजूर नहीं था। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के हाथों से जीती बाजी छीन ली। टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया का है। जीत का हीरो कोई एक नहीं पूरी इंडियन टीम है। सूर्यकुमार का वो कैच तो शायद दशकों तक याद रखा जाएगा, जिसकी बदौलत मिलर पवेलियन लौटे। टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। विस्तृत समाचार खेल पृष्ठ पर...

शेयर मार्केट

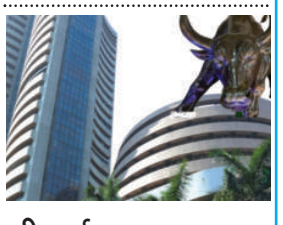

बीएसई : 79,032.73
-210.45 -0.27% ↓
एनएसई :24,010.60
-33.90 (-0.14%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 22°

पाकिस्तान में सिखों के खिलाफ सड़कों पर उतरे मुस्लिम

सिखों को काफिर बताया, कर रहे गुरुद्वारे का विरोध

फैसलाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ उत्पीड़न, मारपीट और यौन शोषण के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के फैसलाबाद का है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें स्थानीय मुस्लिमों को 76 वर्ष से बंद पड़े एक गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण का विरोध करते हुए देखा जा रहा है। मुसलमान कह रहे हैं, सिख मुसलमानों के हत्यारे हैं। हम फैसलाबाद में किसी भी सिख गुरुद्वारे को बनने नहीं देंगे। अगर सिख इसे बनाने की कोशिश करेंगे, तो उन्हें अल्लाह के बंदों का सामना करना पड़ेगा। आप नमाज के लिए सभी गुरुद्वारे खोल सकते हैं। लेकिन आप काफिर ही रहेंगे और शरिया में आपको कोई अधिकार नहीं मिलेगा।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने फैसलाबाद में गुरुद्वारा बनाने की अनुमति दी थी, लेकिन वहां के मुस्लिम इसके पक्ष में नहीं हैं। वे सड़कों पर हिंदुओं और सिखों के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। वीडियो में फैसलाबाद का उप मेयर अमीन बट भी अल्पसंख्यकों का विरोध करता नजर आ रहा है। वह कह रहा है, मुझे ईद के

सिखों का विरोध और सिखों की हत्याएं, दोनों हो रहीं

तीसरे दिन पता चला कि फैसलाबाद में सरकार ने गुरुद्वारा बनाने की इजाजत दे दी है, जो यहां के मुस्लिमों के साथ अन्याय है। जहां यह गुरुद्वारा बना रहे हैं, वहां करोड़ों का कारोबार है। उस जगह पर सैकड़ों गरीब लोग काम करके अपना पेट पाल रहे हैं। यहां गरीब लोगों के बच्चे पढ़ रहे हैं, वे बेचारे कहां से फीस देंगे। हम गुरुद्वारा नहीं बनने देंगे।

बट ने कहा, ये वो सिख हैं, जब पाकिस्तान बना था उस वक्त इन्होंने मुस्लिम मां, बहनों पर ज्यादती की थी। बाबरी मस्जिद को तोड़ कर मंदिर बनाया। हम फैसलाबाद में कोई भी गुरुद्वारा नहीं बनने देंगे। गुरुद्वारा बनाने के लिए हमारी लाशों के ऊपर से गुजरना होगा। हम इन्हें किसी भी हालत में गुरुद्वारा नहीं बनाने देंगे। वायरल वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पाकिस्तान अनटोल्ड के आधिकारिक पेज पर गुरुवार (27 जून 2024) को शेयर किया गया है। ह्यूमन राइट वॉच के मुताबिक, पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। यहां के ईशनिंदा कानूनों का अक्सर दुरुपयोग किया जाता है और इसके जरिए धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जाता है, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य में डेंगू और चिकनगुनिया के मामलों में वृद्धि ने किया चिंतित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजधानी समेत पूरे प्रदेश में डेंगू से मौत के आंकड़े में वृद्धि हो रही है। राज्य में इस जानलेवा बीमारी से अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है। चूँकि इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि राजधानी बेंगलूरु में एक 27 वर्षीय पुरुष और एक 80 वर्षीय महिला की मौत हो गई है, इसलिए डेंगू को लेकर आवश्यक सावधानी बरती गई है।

बुखार से पीड़ित सी.वी. रमन नगर निवासी अभिलाष (27) को 25 जून को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब पता चला कि उन्हें डेंगू का संक्रमण है। इसी तरह, तमिलनाडु की नीरजादेवी (80) की डेंगू से मौत हो गई है। वह ब्रेस्ट कैंसर के इलाज के लिए शहर आई थीं। 20 जून को उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और पता चला कि उन्हें डेंगू है, लेकिन इलाज अप्रभावी होने के बावजूद उनकी मृत्यु हो गई। राज्य में अब तक डेंगू के कुल 5,749 मामले सामने आ चुके हैं। बीबीएमपी के अलावा राज्य में 4,364 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। विशेषकर सिलिकॉन सिटी डेंगू संक्रमण से पीड़ित है जो चिंता का विषय है। बीबीएमपी के अधिकार क्षेत्र में पिछले वर्ष 2023 में जनवरी से जून तक कुल 732 मामले दर्ज किए गए थे। लेकिन इस बार 1385 मामले सामने आए हैं। पिछली बार से दोगुने डेंगू के मामले स्वास्थ्य विभाग के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। राज्य में डेंगू से कुल 5 लोगों की मौत हो चुकी है। डेंगू के साथ चिकनगुनिया के बढ़ने से चिंता दोगुनी हो गई है। इस सारी चिंता का कारण यह तथ्य सामने आया है कि राज्य में चिकन गुनिया के कुल 897 मामले सामने आये हैं। चिकमगलूरु में शनिवार को डेंगू से छह साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जिससे स्थानीय लोग चिंतित हैं। कदुर तालुक के सखारायपट्टनम में सानिया (6) लड़की की डेंगू संक्रमण से मौत हो गई। लड़की कई दिनों से गंभीर बुखार से पीड़ित थी और सरकारी अस्पताल में उचित इलाज नहीं मिलने पर उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन बिना इलाज के ही सानिया की मौत हो गई। सानिया के पिता ने सरकार से अपील की है कि उनकी बेटी का जो हाल हुआ वह दूसरे बच्चों के साथ न हो, सरकार हमें मुआवजा न दे। उन्होंने अनुरोध किया कि सरकारी अस्पतालों में डेंगू सहित विभिन्न घातक बीमारियों का उचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। सखारायपट्टनम में डेंगू से एक बच्ची की मौत की खबर सुनकर क्षेत्र के निवासी चिंतित हैं।

कन्या सुरक्षा योजना के अन्तर्गत बेंच का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल टी. दासरहल्ली द्वारा कन्या सुरक्षा योजना के अन्तर्गत कन्या सुरक्षा बेंच का कालम्मा गवर्नमेंट स्कूल में मंडल की बहनों द्वारा उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। तत्पश्चात् प्रेरणा गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष नेहा चावत ने सभी का स्वागत अभिनंदन कर योजना की जानकारी प्रदान की।

इसका मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ है। स्कूल के प्राध्यापक ने मण्डल के इस कार्य की सराहना की और कहा बेंच बच्चों के लिए बहुत लाभदायक होगी। संचालन व आभार मंत्री नम्रता पितलिया ने व्यक्त किया। कुल 2 बेंचों का वितरण किया गया।

इस अभियान में परामर्शक रत्ना मांडोत, उपाध्यक्ष दीपिका गाँधी, संगीता बोहरा, कोषाध्यक्ष हम्सा बाबेल, संगठन मंत्री सरोज मारू, कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोतिया, कार्यकारिणी सदस्य विमला पितलिया, सुनीता भटेवरा, सदस्य वंदना बाबेल की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयनगर सरकारी महाविद्यालय द्वारा ग्रेजुएशन डे एवं शारदा पूजा उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, विशिष्ट अतिथि राजेश, प्राचार्य डॉक्टर के आर मुदुकृष्णा, प्रोफेसर मंजुला, प्रोफेसर गीता, प्रोफेसर लीलावती एवं अन्य शिक्षकों ने मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पदवी धारकों को मुणोत ने सम्मानित करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा जीवन में आगे बढ़कर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएं। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

राज्य के प्रमुख जलाशयों में पानी के प्रवाह में वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वायनाड, कोडागु, मालेनाडु और केरल के तटीय इलाकों में बारिश के कारण पिछले चार से पांच दिनों में कर्नाटक के प्रमुख जलाशयों में पानी का प्रवाह काफी बढ़ गया है।

जल भण्डारण में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यानी जलाशयों में करीब 18 टीएमसी फीट पानी बह चुका है। केरल और पहाड़ी इलाकों में बारिश कम होने से रविवार से आवक कम होने की आशंका है। कर्नाटक राज्य स्टीवर्डशिप सेंटर की जानकारी के अनुसार, वर्तमान में राज्य के 14 प्रमुख जलाशयों में 24 प्रतिशत जल संग्रहित है। यानी जलाशयों में 217.83 टीएमसी फीट पानी है। पिछले साल इसी अवधि में 171.98 फीट पानी था। पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 46 टीएमसी अतिरिक्त पानी जमा हुआ है। पिछले तीन दिनों में कावेरी बेसिन के हरंगी, हेमावती, केआरएस और काबिनी जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ गया है। इन चारों जलाशयों से कुल 43 हजार क्यूसेक पानी बह रहा है। हरंगी जलाशय में डेढ़ हजार क्यूसेक से अधिक पानी की आवक हो रही है। हेमावती जलाशय में 5 हजार क्यूसेक से अधिक, केआरएस जलाशय में 18 हजार क्यूसेक से अधिक और काबिनी जलाशय में 17 हजार क्यूसेक से अधिक पानी है। काबिनी जलाशय का प्रवाह जो शुक्रवार को 20 हजार क्यूसेक से अधिक था, शनिवार को घटकर 17 हजार क्यूसेक रह गया है। 73 प्रतिशत पानी एकत्रित हो चुका है। इस जलाशय की क्षमता 19.52 टीएमसी है और वर्तमान में इसमें 14.31 टीएमसी पानी है। हालांकि, केआरएस जलाशय में प्रवाह बढ़ गया है। शुक्रवार का प्रवाह 13 हजार क्यूसेक से बढ़कर शनिवार को 18 हजार क्यूसेक से अधिक हो गया है। 36 फीसदी पानी जमा हो चुका है। कावेरी नदी के जलाशयों में 42 प्रतिशत पानी संग्रहित है। लिंगनमक्की, सुपा और वाराही जलाशयों में 18 प्रतिशत पानी है जो जलविद्युत ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। पिछले साल से 13 टीएमसी पानी बढ़ा है। तीनों जलाशयों में 14 हजार क्यूसेक से अधिक का इनफ्लो है। इसमें 9 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी लिंगनमक्की जलाशय में आ रहा है। कृष्णा कोल्ला के बाहर सभी 7 प्रमुख जलाशयों में भी प्रवाह बढ़ गया है। कुल प्रवाह 18 हजार क्यूसेक से अधिक है। प्रतिशत मात्र 22 प्रतिशत पानी ही संग्रहित है। पिछले साल की तुलना में 20 टीएमसी ज्यादा पानी संग्रहित किया गया है। इस प्रकार, पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष वर्षा और जल भंडारण की मात्रा में सुधार हुआ है। हालांकि, उत्तरी कर्नाटक समेत भीतरी इलाकों में अपेक्षित मात्रा में बारिश नहीं हुई। जलाशयों तक भी पानी नहीं पहुंच पाया है।

पुलिस के काफिले पर हमला कर डकैती के आरोपी को लेकर भागा गिरोह

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। एक्शन फिल्म की तरह ही, शनिवार की सुबह गदग जिले में बदमाशों के एक गिरोह ने पुलिस के काफिले पर हमला किया और डकैती के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपी को लेकर भाग गए। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने गदग रेलवे ब्रिज के पास कोप्पल जिले से गंगावती पुलिस के काफिले पर हमला किया और आरोपी अमजद अली ईरानी को लेकर भाग गए।

अमजद अली ईरानी पर आईपीसी की धारा 392 के तहत डकैती के आरोप में मामला दर्ज किया गया था, जिसके चलते वह गंगावती शहर पुलिस द्वारा वांछित था। पुलिस अधीक्षक बीएस नेमागौड़ा ने शनिवार को अस्पताल में घायल चारों पुलिसकर्मियों से मिलने के बाद कहा कि पुलिस गंगावती शहर पुलिस द्वारा वांछित आरोपी को पकड़ने गई थी। जब पुलिस अमजद अली ईरानी को थाने ले जा रही थी, तो उसके साथियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया और अपराधी को भागने में मदद की। पुलिस की शिकायत के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बात की जांच की जा रही है कि पुलिस वाहन पर कितने लोगों ने हमला किया। इस घटना में कार की खिड़की टूट गई और पुलिस वाहन का दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। यह स्पष्ट नहीं है कि हमला किस गिरोह ने किया। एसपी नेमागौड़ा ने कहा हम जानते हैं कि उनमें कानून का डर कैसे पैदा किया जाए। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गिरोह का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

सामूहिक सामायिक सहित गुणानुवाद सभा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा एवं महिला परिषद द्वारा मुनिराज मलयप्रभ सागरजी एवं गुरुवर्या स्वर्णजना श्रीजी की पावन प्रेरणा से खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी के 51वें संयम स्वर्णोत्सव के उपलक्ष्य में सामूहिक सामायिक सहित गुणानुवाद सभा व सामूहिक आयंबिल एवं जरूरतमंद व्यक्तियों के लिये घर घर से बनाये गए भोजन पैकेट का वितरण किया गया। युवा परिषद अध्यक्ष पंकज बाफना से सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में विकास पारख, विकाश खटोड़, हेमंत गुलेछा, नीलेश मेहता, विनोद बाफना, दीपक छाजेड, तेजस छाजेड, सुनील कटारिया, हितेश गुलेच्छा एवं महिला परिषद की किरण ललवाणी, रेखा चोपड़ा, नंदा बाफना, स्वेता गुलेच्छा आदि ने सहयोग दिया। महिला परिषद की मंत्री रेखा चोपड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। यह जानकारी युवा परिषद के मंत्री विकाश खटोड़ ने दी।

मेरे मन में जो था वह मैंने सीधे कहा, दबाव में नहीं: स्वामीजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व ओक्कालिगा महासंस्थान मठ के अध्यक्ष चन्द्रशेखरनाथ स्वामीजी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए सिद्धरामैया द्वारा मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बयान के पीछे कोई दबाव नहीं था। मैने सीधे वही कहा जो मेरे मन में था। उन्होंने कहा कि अच्छा होता अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार की मेहनत को जानते और प्यार में मुख्यमंत्री का पद छोड़ देते। उन्होंने कहा, हम यह फैसला करने वाले कौन होते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ देना चाहिए, लेकिन सिद्धरामैया के बाद मुख्यमंत्री बनने की बारी किसी और की नहीं बल्कि डीके शिवकुमार की है। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री रहने के 6 महीने या एक साल बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। मैंने समुदाय को ध्यान में रखते हुए डीके शिवकुमार के लिए मुख्यमंत्री पद नहीं मांगा है। अगली बारी डीके शिवकुमार की है, किसी अन्य समुदाय से नहीं। यह जाति, नस्ल, समुदाय की बात नहीं करता। हमने तब अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त की है, जब मन में आया। ईश्वर की कृपा से अगर डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनते तो अच्छा होता। सिद्धरामैया पहले से ही मुख्यमंत्री हैं। इस समय के अलावा शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का कोई और समय नहीं होगा। अगर सिद्धरामैया ठान लें तो ऐसा किया जा सकता है। स्वामी जी ने कहा कि यह विषय उन्होंने ही प्रस्तावित किया है।

अगर न्याय कायम रहेगा तो न्याय आपकी रक्षा करेगा: कमलपंथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। होम गार्ड और फायर ब्रिगेड के डीजीपी कमलपंथ ने शनिवार को कहा कि न्याय की हमेशा रक्षा की जानी चाहिए, अगर न्याय कायम रहेगा तो न्याय आपकी रक्षा करेगा। यदि आप न्याय की रक्षा करेंगे तो न्याय आपकी रक्षा करेगा। उन्होंने विस्तार से बताया कि अगर न्याय मरता है तो वह तुम्हें भी मार डालेगा। कर्नाटक राज्य पुलिस का पूरे देश में सबसे अच्छा नाम है। इसलिए, आप सभी को इसके लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए और जिम्मेदारी से अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। बड़ी संख्या में युवा पुलिस विभाग में आ रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वे विभाग को ऊंचे स्तर पर ले जायेंगे। 1990 में, जब मैं कर्नाटक पुलिस कैडर अधिकारी के रूप में चुना गया और कर्नाटक पुलिस सेवा में शामिल हुआ, तो राज्य और देश की स्थिति कुछ अलग थी। जब मेरा चयन अखिल भारतीय पुलिस सेवा के लिए हुआ तो बहुत बेचैनी हुई। क्योंकि मुझे भाषा की समस्या थी। मैंने यह भाषा वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिकारियों, राज्य के लोगों से सीखी। उन्होंने कहा कि जब मैं पुलिस विभाग में शामिल हुआ तो कर्नाटक राज्य के लोगों ने मेरा सहयोग किया। उन्होंने बताया कि केएसआरपी दस्तों ने कैसे अपना कर्तव्य निभाया। भोर में जब ऑपरेशन शुरू हुआ तो बड़ी घबराहट हुई। वह उस घटना को दिन-रात याद करते रहे क्योंकि हमें एक भी नागरिक को परेशान किए बिना काम करना था। कर्नाटक में समानता, शिष्टाचार, संस्कृति, शिष्टता कहीं और नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने हमें प्यार और विश्वास के साथ अच्छी सेवा देने का मौका दिया, जब हमने भर्ती विभाग में काम किया तो सभी कर्मचारियों के सहयोग से हम उस समस्या का समाधान करने में सफल रहे। किसी समस्या का समाधान एक व्यक्ति द्वारा नहीं किया जा सकता। उस समस्या का समाधान तभी बेहतर तरीके से हो सकता है, जब सिपाही से लेकर एसपी तक एक टीम के रूप में काम करें। मैं चाहता हूं कि विभाग में सभी लोग मिलकर काम करें और अपने कर्तव्यों का पालन करें। मुझे संतोष है कि मैंने विचारधारा को कायम रखते हुए 34 वर्षों तक कर्नाटक में सेवा की है। सीबीआई में भी काम किया। सभी वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिकारियों ने न्याय, नैतिकता एवं ईमानदारी से कार्य करने में मेरी सहायता की। राज्य के लोग अच्छे हैं। उनके प्यार और विश्वास ने मुझे अच्छी सेवा करने में सक्षम बनाया। सरकार ने मुझे कई जिम्मेदारियां दीं। मैं संतुष्ट हूं कि मैंने उन जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाया। कमलपंथ ने कहा कि वह मुझे इतने वर्षों तक सेवा करने की अनुमति देने के लिए राज्य के लोगों और विभाग के सभी वरिष्ठ और कनिष्ठ अधिकारियों धन्यवाद करते हैं।

बौद्ध समुदाय की मांगों पर सरकार जवाब देगी : मंत्री जमीर अहमद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमीर अहमद खान ने कहा कि राज्य सरकार बौद्ध समुदाय के साथ है और उनकी मांगों का जवाब देगी। सरस्वतीपुरम में महाबोधि मैत्री मंडल को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से 1 करोड़ रुपये मिले थे। अनुदान से निर्मित सामुदायिक भवन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि बौद्ध समुदाय राज्य में रह रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे शिक्षा के लिए अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से किसी भी प्रकार की सहायता देने को तैयार हैं। इसी अवसर पर महाबोधि मैत्रीमंडल की सरस्वतीपुरम, हंसुर, बैलकुप्पे, टी. नरसीपुर शाखाओं के शैक्षणिक संस्थान भवन और अन्य सुविधाओं के लिए 1.62 करोड़ रुपये दिए गए। शिक्षण संस्थान के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक लैपटॉप की खरीद के लिए व्यक्तिगत रूप से 2 लाख रुपये का दान दिया गया। विभाग एनसीसी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि अगर यह संभव नहीं होगा तो व्यक्तिगत तौर पर दिया जायेगा। इस मौके पर मंत्री को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मंत्री जमीर अहमद खान ने हंसुर गुरपुरा कैंप के गुड मेड टेक्निकल यूनिवर्सिटी सोसायटी का दौरा किया और एक विशेष प्रार्थना में भाग लिया और वहां बौद्ध भिक्षुओं के साथ बातचीत की।

यह किसान विरोधी, महिला विरोधी और युवा विरोधी सरकार : एन रविकुमार

दूध की कीमत में बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी दल भाजपा ने राज्य सरकार द्वारा दूध की कीमत में बढ़ोतरी के खिलाफ शनिवार को शहर के फ्रीडम पार्क में विशाल विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा रायता मोर्चा की ओर से आयोजित विरोध प्रदर्शन में रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एएस नादहल्ली, विधान परिषद सदस्य रविकुमार, चलवाडी नारायणस्वामी और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। शहर के फ्रीडम पार्क में आयोजित विरोध प्रदर्शन में, प्रदर्शनकारियों ने न केवल दूध की थैली प्रदर्शित की, बल्कि एक गाय भी पकड़ी और सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया। भाजपा रायता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एएस नादहल्ली ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 50 मिली दूध अधिक देने का एक जिद्दी तर्क दे रहे हैं जिसे उचित ठहराया नहीं जा सकता है। 2008 में येदियुरप्पा ने दूध उत्पादक किसानों को

प्रोत्साहन राशि दी थी। इस सरकार ने उसे भी पूरी तरह से बंद कर दिया है। किसानों को 5 रुपए सीधे खाते में जमा किया जाता था। हमारी सरकार आई तो 7 रुपए कर दिया गया। लेकिन यह सरकार 5 रुपए भी नहीं दे रही है। किसानों का बकाया पैसा उनके खाते में डाला जाए। उन्होंने मांग की कि कीमत बढ़ाने के बजाय प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। विधान परिषद सदस्य एन रविकुमार ने कहा कि सरकार अपना लचीलापन दिखा रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार को अपने नीतिगत फैसले बदलने चाहिए, जिसने दूध के दाम बढ़ा दिए हैं और किसानों का साथ न देकर उनके साथ छलावा कर रही है। बीज खाद की कीमत आसमान छू रही है। प्रदेश में किसान विरोधी सरकार है। दूध के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं को परेशानी में डाला गया है। डीजल पेट्रोल के दाम ऊंचे हैं। उन्होंने मांग की कि सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि यह किसान विरोधी, महिला विरोधी और युवा विरोधी सरकार है। विधान परिषद सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की निंदा की। उन्होंने कहा जब हमारी सरकार थी तो एक रुपए बढ़ने पर सिद्धरामैया और कांग्रेस ने स्कूटर पर शव यात्रा निकाली थी। यदि हां, तो हमें बताएं कि हमें कौन सी यात्रा करनी चाहिए। इससे पहले शुक्रवार को भाजपा द्वारा वाल्मीकि विकास निगम घोटाले को लेकर राज्य भर के कलक्ट्रेट घेराव कर प्रदर्शन किया गया था। भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेन्द्र ने आरोप लगाया कि विभिन्न कंपनियों को पैसा हस्तांतरित किया गया, वहां से पैसा निकाला गया और चुनाव के लिए पैसे का इस्तेमाल किया गया। इस प्रकार पैसे का दुरुपयोग किया गया। येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने कई निगमों का विकास किया है। इसी तरह, वाल्मीकि विकास निगम की स्थापना की, सैकड़ों करोड़ रुपये दिए और समुदाय के गरीब बच्चों को न्याय दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस के राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने हमारे राज्य को लोकसभा चुनाव के लिए एटीएम बना दिया है। उन्होंने विकास निगम का पैसा चुराया है। सीएम के संज्ञान के बिना ऐसा होना असंभव है। इस मौके पर मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, निगम अध्यक्ष बसना गौड़ा दद्दल ने मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शन के मद्देनजर राज्य पुलिस विभाग ने भाजपा कार्यकर्ताओं को डीसी कार्यालयों में प्रवेश करने से रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए थे और परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया थे। भाजपा कार्यकर्ता राजधानी बेंगलूरु सहित सभी जिलों में डीसी कार्यालयों की ओर मार्च कर रहे थे। चिकमंगलूरु में, पुलिस ने उन भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया, जिन्होंने बैरिकेड्स फांदकर कार्यालय में प्रवेश करने की कोशिश की।

सिद्धरामैया ने स्वामीजी का अपमान कर हिंदू विरोधी रवैया दिखाया : भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने कहा कि अगर सिद्धरामैया की खुद डीके शिवकुमार से अनबन है तो इसे चार दीवारों के बीच सुलझा लें। स्वामीजी के बारे में अनादरपूर्वक बात करने से आपको कोई फायदा नहीं होगा। विश्व ओक्कालिगा महासंस्थान मठ के चंद्रशेखरनाथ स्वामीजी द्वारा डीके शिवकुमार के लिए सीएम पद छोड़ने का अनुरोध करने के बाद सिद्धरामैया की एक व्यक्ति के साथ बातचीत का वीडियो वायरल हो गया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने वीडियो में सिद्धरामैया की बातों पर अपना विरोध जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है कि भगवा और भगवा से नफरत करने वाले सीएम सिद्धरामैया ने अब ओक्कालिगा स्वामीजी के खिलाफ एक अन-ोखा प्रयोग करके फिर से अपने हिंदू विरोधी रवैये का प्रदर्शन किया है। अगर आपके और डीसीएम डीके शिवकुमार के बीच कोई दुश्मनी है, तो इसे पार्टी मंच पर चार दीवारों के बीच सुलझाएं। इसके अलावा, स्वामीजी द्वारा व्यक्त किये गये विचारों के बारे में अनादरपूर्वक बोलने से आपको कोई लाभ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ओक्कालिगा समुदाय इसकी कड़ी निंदा करेगा। उन्होंने गृह मंत्री परमेश्वर पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा दिशाहीन नीतियों के कारण दिवालिया हो चुकी कांग्रेस सरकार के पास पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की कोई जिम्मेदारी नहीं है। परमेश्वर ने 20 मई को हुब्बल्ली में जिस डॉ. अंजलि अम्बिगेरा की हत्या कर दी गई थी, उनके घर का दौरा किया और राहत का वादा किया। चुनाव आचार संहिता समाप्त हुए कई माह बीत गए, लेकिन कांग्रेस सरकार अपना वादा भूल गई है। सिद्धरामैया की सरकार रंग-बिरंगे कौवे उड़ाकर लोगों को टोपी पहना रही है। उन्होंने अफसोस जताया कि यह कन्नड़ लोगों का दुर्भाग्य है कि सरकार इतनी दयनीय स्थिति में पहुंच गई है कि उसने पीड़ित परिवार को मुआवजा नहीं दिया है, जो पहले से ही पीड़ित हैं। प्रदेश भाजपा ने मूल्य वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किया और सरकार पर व्यंग्य किये। राज्य की जनता की सहूलियत के लिए ईंधन और जरूरी चीजों के दाम बढ़ाने वाले सीएम सिद्धरामैया अब एक नए शोध पर उतर आए हैं। कांग्रेस से लोगों की जेब कटना तय है।

भाजपा के रमन्ना बडिगर हुब्बल्ली-धारवाड़ के मेयर बने

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के चार बार के पार्षद रामप्पा (रमन्ना) बडिगर शनिवार को हुब्बल्ली-धारवाड़ के मेयर बन गए, जबकि दुर्गम्मा बिजवाड़ उनकी डिप्टी मेयर चुनी गईं। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम (एचडीएमसी) में, अगले एक साल के लिए जुड़वां शहरों के प्रथम नागरिक पद के लिए भाजपा के उम्मीदवार को 47 वोट मिले। भाजपा ने लगातार तीसरी बार सीट जीती। चुनाव बैठक में जहां 80 पार्षदों, एक सांसद, तीन विधायकों और दो एमएलसी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वहीं दुर्गम्मा बिजवाड़ को भी डिप्टी मेयर बनने के लिए 47 वोट मिले। मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार क्रमश: इमामहुसेन एलीगर और मंगलम्मा हिरेमानी को 36-36 वोट मिले। एआईएमआईएम ने मेयर पद के लिए हुसैनबी नलतवाड़ को मैदान में उतारा था

और उन्हें तीन वोट मिले। महापौर और उप महापौर पद क्रमश: पिछड़ा वर्ग ए और एससी महिला के लिए आरक्षित थे। क्षेत्रीय आयुक्त एस बी शेट्टेनावर ने चुनाव प्रक्रिया का नेतृत्व किया। नवनिर्वाचित महापौर रमन्ना बडिगर, जो वार्ड नंबर 30 से पार्षद हैं, ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और पेयजल उनकी प्राथमिकताएं होंगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार जन शिकायत निवारण बैठकें आयोजित की जाएंगी, जबकि संपत्ति कर के दायरे का विस्तार करके और विकास करके राजस्व जुटाने पर उचित ध्यान दिया जाएगा। बडिगर ने कहा विधायकों और वरिष्ठ नगरसेवकों के साथ बैठक करने के बाद, हम एचडीएमसी से संबंधित लंबित फाइलों को मंजूरी दिलाने और धन प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री के पास एक प्रतिनिधिमंडल लेकर जाएंगे।

सीएम व डीसीएम पद को लेकर अब किसी प्रकार की ना करें चर्चा: शिवकुमार

चर्चा करने वालों को जारी होगा नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि वर्तमान में राज्य में अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री का कोई पद नहीं है और मुख्यमंत्री बदलने की भी कोई चर्चा नहीं है। मैंने जो काम किया है उस पर पार्टी फैसला करेगी। मुझे किसी की सिफारिश की जरूरत नहीं है। सीएम और डीसीएम के पदों को लेकर अब किसी को भी खुला बयान नहीं देना चाहिए। इसे यहीं खत्म कर देना चाहिए, अगर चर्चा आगे भी जारी रही तो पार्टी सदस्यों को नोटिस दिया जाएगा। शहर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कोई डीसीएम नहीं है, मुख्यमंत्री बदलने का सवाल ही नहीं है। कृपया मैं विनती करता हूँ, मुझे किसी की सिफारिश की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने जो काम किया है उस पर हमारी पार्टी का आलाकमान फैसला करेगा। पार्टी के हित में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मैंने बैठकर चर्चा की और निष्कर्ष पर पहुंचे। इस मामले में विधायकों, मंत्रियों या स्वामी को ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। उनका आशीर्वाद ही काफी है,

इसके अलावा चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। किसी भी मंत्री को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद पर खुलकर चर्चा नहीं करनी चाहिए। हमारी पार्टी के विधायकों को प्रस्ताव भी नहीं देना चाहिए। अगर वे जारी रखते हैं तो उन्हें बिना औपचारिकता के नोटिस जारी करना होगा। पार्टी के लिए अनुशासन महत्वपूर्ण है। कोई भी अनुशासन के बिना नहीं है। हम जानते हैं कि हमने पार्टी के लिए कितनी मेहनत की है और क्या किया है। उन्होंने जवाब दिया कि उनमें से किसी को भी आज बात करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने गुस्से में कहा कि पार्टी हित में सभी लोग अपना मुंह बंद रखें तो पार्टी के लिए अच्छा होगा। डीके शिवकुमार ने दिल्ली में हुई सांसदों की बैठक के बारे में बताते हुए कहा कि दो सांसद निजी कार्यक्रम के कारण बैठक में शामिल नहीं हुए। बाकी सभी ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि वह राजनीति को किनारे रखकर राज्य के विकास में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने वादा किया है कि अगर राज्य के मंत्री और अधिकारी दिल्ली आकर उनसे मिलेंगे तो उन्हें केंद्र की ओर से आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जायेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दो घंटे तक बैठक में हिस्सा लिया जो एक बड़ी उपलब्धि है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि वह भद्रा अपर बैंक परियोजना के लिए पहले घोषित 5300 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान के लिए अभी भी प्रतिबद्ध हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि कुछ तकनीकी दिक्कत है। इसके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। हमने केंद्र सरकार को सभी आवश्यक प्रपत्र लिख दिए हैं। उन्होंने कहा कि हम आगे भी जरूरी जानकारी मुहैया कराते रहेंगे। महादायी मामले में दो पूर्व मुख्यमंत्री सांसद बनकर दिल्ली गये हैं। उनके पास सारी जानकारी उनकी उंगलियों पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि वह और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी इस मामले पर चर्चा कर समाधान निकाल सकते हैं। हमने केंद्रीय राजमार्ग एवं भूमि परिवहन मंत्री से भी मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री के कई पदों के सृजन की चल रही मांग, जिसे मौजूदा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के राजनीतिक प्रभाव को कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ने गुरुवार को एक नया मोड़ ले लिया था, जब विश्व वोक्कालिगा महासंघ मठ के संत चंद्रशेखर स्वामी ने सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से शिवकुमार को अपना पद सौंपने का अनुरोध किया। संत ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों की मौजूदगी में यह अनुरोध किया, जब वे बेंगलूरु के संस्थापक केम्पे गौड़ा की 515वीं जयंती में भाग ले रहे थे, जिसका आयोजन नादप्रभु केम्पे गौड़ा हेरिटेज एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी, बीबीएमपी और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया था।

अभी तक केवल शिवकुमार को ही यह पद नहीं मिला

विभिन्न नेताओं ने मुख्यमंत्री पद संभाला है और सत्ता का अनुभव किया है। अभी तक केवल शिवकुमार को ही यह पद नहीं मिला है। इसलिए, मैं सिद्धरामैया से अनुरोध करता हूं, जो पहले से ही इस पद पर हैं, कि वे शिवकुमार के लिए पद छोड़ दें और उन्हें आशीर्वाद दें। यह तभी हो सकता है जब सिद्धरामैया अपना मन बना लें। मैं उनसे शिवकुमार को अगला मुख्यमंत्री बनाने का अनुरोध करता हूं।

बाद में, संत ने कहा कि शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के हकदार हैं क्योंकि उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी को संगठित करने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा अगर सिद्धरामैया धर्मवंत हैं (जो धर्म का पालन करते हैं) तो उन्हें अब अपना पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे वोक्कालिगा समुदाय के लिए पद की मांग नहीं कर रहे थे और वे केवल पार्टी को सत्ता में लाने में शिवकुमार की भूमिका के बारे में बोल रहे थे। सिद्धरामैया और शिवकुमार दोनों ने कार्यक्रम में संत की टिप्पणियों का जवाब देने से परहेज किया क्योंकि वे पहले ही सभा को अपना संबोधन पूरा कर चुके थे। हालांकि, बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, सिद्धरामैया ने सीधा जवाब देने से परहेज किया और केवल इतना कहा कि कांग्रेस हाईकमान ऐसे मुद्दों पर अंतिम फैसला लेगा।

दक्षिण कन्नड़ के लोगों ने गूगल ट्रांसलेट में तुलु को शामिल किए जाने की सराहना की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गूगल ट्रांसलेट में तुलु को शामिल किए जाने से दक्षिण कन्नड़ के तुलु भाषी लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कर्नाटक तुलु साहित्य अकादमी के अध्यक्ष तारानाथ गट्टी कपिकाड ने कहा कि गूगल ट्रांसलेट में तुलु भाषा को शामिल किया जाना तुलु भाषा के लिए वैश्विक सम्मान है। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने जोर देकर कहा गूगल ट्रांसलेट में तुलु भाषा को शामिल किया जाना तुलु लोगों के लिए जश्न मनाने लायक है। गूगल ट्रांसलेट में कुछ मामलों में शब्दों का गलत उल्लेख होना आम बात है।

ऐसे मामलों में, यदि कोई व्यक्ति फीडबैक कॉलम में सही शब्द का उल्लेख करके प्रतिक्रिया देता है, तो गूगल उसे और सही कर देगा। कपिकाड ने कहा तुलु भाषी लोगों को इस सुविधा का लाभ उठाना चाहिए। तुलु को शामिल किए जाने से गैर तुलु भाषी लोगों को लाभ होगा। दरअसल, तुलु नाडु के लोग संविधान की आठवीं अनुसूची में तुलु को शामिल करने की मांग कर रहे हैं। विधायक डी वेदव्यास कामथ, यू राजेश नाइक, गुरमे सुरेश शेट्टी और अन्य ने भाषा को जोड़ने के लिए गूगल ट्रांसलेट की सराहना की है। फेसबुक पर एक पोस्ट में कामथ ने कहा मैं 110 अन्य भाषाओं के साथ तुलु भाषा को जोड़ने के लिए गूगल टीम को धन्यवाद देता हूं।

सीएम और डिप्टी सीएम का फैसला कांग्रेस हाईकमान करेगा, न कि संत: लक्ष्मण सावदी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री और अथानी विधायक लक्ष्मण सावदी ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला संत नहीं करेंगे, बल्कि कांग्रेस हाईकमान करेगा। वोक्कालिगा के एक संत ने मांग

की थी कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को सीएम बनाया जाए और श्रीशैल के एक संत ने मांग की थी कि अगर कांग्रेस बदलाव पर विचार कर रही है तो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के पद के लिए वीरशैव लिंगायत पर विचार किया जाना चाहिए।

अथानी शहर में पत्रकारों से सावदी ने कहा कि भाजपा के नेता राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में बात फैला रहे हैं, क्योंकि वे कांग्रेस के सुशासन को पचा नहीं पा रहे हैं और सत्तारूढ़ पार्टी में ऐसा कोई विकास नहीं हुआ है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला संतों का नहीं है। इस संबंध में निर्णय लेने का काम कांग्रेस हाईकमान का है।

शिवमोग्गा के लोगों की मांग

सरकार मैसूरु पेपर मिल्स को पट्टे पर दी गई वन भूमि वापस ले

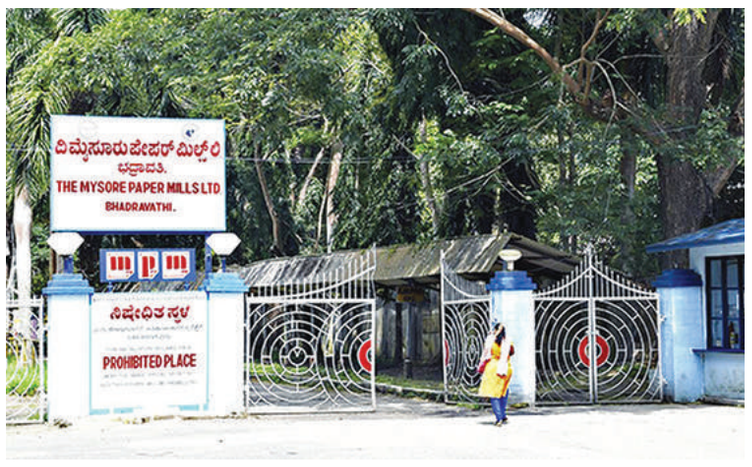

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा के प्रगतिशील संगठन वन मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे द्वारा केंद्र सरकार से भद्रावती में मैसूरु पेपर मिल्स (एमपीएम) को 20,000 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि के पट्टे को मंजूरी देने की अपील से नाखुश हैं। वे कर्नाटक के वन विभाग को भूमि वापस करने की मांग कर रहे हैं।

25 जून को दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान, खंड्रे ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की और बबूल के कैप्टिव बागानों के लिए एमपीएम को 20,005.42 हेक्टेयर वन भूमि के पट्टे के लिए मंजूरी देने का अनुरोध किया, जो 2015 से बंद है। कंपनी को कागज के उत्पादन के लिए कच्चे माल की आवश्यकता है।

कार्यकर्ताओं ने 4 मार्च, 2024 को शिवमोग्गा के भद्रावती में एमपीएम को पट्टे पर दी गई वन भूमि वापस लेने की मांग करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा को एक ज्ञापन सौंपा। राज्य सरकार ने शिवमोग्गा, चिकमगलूरु, दावणगेरे और चित्रदुर्ग जिलों में फैले जंगल को उद्योग के लिए कच्चे माल लुगदी की लकड़ी की कटाई के लिए एमपीएम को 40 साल की अवधि के लिए पट्टे पर दिया था। अगस्त 2020 में पट्टा समाप्त हो गया। शिवमोग्गा में बबूल की खेती का विरोध करने वाले संगठनों का एक मंच नम्मुरिगे अकेशिया बेडा होराटा ओक्कुटा नहीं चाहता कि राज्य सरकार पट्टे का नवीनीकरण करे। वे चाहते हैं कि सरकार जंगल की जमीन वापस ले। तत्कालीन विपक्ष के नेता सिद्धरामैया, जो अब सीएम हैं, ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर प्रशासन से पट्टे का नवीनीकरण न करने का आग्रह किया था। हालांकि, नवंबर 2020 में राज्य सरकार ने पट्टे को और 40 साल के लिए नवीनीकृत कर दिया। केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय ने पट्टे के नवीनीकरण पर आपत्ति जताई थी। इस संदर्भ में वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने केंद्रीय मंत्री से पट्टे को मंजूरी देने की अपील की। बबूल का विरोध करने वाले फोरम के संयोजक के.पी. श्रीपाल ने कहा कि एमपीएम के लिए वन भूमि के पट्टे को नवीनीकृत करने का कोई मतलब नहीं है, जो पिछले नौ वर्षों से बंद पड़ा है। यूनिट में शायद ही कोई कर्मचारी बचा हो। सरकार ने किस उद्देश्य से पट्टे को नवीनीकृत किया है? श्रीपाल ने कहा हम उद्योग को पुनर्जीवित करने के खिलाफ नहीं हैं। अभी तक, कैप्टिव प्लांटेशन में उगाए गए बबूल उद्योग को अगले 10-12 वर्षों तक चलाने के लिए पर्याप्त हैं। हालांकि, चरणबद्ध तरीके से लुगदी की लकड़ी की कटाई के बाद वन भूमि को वन विभाग को वापस कर दिया जाना चाहिए।

वन भूमि पर कब्जा करने के लिए काम

उन्हें संदेह है कि एक लॉबी एमपीएम के नियंत्रण में वन भूमि पर कब्जा करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा इस मुद्दे में वन मंत्री की दिलचस्पी हमें इस विकास के पीछे एक राजनीतिक लॉबी का हाथ होने का संदेह करने के लिए प्रेरित करती है। वन मंत्री होने के नाते, हम उनसे वन भूमि के संरक्षण के लिए निर्णय लेने की अपेक्षा करते हैं, न कि बबूल की खेती का समर्थन करने के लिए। कुवेम्पु विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र चेनी ने बताया कि बबूल की खेती प्राकृतिक वनों को नुकसान पहुंचाएगी, जैसा कि कई अध्ययनों से पता चला है। बबूल किसी अन्य पौधे को उगने नहीं देता। बबूल उगाने के बजाय, सरकार को 20,000 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक वन को पुनर्जीवित करने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा विकास तभी सार्थक होगा जब प्रकृति प्रभावित न हो।

सांसद ने दो महीने के भीतर इंद्राली पुल का निर्माण पूरा करने का दिया आश्वासन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी-चिकमगलूरु लोकसभा क्षेत्र के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने शनिवार को इंद्राली वाहन पुल के दौरे के दौरान इंद्राली पुल का निर्माण 2 महीने के भीतर पूरा कराने का आश्वासन दिया। इंद्राली पुल और संथेकट्टे अंडरपास की प्रगति के बारे में मीडिया को संबोधित करते हुए कोटा पुजारी ने कहा मैं लोगों और छात्रों की परेशानी को समझता हूं। मैंने अधिकारियों से दो महीने के भीतर काम पूरा करने को कहा है। बारिश के कारण 15 दिन या उससे अधिक की देरी हो सकती है, लेकिन इससे अधिक नहीं। हमने डिप्टी कमिश्नर और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनए-चएआई) के अधिकारियों की मौजूदगी में एक बैठक की और उनसे पत्थरों को हटाने और सबसे अधिक जरूरत वाले क्षेत्रों में सर्विस रोड का निर्माण जल्दी से जल्दी करने का आग्रह किया है। जनवरी 2025 तक, संथेकट्टे में वाहन ओवरपास का पूरा निर्माण पूरा हो जाना चाहिए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वह इस सड़क का उद्घाटन करेंगे। कर्नाटक में राजनीतिक स्थिति के बारे में पूछे जाने पर कोटा पुजारी ने कहा राजनीतिक अराजकता ने राज्य के लोगों को भ्रमित कर दिया है। अगर यह जारी रहा, तो सरकार के गिरने में कोई संदेह नहीं है। उन्होंने देश में नीट परीक्षा घोटाले पर आगे बात करते हुए कहा हमने पहले ही सीआईडी में शिकायत दर्ज करा दी है, और मुझे विश्वास है कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लेंगे और बिना किसी पक्षपात के मामले को न्यायसंगत तरीके से संभालेंगे।

उडुपी के विधायक यशपाल सुवर्णा ने भी मीडिया से बात करते हुए कहा राज्य सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ साबित हुई है और बागवानी पर निर्भर लोगों को आवश्यक अनुदान नहीं दे रही है।

हमने पहले ही इसका विरोध किया है। सरकार के भीतर कई गलतफहमियाँ हैं, जिसने इसे कमजोर बना दिया है। मैं कर्नाटक के मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूँ कि वे विभिन्न अनावश्यक भ्रष्ट प्रथाओं में शामिल होने के बजाय गरीब किसानों को धन मुहैया कराएँ। मुख्यमंत्री ने जिले का दौरा किया और इसके विकास के संबंध में एक बैठक की।

लोगों की समस्याओं पर ध्यान देंगे

यहां तक कि जिले के प्रभारी मंत्री ने भी जिले के विकास को लेकर बैठक की, लेकिन वे सिर्फ बैठकें ही साबित हुईं, क्योंकि लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए कोई कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने उन पर भरोसा करके उन्हें अपना नेता चुना है। मुझे उम्मीद है कि वे अपनी शक्ति का दुरुपयोग नहीं करेंगे और लोगों की समस्याओं पर ध्यान देंगे। इंद्राली इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्रधानाध्यापक के साथ छात्रों और शिक्षकों ने स्कूल तक उचित सड़क के निर्माण के संबंध में सांसद को एक अनुरोध पत्र सौंपा, क्योंकि मौजूदा सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं और छात्रों को स्कूल तक पहुंचने में परेशानी होती है, खासकर बरसात के मौसम में। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी, कर्मचारी, इंजीनियर और भाजपा के सदस्य मौजूद थे।

भाजपा विधायक ने बकरीद के दौरान शिवमोग्गा में बड़े पैमाने पर गोहत्या का लगाया आरोप

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा द्वारा बकरीद के दौरान शिवमोग्गा में बड़े पैमाने पर गोहत्या का आरोप लगाए जाने के बाद शनिवार को शिवमोग्गा में स्कूली शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा की अध्यक्षता में कर्नाटक विकास कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान तीखी बहस हुई। बैठक में विधायक बी.के. संगमेश्वर, डी.एस. अरुण, बी.वाई. विजयेंद्र, अरगा ज्ञानेंद्र और उपायुक्त गुरुदत्त हेगड़े मौजूद थे। चन्नबसप्पा ने आरोप लगाया कि बकरीद के दौरान हजारों गायों की हत्या की गई। वह जानना चाहते थे कि क्या कर्नाटक में गोहत्या निषेध कानून लागू है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास अपने आरोप को साबित करने के लिए वीडियो हैं। वरिष्ठ

अधिकारियों के ध्यान में मामला लाने के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा शायद ही कोई कार्रवाई की गई। कांग्रेस एमएलसी बिलकिस बानो ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए सुझाव दिया कि जिले में कोई गोहत्या नहीं हो रही है। हालांकि चन्नबसप्पा ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने वादा किया कि अगर कोई यह साबित कर दे कि जिले में कोई गोहत्या नहीं हो रही है तो वह विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे। बिलकिस बानो ने तर्क दिया कि बैठक लोगों की बुनियादी जरूरतों जैसे पानी, आवास और अन्य सुविधाओं से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। मधु बंगारप्पा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अधिकारी कानून के मुताबिक काम करेंगे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा अगर जनप्रतिनिधियों को कानून का उल्लंघन नजर आता है तो वे इसे मेरे ध्यान में ला सकते हैं। सरकार कानून के मुताबिक काम करेगी। पुलिस अधीक्षक जी.के. मिथुन कुमार ने कहा कि जिले में गोहत्या की सूचना मिलने पर पुलिस कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया 2023 में गोहत्या से जुड़े 21 मामले थे। इस साल 44 मामले दर्ज किए गए हैं।

वाल्मीकि विकास निगम घोटाला मामले में 3 जुलाई को सीएम के आवास का करेंगे घेराव : विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि वाल्मीकि विकास निगम में हुए बड़े घोटाले और भ्रष्टाचार में इस्तीफे की मांग को लेकर 3 जुलाई को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के घर का घेराव किया जाएगा। शिवमोग्गा में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को भाजपा के सभी विधायक और विधान परिषद सदस्य मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। भाजपा के कड़े संघर्ष के बाद मंत्री नागेंद्र ने इस्तीफा दे दिया है।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि एसआईटी ने अब तक नागेंद्र से पूछताछ नहीं की है। अपने संघर्ष के अगले हिस्से के रूप में हम सीएम आवास का घेराव करेंगे। अनुसूचित जनजाति के लिए आवंटित राशि लूट ली गयी है। मुख्यमंत्री स्वयं वित्त मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान इतनी बड़ी रकम यानी 187 करोड़ रुपये का घोटाला उनकी जानकारी में आए बिना होना असंभव है। शुक्रवार को भाजपा

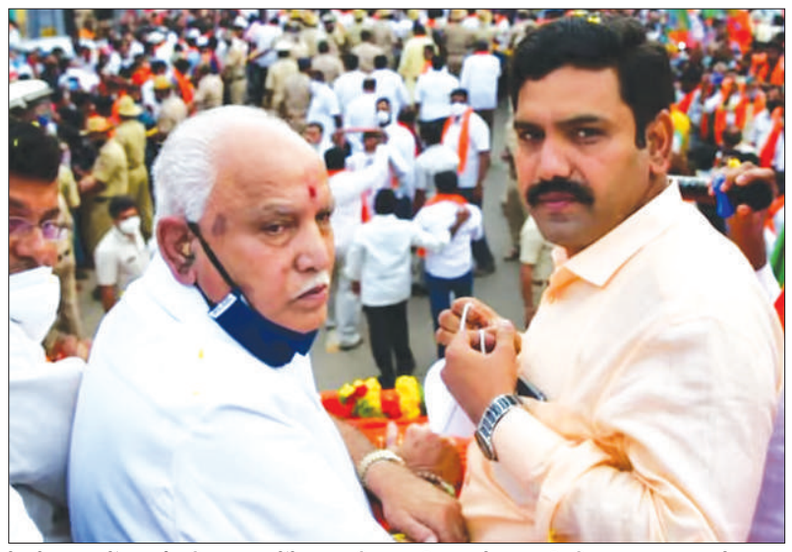

ने पूरे राज्य में प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया गया और इस घोटाले के खिलाफ हमारी लड़ाई लगातार जारी है। अधिकारी चन्द्रशेखर ने आत्महत्या की और उनके डेथ नोट में कई बिंदु शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात की आलोचना की कि राज्य सरकार ने अभी तक इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया है। अनुसूचित जाति का पैसा लूटने का इतना बड़ा घोटाला प्रदेश में पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव में इस पैसे के इस्तेमाल की काफी चर्चा हुई थी।

झील में गिरने से दो बच्चों की मौत माता-पिता की हालत गंभीर

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुडापुर के कोल्लूर पुलिस स्टेशन की सीमा के बेलाला पंचायत क्षेत्राधिकार के अंतर्गत नंद्रोली में एक दिल दहला देने वाली घटना में दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान धनराज सतीश (13) और छाया सतीश (7) के रूप में हुई है, जो वंडसे के एक स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे। उनकी मां शीला (34) और पिता सतीश मदीवाला की हालत गंभीर है और उनका कुंडापुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि शीला की हालत में सुधार के संकेत मिले हैं, लेकिन वह अभी भी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। चित्तौड़ माधर एम्बुलेंस सेवा से जया, 112 आपातकालीन सेवाओं से रामचंद्र और दिनेश के साथ सहायता प्रदान करने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह घटना परिवार द्वारा आत्महत्या का प्रयास हो सकता है। पूर्व विधायक सुकुमार शेट्टी ने शोक संतप्त परिवार को अपना समर्थन और संवेदना व्यक्त करने के लिए अस्पताल का दौरा किया।

रेल मंत्री ने कुमारस्वामी को अगले बजट में हेज्जला-चामराजनगर परियोजना को शामिल करने का दिया आश्वासन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कनकपुरा, मालवल्ली और कोल्लेगल से होकर गुजरने वाली लंबे समय से लंबित हेज्जला-चामराजनगर रेलवे लाइन परियोजना को पुनर्जीवित किए जाने की उम्मीद है, क्योंकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को आगामी केंद्रीय बजट में इस परियोजना को शामिल करने का आश्वासन दिया है। कुमारस्वामी, जो मांड्या लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद भी हैं, के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि कुमारस्वामी ने हाल ही में वैष्णव से मुलाकात की और रेलवे परियोजना से संबंधित मामले को उठाया, जिससे न केवल मांड्या बल्कि चामराजनगर, मैसूरु और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों के लोगों को भी लाभ होगा। कुमारस्वामी ने मालवल्ली (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व विधायक के. अन्नादानी द्वारा रेल मंत्री को लिखे गए पत्र की एक प्रति भेजी थी, जिसमें परियोजना के लिए शीघ्र मंजूरी और क्षेत्र के लोगों के लंबे समय से लंबित सपने को साकार करने में मदद की मांग की गई थी।

कुमारस्वामी के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि वैष्णव ने कुमारस्वामी को आश्वासन दिया है कि इस परियोजना को अगले बजट में शामिल किया जाएगा। रेलवे के सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु के बाहरी इलाके में हेज्जला और कनकपुरा, मालवल्ली और कोल्लेगल से गुजरने वाले सीमावर्ती जिले चामराजनगर के बीच 140 किलोमीटर लंबी नई रेलवे परियोजना को रेलवे ने 1996-97 में ही मंजूरी दे दी थी। इस परियोजना से चामराजनगर, मांड्या और रामनगरम जिलों के विशाल भीतरी इलाकों को रेलवे नेटवर्क के लाभों से जोड़ने की उम्मीद थी, जबकि कोल्लेगल और मालवल्ली जैसे आर्थिक केंद्रों में कारोबार को बढ़ावा मिलेगा, जिससे बेंगलूरु से सीधा संपर्क होगा।

कृषि अर्थव्यवस्था के अलावा, इस क्षेत्र में कोल्लेगल में एक सरकारी कोकून मार्केट भी है, जहाँ बड़ी संख्या में किसान रेशम उत्पादन करते हैं। वर्तमान में, चामराजनगर से आने-जाने वालों को बेंगलूरु पहुँचने से पहले मैसूरु तक 60 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जो कि 140 किलोमीटर दूर है।

बाघ की गतिविधि पर नजर रखने के लिए नाइट विजन कैमरे लगाए गए

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के वरकोडु रिजर्व फॉरेस्ट की सीमा से लगे एक गाँव में देखे गए बाघ पर नजर रखने के लिए वन विभाग के कर्मियों ने नाइट विजन कैमरे लगाए हैं। शनिवार की सुबह मूडलाहुंडी रोड पर रिजर्व फॉरेस्ट से गुजरने वाली सड़क पर बाघ देखा गया। स्थानीय समुदाय ने इस दृश्य की जानकारी उप वन संरक्षक (क्षेत्रीय) बसवराज और अन्य कर्मचारियों को दी, जिन्होंने तेंदुए टास्क फोर्स के सदस्यों के साथ मौके का निरीक्षण किया। यह पता लगाने पर कि बाघ वास्तव में देखा गया था और आस-पास में इसकी उपस्थिति की पुष्टि होने पर, अधिकारियों ने बाघ की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप के साथ नाइट विजन-आईआर-जीएसएम कैमरा लगाने का फैसला किया। इस बीच, वन विभाग ने स्थानीय लोगों में साहस भरने के लिए आस-पास के इलाकों और रिजर्व फॉरेस्ट की सीमा से लगे गाँवों में रात में गश्त के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया है। वरकोडु के मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय में चौबीसों घंटे निगरानी के लिए एक विशेष दस्ता भी तैनात किया गया है। इस बीच, गांव के लोगों को सलाह दी गई है कि वे दिन ढलने से पहले और शाम ढलने के बाद कम से कम बाहर निकलें। बसवराज ने कहा कि एहतियात के तौर पर प्रभावित गांवों में क्या करें और क्या न करें, इस बारे में एक सूचना पत्रक भी वितरित किया गया है। वरकोडु रिजर्व फॉरेस्ट की सीमा से लगे गांवों के लोगों को सोशल मीडिया पोस्ट या अफवाहों पर ध्यान न देने के लिए भी आगाह किया गया है, क्योंकि इससे और अधिक दहशत फैल सकती है।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने गुजरात में 7 जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले में गुजरात में सात स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चार जिलों आनंद, खेड़ा, अहमदाबाद और गोधरा में संदिग्धों के परिसरों पर सुबह छापेमारी की कार्रवाई शुरू की गई।

सीबीआई ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में झारखंड के हजारीबाग स्थित एक स्कूल के प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य और एक हिंदी समाचार पत्र के एक पत्रकार को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि ओएसिस स्कूल के प्रधानाचार्य एहसानुल हक को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा पांच मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के लिए हजारीबाग का नगर समन्वयक बनाया गया था। उन्होंने बताया कि उप-प्रधानाचार्य इम्तियाज आलम को एनटीए का पर्यवेक्षक और ओएसिस स्कूल का केंद्र समन्वयक नियुक्त किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई प्रश्नपत्र लीक मामले के सिलसिले में जिले के पांच और लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पत्रकार जमालुद्दीन अंसारी को प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने इस मामले में छह प्राथमिकी दर्ज की हैं। एनटीए ने देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी परीक्षा आयोजित की थी। इस साल पांच मई को कुल 571 शहर के 4,750 केंद्र पर परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में 23 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

सीबीआई ने नीट प्रश्न-पत्र लीक मामले में तीन और अभियुक्तों को रिमांड पर लिया

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की बिहार में पटना स्थित एक विशेष अदालत ने शनिवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के प्रश्न-पत्र लीक मामले में तीन और अभियुक्तों को पुलिस रिमांड पर हिरासती पूछताछ के लिए सीबीआई को सौंपे जाने का आदेश दिया। सीबीआई के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी हर्षवर्धन सिंह की अदालत ने यह आदेश सीबीआई के आ-वेदन पर सुनवाई के बाद दिया है। इससे पूर्व सीबीआई ने हजारीबाग से गिरफ्तार किए गए अभियुक्त डॉ. एहसान उल हक, इम्तियाज और जमालुद्दीन को आज विशेष अदालत में पेश किया, जहां उन्हें न्यायिक हिरासत में लिया गया। इसके बाद सीबीआई ने एक आवेदन दाखिल कर इन तीनों अभियुक्तों से हिरासती पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर दिए जाने की प्रार्थना की। अदालत ने प्रार्थना स्वीकार करते हुए तीनों अभियुक्तों से हिरासती पूछताछ के लिए 29 जून 2024 से 04 जुलाई 2024 तक के लिए सीबीआई को सौंपे जाने का आदेश आदर्श केंद्रीय कारागार, बेऊर के अधीक्षक को दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि तीनों अभियुक्तों की चिकित्सकीय जांच करने के बाद उनसे पूछताछ की जाएगी और फिर चिकित्सकीय जांच कराकर 04 जुलाई 2024 को दिन के 11:00 बजे तक न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर देना है। इससे पूर्व अदालत ने 26 जून 2024 को इस मामले के दो अन्य अभियुक्त चिंटू उर्फ बलदेव और मुकेश तथा 28 जून 2024 को आशुतोष और मनीष से पुलिस रिमांड पर हिरासती पूछताछ के लिए 04 जुलाई 2024 तक के लिए लिए सीबीआई को सौंपे जाने का आदेश दिया था।

आतंकियों को जवाब देने को इजराइल और जर्मनी से खरीद रहे हथियार: स्वैन

जम्मू, 29 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर आर स्वैन ने कहा है कि आधुनिक हथियार रखने वाले आतंकवादियों का मुकाबला करने के लिए पुलिस इजरायल और जर्मनी से नवीनतम हथियार खरीद रही है। श्री स्वैन ने एक समारोह के इतर पत्रकारों से बात करते हुए ने कहा कि आतंकवादियों को करारा जवाब देने के लिए पुलिस अपनी क्षमता बढ़ाने के वास्ते इजरायल और जर्मनी से हथियार खरीद रही है। डोडा मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों के पास अमेरिका निर्मित एम -4 कार्बाइन होने के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हमारे पास अपने दुश्मन का मुकाबला करने के लिए नवीनतम हथियार प्रणाली होगी।

डीजीपी ने कहा कि इजरायल और जर्मनी से हथियारों की नई खरीद से पुलिस बलों की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा और दुश्मन से बेहतर तरीके से निपटने में भी मदद मिलेगी। आतंकवादी हमें कभी भी हरा नहीं सकते। गौरतलब है कि नौ से 12 जून के बीच पहाड़ी जम्मू के रियासी, डोडा और कठुआ जिलों में चार आतंकवाद संबंधी घटनाओं में दस लोगों की जान चली गई,

जिनमें शिव खोरी मंदिर से लौट रहे सात तीर्थयात्री और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान और कई अन्य घायल हो गए। श्री स्वैन ने हाल ही में कहा था कि पुलिस जम्मू में विदेशी आतंकवादियों से निपटने के लिए तैयार है और पहली गोली चलाने से नहीं कतराएगी। कठुआ और डोडा में हाल की दो मुठभेड़ों में पांच विदेशी आतंकवादी मारे गए और उनके पास से अन्य हथियारों के अलावा तीन अमेरिका निर्मित एम-4 कार्बाइन भी बरामद किए गए।

डीजीपी ने कठुआ के लोगों के साहस और वीरता की सराहना करते हुए कहा कि जब वह जिले में एसएसपी के रूप में कार्यरत थे तो बुजुर्ग लोग अक्सर उन्हें कहानियां सुनाते थे कि कैसे कठुआ के स्थानीय लोगों ने 1965 के युद्ध सहित दुश्मन के खिलाफ युद्ध में सेना का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, कठुआ के लोगों के दिलों में देशभक्ति कूट-कूटकर भरी है। हमने कठुआ जिले के ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) को मजबूत करने का फैसला किया है। श्री स्वैन ने कहा कि कठुआ मुठभेड़ में बहादुर भूमिका के लिए नौ विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को नियमित किया गया। इस मुठभेड़ में दो विदेशी आतंकवादी मारे गये थे। एसपीओ के नियमितीकरण के बारे में डीजीपी स्वैन ने कहा कि पुलिस के शीर्ष अधिकारियों ने सर्वसम्मति से सामान्य प्रक्रिया से आगे बढ़ने और आतंकवादियों से सीधे मुकाबला करने वाले एस-पीओ को नियमित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस की सेवा करने वाले सभी 20,000 एसपीओ को अपने संदेश में कहा, एसपीओ के बहादुर कार्यों को मान्यता दी जाएगी और 24 घंटों के भीतर, एसपीओ को उनके बहादुर कार्यों के लिए नियमित किया जाएगा।

शाह ने एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान विजय के सदस्यों का स्वागत किया

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दूसरे पर्वतारोहण अभियान विजय के सदस्यों का 21 हजार 625 फुट ऊंची चोटी मणिरंग को फतह करके लौटने पर शनिवार को स्वागत किया।

गृह मंत्री ने आज यहां आपदा प्रबंधन उपकरण और फोटो प्रदर्शनी का भ्रमण भी किया। इस प्रदर्शनी में बल के कर्मचारियों द्वारा अभियानों में प्रयोग किए जाने वाले अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकों को दर्शाया गया है।

भारत और तुर्की में आपदा प्रबंधन अभियानों में शामिल रहे बचाव दलों के प्रतिनिधियों ने गृह मंत्री को प्रदर्शनी के बारे में बताया। गृह मंत्री ने बाढ़ के दौरान बचाव अभियान, भूस्खलन, ढांचों के मलबे में खोज एंव बचाव अभियान, कैमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल

न्यूक्लियर रिस्पॉंस मैकेनिज़्म (सीबीआरएरन), पर्वत बचाव अभियान, बोरवैल बचाव अभियान और तूफान प्रतिक्रिया आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव और बल के महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने मणिरंग पर सफल अभियान के लिए बल के जवानों की सरहना करते हुए कहा कि इतनी ऊंचाई पर जाने के लिए अदम्य साहस दिखाने का फैसला करने वाले जवानों के ऐसे कठिन अभियानों से व्यक्ति और बल दोनों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कठिन अभियानों से लक्ष्य को सिद्ध करने, विजय प्राप्त करने और अकल्पनीय कठिनाइयों को पार कर लक्ष्य तक पहुंचने की आदत पड़ती है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस अभियान में कुछ जवानों ने सफलता प्राप्त की है लेकिन सही मायनों में यह पूरे बल की सफलता है। इन जवानों ने सिर्फ मणिरंग पर्वत की ऊंचाई पर विजय प्राप्त नहीं की है, बल्कि पूरे बल के हौंसले को बढ़ाने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि पर्वतारोहण सिर्फ एक कौशल नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है और इस कला को सिद्धहस्त करना पूरे जीवन के लिए एक शिक्षा बनता है। उन्होंने अभियान विजय में सफलता हासिल करने वाले 35 जवानों और बल के महानिदेशक को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी।

श्री शाह ने कहा, एक ज़माने में भारत में आपदा को लेकर हमारा दृष्टिकोण सिर्फ राहत-केन्द्रित था, लेकिन अब आपदा प्रबंधन के लिए राहत-केन्द्रित नहीं बल्कि ज़ीरो कैजुअल्टी अप्रोच को अपनाया जा रहा है। आपदा से निपटने के मामले में ये हमारी बहुत बड़ी यात्रा रही है। पिछले 10 साल के कार्यकाल में आपदा से निपटने के लिए दुनियाभर की अच्छी तकनीकों को हमने भारत में ज़मीन पर उतारा है।

न्यायाधीश संविधान के सेवक हैं स्वामी नहीं : न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि न्यायाधीश संविधान के सेवक हैं स्वामी नहीं, उन्हें न्यायपूर्ण तरीके से अपना फैसला सुनाना चाहिए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यहां टाउन हॉल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, न्यायाधीश संविधान के सेवक हैं, स्वामी नहीं। जब मुझे बताया जाता है कि यह न्याय का मंदिर है, तो मैं थोड़ा संकोची हो जाता हूं। एक गंभीर धारणा है कि हमें मंदिर में देवताओं के रूप में देखा जाता है। मैं न्यायाधीशों की भूमिका को लोगों के सेवक के रूप में फिर से परिभाषित कर रहा हूँ। ऐसा करके आप दूसरों के बारे में निर्णय लेने में करुणा और सहानुभूति की भावना लाते हैं, लेकिन दूसरों के बारे में निर्णयात्मक नहीं होते।

उन्होंने कहा, न्यायिक प्रणाली में कई बाधाएं हैं, लेकिन तकनीक की मदद से आम लोगों के लिए अंग्रेजी से सैकड़ों क्षेत्रीय भाषाओं का अनुवाद किया जा सकता है। तकनीक हम सभी को कुछ जवाब दे सकती

है। ज्यादातर फ़ैसले अंग्रेज़ी में लिखे जाते हैं। तकनीक ने हमें उनका अनुवाद करने में सक्षम बनाया है। हम 51 हजार से अधिक फ़ैसलों का दूसरी भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं। इनमें बंगाली और उड़िया में फ़ैसले भी शामिल हैं।

उन्होंने जमानत आवेदनों की सुनवाई में सुस्ती पर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह न्यायिक प्रणाली का मॉडल नहीं है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालयों को यह भी निगरानी करनी चाहिए कि किसी व्यक्ति को जमानत देने के उनके आदेश का क्रियान्वयन हुआ या नहीं, क्योंकि नौकरशाही प्रणाली आदेश के त्वरित निपटान को प्रभावित करती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि आपराधिक मामले में किसी को भी सजा सुनाते समय भी न्यायाधीशों को करुणा की भावना के साथ ऐसा करना चाहिए, क्योंकि अंत में एक इंसान को ही सजा सुनाई जा रही है। उन्होंने कहा, संवैधानिक नैतिकता की ये अवध-रणाएं केवल शीर्ष अदालत या उच्च अदालत के न्यायाधीशों के लिए ही नहीं बल्कि जिला न्यायपालिका के लिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आम नागरिक की भागीदारी सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से जिला न्यायपालिका से शुरू होती है।

एनटीए ने घोषित की यूजीसी-नेट सहित तीन परीक्षाओं की तिथि

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) की परीक्षा 21 अगस्त से 04 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि 18 जून को आयोजित यूजीसी नेट की परीक्षा पेपर लीक होने की वजह से एक दिन बाद यानी 19 जून को रद्द कर दी गयी थी, जबकि चतुर्थ वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के लिए आयोजित होने वाली राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (एनसीईटी) की परीक्षा 12 जून का आयोजित हुई थी और उसी दिन शाम में रद्द कर दी गयी थी। वहीं, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (जॉइंट सीएसआईआर- यूजीसी नेट) की परीक्षा 25 जून से 27 जून के बीच आयोजित होने वाली थी, लेकिन एनटीए ने अपरिहार्य कारणों का हवाला देते हुए इसे स्थगित कर दिया।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से शुक्रवार को यूजीसी-नेट सहित तीन परीक्षाओं की तिथि घोषित की गयी। एनटीए के मुताबिक एनसीईटी की परीक्षा अब 10 जुलाई को कंप्यूटर-आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित होगी। वहीं, जॉइंट सीएसआईआर- यूजीसी-नेट की स्थगित परीक्षा अब 25 से 27 जुलाई के बीच सीबीटी मोड में आयोजित होगी, जबकि यूजीसी-नेट की परीक्षा 21 अगस्त से चार जुलाई के बीच सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी।

यूजीसी इंडिया ने शनिवार को एक्स पर एनटीए की ओर से जारी अधिसूचना को पोस्ट करते हुए लिखा, यूजीसी-नेट जून 2024 चक्र 21 अगस्त से 04 सितंबर 2024 के बीच आयोजित किया जाएगा। परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी-नेट और एनसीईटी 2024 की तिथियों की भी घोषणा की गई है। पूरी जानकारी एनटीए की वेबसाइट एचटीटीपीए://एनटीए.एससी.इन पर प्राप्त करें।

नेता का बच्चा राजनीति नहीं करेगा तो क्या खेतीबाड़ी करेगा : लवली आनंद

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में आने की चर्चा के बीच प्रदेश में सियासत गर्म हो गयी है। इस बीच, जदयू की सांसद लवली आनंद ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात उन्होंने सुनी नहीं है, लेकिन वे राजनीति में आते हैं तो स्वागत योग्य बात है। उन्होंने कहा कि पॉलिटिशियन का बच्चा पॉलिटिक्स नहीं करेगा तो क्या खेतीबाड़ी करेगा। इस बयान को राजद ने किसानों का अपमान बताया है।

जदयू की सांसद लवली आनंद ने कहा, डॉक्टर का बच्चा डॉक्टर होता है, वकील का बच्चा वकील और इंजीनियर का बच्चा इंजीनियर होता है। अगर पॉलिटिशियन का बच्चा पॉलिटिक्स में गया तो क्या गलत है? जदयू की सांसद लवली आनन्द के बयान पर राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने पलटवार करते हुए इसे देश के किसानों का अपमान बताया है। उन्होंने कहा कि लवली आनंद को किसानों से माफी मांगनी चाहिए। मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि यह बयान देश के किसान भाइयों के लिए अपमानजनक है। उन्होंने कहा, देश की आत्मा किसानों में बसती है और 140 करोड़ नागरिकों का पेट उन्हीं किसानों की मेहनत से भरता है। लोग गर्व से कहते हैं कि हम किसान के बेटे हैं और किसान का बेटा भी मंत्री, आईएएस और अन्य उच्च पदों पर पहुंच सकता है। उन्होंने लवली आनंद के बयान को शर्मनाक बताया और कहा कि यह किसानों का अपमान है।

नक्सली दंपत्ति सहित 12 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सली दंपत्ति सहित 12 माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक बीजापुर के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जिसे पुलिस अपनी बड़ी सफलता मानती है। इन नक्सलियों पर कुल सात लाख रुपए का इनाम घोषित था।

इन नक्सलियों में नेशनल पार्क एरिया कमेटी अन्तर्गत पांच लाख की इनामी पीपीसीएम और एक लाख की ईनामी सीएनएम अध्यक्ष पति-पत्नि शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले सभी 12 नक्सली भैरमगढ एरिया कमेटी, गंगालूर एरिया कमेटी एवं नेशनल पार्क एरिया कमिटी के सदस्य है और इन सभी पर कुल सात लाख का इनाम घोषित था।

आत्मसमर्पण करने वाले उक्त नक्सली वर्ष 2005 से जवानों के साथ मुठभेड़ में व हत्या, आगजनी, सड़क खोदने , आईडी ब्लास्ट करने तथा 2006 में एनएमडीसी खदान में हमला करने जैसी बड़े घटनाओं में संलिप्त रहे। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में अब तक 123 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। वही माओवादी घटनाओं में शामिल 273 माओवादी गिरफ्तार भी हुए हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत पच्चीस-पच्चीस हजार रुपये नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कोलकाता में अलीपुर-लेकटाउन समेत 8 जगहों पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को 2021 के मनी लॉन्ड्रिंग मामले से संबंधित कोलकाता में कई स्थानों पर छापेमारी की। पहले इस मामले की जांच सीबीआई कर रही थी। सूत्रों ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामले में जो छापेमारी की गई है उसका कुछ विदेशी संबंध भी है। शहर में आठ अलग-अलग स्थानों पर समानांतर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसमें न्यू अलीपुर, जोधपुर पार्क स्थित साउथ सिटी आवासीय परिसर, लेक टाउन और जादवपुर भी शामिल है।

ईडी की टीमों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान सुरक्षा दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि मामले में मुख्य आरोप विभिन्न मल्टी-लेवल मार्केटिंग योजनाओं के तहत अवैध रूप से सार्वजनिक जमा राशि इकट्ठा करने से संबंधित है, जैसा कि सारदा समूह और रोज वैली समूह जैसे पोंजी घोटाले के मामलों में हुआ था। सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के अलावा ओडिशा, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में भी इस तरह की जमा वसूली की गई। इन राज्यों के विभिन्न शहरों में ऑपरेटरों के दफ्तरों और एजेंटों के नेटवर्क फैले हुए हैं। इस मामले में वित्तीय संलिप्तता हजारों करोड़ रुपये की है।

पलायन नहीं, परिश्रम और संघर्ष का मार्ग है संन्यास : योगी आदित्यनाथ

प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान कार्यक्रम में बोले योगी

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। संन्यास लेने पर शुरू-शुरू में लोग मुझे टोकते थे। आज मैं उन लोगों को देखता हूं तो पाता हूं कि कोई संतुष्ट नहीं है। भौतिक उपलब्धि व्यक्ति को कभी संतुष्ट नहीं कर सकती। ये ठीक है कि मैं आज मुख्यमंत्री हूं। मगर मैंने संन्यास लिया, ये पलायन का नहीं परिश्रम और संघर्ष का मार्ग है। आज भी 16-18 घंटे काम करता हूं, इसलिए नहीं कि कोई पद या प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, बल्कि इसलिए क्योंकि ये मेरा कतर्व्य है। मैं अपने संन्यास की सार्थकता को साबित कर सकूं। भारत की ऋषि परंपरा ने संन्यास की जो व्यवस्था बनाई है वो व्यवस्था सही है, इसे साबित कर सकूं। आज मैं भगवान श्रीकृष्ण के सिद्धांतों पर चलते हुए सज्जनों के साथ खड़ा रहता हूं और दुष्टों के त्राण के लिए कदम भी उठाता हूं। ये बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र की ओर से आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में छात्र-छात्राओं के विभिन्न रोचक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी छात्र-छात्राओं की ओर से पूछे गये सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि संन्यास का फैसला लेना उनके और उनके माता-पिता के लिए चुनौती थी। कोई अभिभावक नहीं चाहता कि उसका बच्चा सन्यासी बन जाए।

अभिभावक रिटर्न चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बचपन में वह भी वही सोचते थे, जो आज के बच्चे सोचते हैं। वह चाहते थे कि एक अच्छा इंजीनियर बनें। बाद में अहसास हुआ कि कोई इंजीनियर या पद प्राप्त करने से अच्छा है कि पीड़ितों के साथ खड़ा रहूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही मेरे जीवन की सार्थकता है।

उन्होंने कहा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। जितना परिश्रम करेंगे उसका परिणाम हमारे पक्ष में जरूर आएगा। कहा कि किसी कार्य में अगर बाधाएं नहीं हैं तो मानकर चलिए कि आपकी दिशा ठीक नहीं। जितने शुभचिंतक हैं उतने ही दुश्मन भी होने चाहिए। तब जो सफलता मिलती है उसका आनंद भी अलग होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर छात्र छात्रा को प्रधानमंत्री मोदी की किताब एग्जाम वारियर्स जरूर पढ़ना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के विकास के लिए एक टीम की जरूरत होती है, जो बिना रुके, बिना झुके लगातार आगे बढ़े। यकीन है कि मेरी युवा पीढ़ी इसके लिए तैयार है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को राजनीति में अपना आदर्श बताते हुए कहा कि पॉलिटिक्स फुल टाइम जॉब नहीं है। राजनीति में अलग-अलग फील्ड से जुड़े विशेषज्ञों को आना चाहिए। इसमें अच्छे शिक्षाविद, अच्छे पत्रकार, अच्छे

चिकित्सक, किसान सबको योगदान देना होगा। जब ऐसे लोग राजनीति में आएंगे तो स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा आगे बढ़ेगी। केवल इसलिए कि हम राजनीति में आ जाएं और जाति, परिवार क्षेत्र के नाम पर विभाजन करके सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करें तो देश के साथ इससे बड़ी गद्दारी कुछ और नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि ये जानते हुए कि भारत की सबसे बड़ी कमजोरी यही जाति वैमनस्यता थी, क्योंकि क्या नहीं था भारत के पास। बल, वैभव, विद्या सबकुछ था यहां। दुनिया में तूती बोलती थी भारत की, लेकिन जाति वैमनस्यता ने इतनी गहरी खाई को चौड़ा किया कि चंद विदेशी आक्रांता आए और हमपर शासन करने लगे। सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करने का जो काम इतिहास में किया गया, आज वही काम ये जातिवादी और वंशवादी नेता कर रहे हैं। सीएम ने छात्र-छात्राओं को सलाह दी कि वे अच्छे अधिवक्ता, इंजीनियर, डॉक्टर, अधिकारी बनें और आपकी वहां की अच्छाई की चमक आपको स्वत: राजनीति में आने के लिए प्रेरित कर सकती है। राजनीति खुद आपकी डिमांड करेगी। आपको उसके पीछे नहीं जाना होगा। राजनीति, पद प्रतिष्ठा हमारे पीछे आएगी, हमें इतना परिश्रम करना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि जब आप कक्षा में मेरिट में स्थान प्राप्त करते हैं तो ये प्रत्यक्ष रूप से ये आपका परिश्रम है, मगर इसके पीछे, आपके विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारीगण और परिजनों का भी परिश्रम शामिल है। हर प्रकार के सार्थक प्रयास जब सामूहिक रूप से आगे बढ़ते हैं तो हमें अच्छे परिणाम भी देखने को मिलते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें 2047 में पीएम मोदी की मंशा के अनुरूप एक विकसित भारत बनाना है। यह तभी संभव होगा जब हम एक अच्छा नागरिक बनेंगे और सामूहिक प्रयास से आगे बढ़ेंगे। मेधावी छात्र-छात्राओं को हृदय से बधाई देते हुए कहा कि यहां छात्राओं की संख्या बहुत अधिक है। बालिकाओं ने बोर्ड की परीक्षा में ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। ये बताता है कि बालिकाएं तनाव में कम रहती हैं और मेहनत ज्यादा करती हैं।

मुख्यमंत्री से प्रश्न पूछने वाले छात्र-छात्राओं में कृष्णा तिवारी, सोनम पाठक, इशान पचौरी, शांभवी द्विवेदी और कृष्णा शामिल रहे। इस अवसर पर सीएम योगी ने विभिन्न परीक्षाओं में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री गुलाब देवी, कपिल देव अग्रवाल, दयाशंकर सिंह, संदीप सिंह के अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, अभिभावक और पत्रकार मौजूद थे।

2006 में भी पेपर लीक में आया था विधायक बेदीराम का नाम

गाजीपुर, 29 जून (एजेंसियां)। पेपर लीक मामले में वायरल हो रहे वीडियो के चलते जखनिया से सुभासपा विधायक बेदी राम एक बार फिर चर्चा आ गए। हालांकि इस वीडियो की हम पुष्टि नहीं करते हैं। वही, इस मामले में उनपर लगे आरोप कोई हैरान करने वाले नहीं हैं, क्योंकि पूर्व में भी इस तरह के कारनामों में उनके नाम आ चुके हैं।

बताते हैं कि स्थिति यहां तक होती थी कि रेलवे, ग्राम विकास अधिकारी और टीईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के शुरू होने के पहले ही एसटीएफ बेदीराम पर नजर रखती थी। लेकिन, नौकरशाहों और कई नामचीन नेताओं से अच्छी पकड़ बनाने वाले बेदीराम को रंगेहाथ पकड़ नहीं पाती। चर्चाएं तो यहां तक होती रही हैं कि सरकार किसी की भी हो, चलती बेदीराम की। यही वजह रहा कि अपने संबंधों और पैसे की बदौलत बेदीराम ने पत्नी को जलालपुर (जौनपुर) से ब्लाक प्रमुख का चुनाव लड़वाया जीतवाया और खुद गाजीपुर के जखनिया से विधायक बन गए।

जौनपुर के केराकत तहसील क्षेत्र के कुसियां निवासी बेदीराम पिछले कई वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं में सेटिंग करके परीक्षार्थियों को पास कराने के लिए जाने जाते थे। हालांकि कभी भी सीधे पैसा लेते नहीं देखे गए। 2006 में रेलवे का पेपर लीक कराने के मामले में पहली बार नाम सामने आया। लखनऊ के कृष्णानगर में बेदी राम पर एस-ओजी और एसटीएफ ने मुकदमा दर्ज कराया था। यहीं, उनपर गैंगस्टर एक्ट लगा था। एक वर्ष भी नहीं बीता था कि रेलवे का पेपर लीक कराने में गोमती नगर में एक और मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बाद बेदीराम के नाम की चर्चाएं प्रदेश के बाहर भी होने लगी।

स्थिति यह हुई कि 2009 में ही रेलवे की परीक्षा सेटिंग कराने के मामले में नाम आया। वहां भी एसओजी और एसटीएफ ने मुकदमा दर्ज कराया गया। वह पेपर लीक मामले में गिरफ्तार भी हो चुके हैं। इतना ही नहीं 21 अगस्त 2014 को यूपी एसटीएफ गैंगस्टर एक्ट में बेदी राम के खिलाफ कार्रवाई भी की थी। खुद पर लगातार सख्ती होता देख बेदीराम ने राजनीति में इंट्री योजनाबद्ध तरीके से मार ली। पहले पत्नी बदामा देवी को जलालपुर ब्लाक प्रमुख पद के चुनाव मैदान में उतार दिया। यह चुनाव भी केराकत के तत्कालीन भाजपा विधायक दिनेश चौधरी की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगी हैं, जिनकी भयोहू इस बार चुनाव लड़ रही थी।

लेकिन, बेदीराम ने भाजपा में भी सेंधमारी करते हुए अपनी पत्नी को जीताने में कामयाब रहे। इसके बाद खुद भी विधायक बनने के लिए सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से हाथमिलाया और गाजीपुर के जखनिया सुरक्षित सीट से जीतकर जौनपुर के लोगों को हैरान कर दिया। विधायक बेदीराम पेपर लीक से खुद के वीडियो वायरल होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिले थे, जिसकी तस्वीर भी उन्होंने खूब वायरल किया था। इसी बीच उनका पेपर लीक से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो गया। जिसके बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत विपक्षी दलों ने सवाल खड़े करने शुरू कर दिए। उन्होंने बेदीराम के बयाने सरकार को भी घेरने की खूब कोशिश की है। वहीं, मामले को लेकर सेवानिवृत्त आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने भी बेदी राम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पेपर लीक मामले में वायरल हो रहा वीडियो जनपद के बाहर का बताया जा रहा है। वहीं, मामला तूल पकड़ने पर एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जो सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का है। इस वीडियो में वह यह कहते नजर आ रहे हैं कि किसी को या परिवार में किसी को नौकरी चाहिए तो फार्म भरने के बाद एडमिट लेटर या काल लेटर आ जाए तो कॉल बेदीराम को कर लेना भाई। निश्चित रूप से जुगाड़ कर दें। हालांकि इस वीडियो की हम आधिकारिक पुष्टि नहीं करते हैं। एसपी ओमवीर सिंह ने कहा, किसी ने वीडियो शेयर किया था, जिसकी जांच के लिए मैंने एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र से करने के लिए कहा है। हालांकि मामला हमारे यहां का नहीं हैं। विधायक बेदीराम ने कहा, मैं दलित विधायक हूं। इस कारण विरोधी पार्टियां मुझे फंसाने में लगी हैं, आप जिस वीडियो की बात कर रहे हैं वो पुराना वीडियो है। यह वीडियो मैंने भी सोशल मीडिया पर देखा है वो फर्जी और एडिट करके चलाया जा रहा है।

अयोध्या में रामपथ ढहने पर आधा दर्जन अफसर निलंबित

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में नवनिर्मित रामपथ पर कई स्थानों पर सड़क धंसने और जलभराव होने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) और जल निगम के छह अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। निलंबित अधिकारियों में लोक निर्माण विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ध्रुव अग्रवाल, असिस्टेंट इंजीनियर अनुज देशवाल और जूनियर इंजीनियर प्रभात पांडे के साथ जल निगम के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर आनंद कुमार दुबे, असिस्टेंट इंजीनियर राजेंद्र कुमार यादव और जूनियर इंजीनियर मोहम्मद शाहिद शामिल हैं। शहर में राम मंदिर के अभिषेक समारोह से पहले बनाए गए रामपथ पर 10 से अधिक स्थानों पर सड़कें धंस गईं थीं।

बरेली का बवाल : दो आरोपियों के किले ढहे, विधायक समेत 14 की हो रही जांच

बरेली, 29 जून (एजेंसियां)। बरेली के पीलीभीत बाइपास पर प्लॉट पर कब्जे को लेकर हुई फायरिंग के मामले में अभी सिर्फ मुख्य आरोपी राजीव राना और दूसरे पक्ष के आदित्य उपाध्याय के किले ढहाए गए हैं। पूर्व विधायक समेत 14 लोगों की संपत्तियों की जांच चल रही है। इसमें कितनों के किले ढहाए जाएंगे, इस पर संशय बना हुआ है। बीडीए के अधिकारियों के मुताबिक घटना में शामिल सभी आरोपियों की संपत्ति की जांच चल रही है। पूर्व विधायक पप्पू भरतौल व अन्य की संपत्तियों का ब्योरा खंगाला जा रहा है। अवैध निर्माण पाए जाने पर उनका ध्वस्तीकरण कराया जाएगा।

राजीव राना गुट के केपी यादव का नाम इस कड़ी में सबसे आगे है। केपी ने ही राजीव राना से प्लॉट पर कब्जा करने का ठेका लिया था। गुंडों को जुटाने के लिए 30 लाख तक के सौदे की बात सामने आ रही है। अब बीडीए की नजर केपी यादव की संपत्तियों पर टिक गई है। सूत्रों के मुताबिक केपी का घर व एक अन्य बिल्डिंग बीडीए के निशाने पर है। माना जा रहा है कि जल्द ही इन पर बुलडोजर चल सकता है।

दोनों मुकदमों के नामजद आरोपियों में राजीव राना, रोहित ठाकुर, रोहित, संजय, हरिओम, राधे, आशीष, राजन, रोहित ठाकुर, केपी यादव, शिवम माथुर, राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, आदित्य उपाध्याय, अभिराज, आदित्य का चौकीदार शामिल हैं। बीडीए वीसी मनिकंडन ए ने बताया कि सभी नामजद आरोपियों की संपत्तियों की जांच की जा रही है। आरोपियों के रिश्तेदारों और परिचितों का ब्यौरा भी तैयार किया जा रहा है। जिनके भी निर्माण मानक के विपरीत पाए जाएंगे, उन पर निश्चित तौर पर कार्रवाई की जाएगी, लेकिन वह सिर्फ विभाग के अभियान के तहत होगी। उसका घटना से कोई लेना-देना नहीं होगा।

गोलीकांड का मुख्य आरोपी राजीव राना अपने दो बेटों, दो भाइयों व चालक सहित शुक्रवार को सलाखों के पीछे पहुंच गया। राना ने बुलडोजर कार्रवाई के दौरान बृहस्पतिवार को आत्मसमर्पण कर दिया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने रात में ही उसके दो बेटों, दो भाइयों और चालक समेत छह को गिरफ्तार कर लिया था। शुक्रवार को सभी जेल भेज दिए गए। इस मामले में अब तक 25 लोग जेल जा चुके हैं। दूसरे पक्ष का आदित्य उपाध्याय व उसका बेटा अविरल पहले से जेल में हैं।

आभा आईडी से 1 करोड़ टोकन वाला पहला राज्य बना यूपी

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रति जागरूकता और भागीदारी का असर

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। हेल्थ सेक्टर में लगातार कीर्तिमान बना रहे उत्तर प्रदेश ने अब एक और उपलब्धि अपने नाम की है। प्रदेश ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) आईडी के माध्यम से एक करोड़ टोकन जेनरेट करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इतनी बड़ी संख्या में टोकन जेनरेट करने वाला उत्तर प्रदेश भारत का पहला और एकमात्र राज्य है। उत्तर प्रदेश ने अब तक कुल एक करोड़ 43 टोकन जेनरेट किए हैं। टोकन जेनरेशन के मामले में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश का स्थान आता है, जिसने 60 लाख 33 हजार 104 टोकन जेनरेट किए हैं। वहीं, तीसरे स्थान पर कर्नाटक है, जिसने कुल 42 लाख 57 हजार 944 टोकन जेनरेट किए हैं। इस क्रम में जम्मू और कश्मीर (38,87,226), दिल्ली (22,28,079), बिहार (15,65,332), मध्य प्रदेश (12,53,722), महाराष्ट्र (7,96,938), छत्तीसगढ़ (7,34,781), ओड़ीशा (5,06,580) और गुजरात (3,83,789) जैसे राज्यों का स्थान आता है। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश ने आभा आधारित ओपीडी रजिस्ट्रेशन में 80 लाख के आंकड़े को पार कर भी नया रिकार्ड बनाया था। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश ने 10 करोड़ आभा आईडी बनाने का भी कीर्तिमान बनाया था। आभा टोकन जेनरेशन और आईडी बनाने की यह उपलब्धियां सीएम योगी द्वारा प्रदेश में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रति लोगों में जागरूकता और सक्रिय भागीदारी के लिए किए गए प्रभावी प्रयासों का नतीजा है।

आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की पहल है। यह आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत शुरू किया गया एक स्वास्थ्य बचत खाता है। इसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को उनकी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आभा आईडी नागरिक के आधार या मोबाइल नंबर से जुड़ी एक अद्वितीय 14 अंकों की पहचान संख्या है। यह उन्हें सभी सूचनाओं को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने और उन तक पहुंचने में मदद करता है। इसमें उनकी हेल्थ हिस्ट्री, परामर्श विवरण, मेडिकल रिकॉर्ड और नुस्खे शामिल हैं।

अनुप्रिया के आरोपों को लोक सेवा आयोग ने खारिज किया

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। एनडीए के सहयोगी घटक दल अपना दल (एस) की अध्यक्ष और सांसद अनुप्रिया पटेल ने सिर्फ साक्षात्कार आधारित परीक्षाओं में ओबीसी और एससी-एसटी अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों में उनका चयन न होने की शिकायत मुख्यमंत्री से की है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि आरक्षित पदों के अभ्यर्थियों को नॉट सूटेबल यानी पद के योग्य नहीं लिखकर उस पद को अनारक्षित घोषित कर दिया जाता है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अनुप्रिया के इस दावे को खारिज कर दिया है। आयोग ने पूरी चयन प्रक्रिया विस्तार से बताई है और साफ किया है कि साक्षात्कार परिषद द्वारा नॉट सूटेबल लिखने का प्रावधान ही नहीं है बल्कि ग्रेडिंग दी जाती है।

अपना दल (एस) की की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने केंद्रीय विद्यालय, सैनिक स्कूल और नीट की प्रवेश परीक्षा में पिचड़े वर्ग से आने वाले छात्रों

को आरक्षण देने का एतिहासिक कदम उठाया है। इसी क्रम में उन्होंने लिखा कि एससी-एसटी और ओबीसी अभ्यर्थियों ने उनसे कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित की जाने वाली सिर्फ साक्षात्कार आधारित नियुक्ति प्रक्रिया वाली परीक्षाओं में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को प्राय: 'नॉट फॉर सूटेबल' घोषित कर इस वर्ग के किसी अभ्यर्थी का चयन नहीं किया जाता। साक्षात्कार वाले पदों में ये प्रक्रिया कई बार अपनाकर अंत में उस पद को अनारक्षित घोषित कर दिया जाता है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने उनकी शिकायत को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। आयोग ने कहा कि साक्षात्कार प्रक्रिया कोडिंग पर आधारित है। इसमें अभ्यर्थियों के क्रमांक, नाम, रजिस्ट्रेशन संख्या, श्रेणी और आयु को ढक कर सेलोटेप से चिपकाया जाता है। दो सदस्यीय साक्षात्कार परिषद के सामने व्यक्तिगत विवरण नहीं रखे जाते। आयोग ने स्पष्ट किया कि साक्षात्कार परिषद नॉट सूटेबल नहीं लिखती है बल्कि ग्रेडिंग देती है। साक्षात्कार के बाद परिषद के सदस्य और प्राविधिक परामर्शदाताओं द्वारा दी गई ग्रेडिंग को औसत के सिद्धांत के आधार पर अंक में बदला जाता है और उसे मार्कशीट पर अंकित किया जाता है। फिर मार्कशीट का लिफाफा सील कराया जाता है।

आयोग ने बताया कि न्यूनमत अर्हता अंक के अंतर्गत सामान्य, ओबीसी व ईडब्लूएस के लिए 40 फीसदी और एससी-एसटी के लिए 35 फीसदी हैं। रिक्त पदों के सापेक्ष यदि किसी श्रेणी में अभ्यर्थी न्यूनतम अर्हता अंक नहीं पाते हैं तो ऐसी रिक्तियों को आयोग के स्तर पर किसी अन्य श्रेणी में परिवर्तित करने का अधिकार ही नहीं है। बल्कि शासनादेश में बताई गई प्रक्रिया के अनुसार ऐसी रिक्तियों को फारवर्ड किया जाता है।

मेंढकों की अनोखी दुनिया

बारिश का मौसम मेंढकों की टर्र-टर्र से शुरू होता है। इस मौसम में आपने अपने गली-मुहल्लों, बाग-बगीचों में उछलते-कूदते विभिन्न प्रकार के मेंढकों को जरूर देखा होगा, लेकिन आज हम आपको दुनिया भर के अनोखे मेंढकों से रू-ब-रू कराएंगे...

पहले इनका परिचय

विश्व में आज तक मेंढकों की 4,000 से भी ज्यादा प्रजातियां खोजी जा चुकी हैं। अंटार्कटिका के बेहद ठंडे वातावरण में मेंढक रह नहीं पाते। इसके अलावा दुनिया के हर कोने में मेंढक पाए जाते हैं। हरे रंग के साथ-साथ ये पीले, नीले, लाल, नारंगी, काले, भूरे रंग के भी होते हैं। कई मेंढक तो रंग-बिरंगे भी होते हैं और कुछ बिल्कुल गिरगिट की तरह अपना रंग भी बदल सकते हैं। इंसानों की ही तरह सारे मेंढकों का ढांचा और दांत अलग-अलग होते हैं।

दिखे आर-पार

मेंढकों की प्रजातियों में 'पारदर्शी' अथवा 'कांच मेंढक' सर्वाधिक अद्‌भुत तथा सुंदर होता है। इसकी त्वचा पूर्णतः पारदर्शी होती है। इसी वजह से बाहर से ही इसके सभी अंग स्पष्ट दिखाई देते हैं। यहां तक कि टांगों के भीतर हड्‌डियां, शिराओं और धमनियों में दौड़ता रक्त भी साफ दिखाई देता है। इस प्रजाति के मेंढक वृक्षों पर रहते है। इसके पैर गद्‌देदार तथा चिपकने वाले होते हैं। इसी वजह से यह एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर बड़ी आसानी से कूदता है।

जितने चमकीले, उतने खतरनाक

'पॉइजन डार्ट मेंढक' विश्व के सबसे ख़तरनाक और जहरीले प्राणियों में से एक है। इसके शरीर पर अक्सर चमकीले और भड़कीले रंग होते हैं, जो इसके भयानक होने का संकेत देते है। इसे छूनेभर से इसकी त्वचा में मौजूद जहर के कारण मौत भी हो सकती है। यह जहर इतना खतरनाक है कि कबीलों के लोग इसके विष को तीर पर लगा कर शिकार करते हैं। यह मेंढक दिन के वक्त फुर्तीला होता है और कीड़े, मकड़ियों को खाता है।

मेंढक परिवार की रोचक बातें

पक्षियों के घोंसले अक्सर देखे हैं, पर कभी मेंढक का घोंसला देखा है? हैरान हो गए न... यह बात बिलकुल सही है। मेंढकों की कुछ प्रजातियां भी रहने के लिए घोंसले बनाती हैं। मेंढकी अंडे देने के लिए घोंसलें का इस्तेमाल करती है तथा यही इसके बच्चे विकसित होते हैं। इनमें से कुछ प्रजातियां पेड़ों पर घोंसलें बनाती हैं, तो कुछ जमीन पर। लेप्टोडेक्टाइलिस नामक मेंढक अपना घोंसला किसी तालाब किनारे गीली मिट्‌टी में एक बिल के रूप में बनाता है। मेंढकी इसी घोंसले में अंडे देती है। वर्षा होने पर घोंसला पानी में डूब जाता है और बच्चे तालाब में विचरण करने लगते हैं।

सबसे विशालकाय

विश्व के सबसे बड़े मेंढक का दर्जा 'गोलिएथ मेंढक' को मिला है। जब यह मेंढक अपने हाथ-पैर फैलाता है, तब इसकी लम्बाई 91 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन तीन किलो होता है, जो एक छोटी बिल्ली के बराबर है। इस विशालकाय मेंढक का जीवनकाल लगभग 15 साल तक का होता है। अरे! अरे! कही गोलिएथ मेंढक के बारे में पढ़ कर आप डर तो नहीं गए... घबराइए नहीं, ये विशालकाय मेंढक सिर्फ अफ्रीका के पश्चिमी इलाके में पाए जाते हैं। आप बेफ्रिक रहिए।

बॉल है या मेंढक

ऑरनेट हॉर्न्ड मेंढक इस परिवार के रोचक सदस्यों में से एक है। यह एकदम गोलमटोल होता है, बिल्कुल बॉल के जैसा। इसका मुंह इसके सिर जितना बड़ा होता है। इसी वजह से इसके सिर और शरीर में ज़्यादा अंतर नजर नहीं आता। दूसरे मेंढकों कि तरह ऑरनेट हॉर्न्ड मेंढक भी अपनी आंखें खोल कर सोता है। इसका शिकार करने का ढंग भी अलग होता है। गुब्बारे जैसा शरीर होने के कारण यह अपने आधे हिस्से को छुपा लेता है और आधा हिस्सा बाहर की तरफ होता है। जैसे ही कोई छोटा मेंढक, छिपकली, सांप, चिड़िया या कोई अन्य जीव इसके पास से गुजरता है, वैसे ही यह उसे दबोच लेता है और एक बार में निगल जाता है।

क्या आप जानते हैं?

* जब मेंढक शिकार को निगलता है, तब कुछ वक्त के लिए उसकी आंखें बंद हो जाती हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि उस वक्त मेंढक की आंखों की पुतलियां खाने को अंदर ले जाने में दबाव डाल रही होती है।

* कुछ मेंढक भी छुपा-छुपी का खेल बहुत पंसद करते हैं। जब भी उन्हें खतरा लगता है, वे खुद को पृष्ठभूमि, यानी माहौल के रंग के अनुसार ढाल लेते हैं, बिल्कुल गिरगिट की तरह।

कविता

पढ़ाई

गोलू कर लो खूब पढ़ाई,
जीवन समझो एक चढ़ाई।

समय-समय पर खेल भी खेलो,
ध्यान परीक्षा में भी दे दो।

कॉपी, पुस्तक लेकर आना,
काम समय पर करते जाना।

मंजिल अपनी पाओ बच्चो,
पढ़ना सीखें आओ बच्चो।

रंग भरो

ज्ञान पिटारा

1. एक कैरेट हीरा कितने मिलीग्राम का होता है?
2. भारत में सबसे लंबा बांध कौन-सा है?
३. मुदुमलाई अभयारण किस जानवर की वजह से प्रसिद्ध है?
4. अंग्रेजों ने कोलकाता में एक किला बनवाया था। उसका नाम क्या है?
5. एशिया की सबसे बड़ी नमकीन झील का नाम क्या है?
6. दक्षिण अफ्रिका में मुख्य तौर पर किस चीज का उत्पादन होता है?
7. नर्मदा और ताप्ती नदी किस महासागर में जाकर मिलती है?
8. किस क्षेत्र में हुनर को पुरस्कृत करने के लिए कान पुरस्कार दिया जाता है?
9. लक्षद्वीप कितने टापुओं के समूह से बना है?
10. बोडो भाषा भारत के किस प्रांत में बोली जाती है?
11. साल में कितनी बार, रात और दिन सारी धरती पर एक बराबर होते हैं?
12. मानव रक्त में लाल रक्त कोशिकाओं का जीवनकाल कितनी अवधि का होता है?
13. डेविस कप किस खेल से जुड़ा हुआ है?

उत्तर- 1.200 मिलीग्राम 2.हीराकुंड बांध 3.हाथियों के लिए 4.विलियम किला 5.कैस्पियन सी 6.सोने का 7.अरेबियन महासागर 8.फिल्म क्षेत्र में 9.36 टापू 10.असम 11.दो बार 12.120 दिनों का 13.लॉन टेनिस

दण्ड भी पुरस्कार!

महाराज ने भिखारी को अपनी कीमती शॉल दी, सारे दरबारियों में महाराज की जय-जयकार गूंज उठी पर इस बात से तेनालीराम कुछ नाखुश से नजर आए।

महाराज कृष्णदेव राय अपनी प्रजा का बहुत ध्यान रखते थे। प्रजा की हर इच्छा को पूरा करना वे अपना कर्तव्य समझते थे। एक बार वे अपने कुछ प्रमुख दरबारियों के साथ कहीं जा रहे थे। कड़कड़ाती सर्दियों का मौसम था, हर दरबारी ऊनी वस्त्रों से लदा होने पर भी कांप रहा था। यात्रा के दौरान महाराज कृष्णदेव राय को राजपथ के एक ओर भीख का कटोरा हाथ में लिए, आधे-अधूरे कपड़ों में एक भिखारी दिखा। वह ठंड से कांप रहा था। महाराज ने रथ रुकवाया, फिर नीचे उतरे और अपने शरीर से कीमती ऊनी शॉल उतारकर उस बूढ़े भिखारी को ओढ़ा दी।

यह देख, दरबारियों के साथ वहां एकत्र भीड़ उनकी जय-जयकार करने लगी। लेकिन तेनालीराम अपने स्थान पर चुप खड़े रहे।

तेनालीराम को देखकर सेनापति ने उनको नीचा दिखाने की सोची। महाराज के सामने ही वे तेनालीराम से बोले?

'तेनालीराम, तुम महाराज की जय-जयकार क्यों नहीं कर रहे हो?'

सेनापति की इस बात पर महाराज कृष्णदेव राय का भी ध्यान गया। तेनालीराम की चुप्पी महाराज को भी बहुत बुरी लगी, किन्तु उस समय वे कुछ नहीं बोले और वापस राजधानी की ओर चल पड़े। रास्ते-भर सेनापति तेनालीराम के विरुद्ध उनका क्रोध भड़काता रहा।

अगले दिन दरबार लगा, तो उन्होंने तेनालीराम से कहा- 'तुम जरूरत से ज्यादा घमंडी होते जा रहे हो। राज-धर्म की भी अवहेलना करने लगे हो। बोलो कल तुम चुप क्यों थे?'

तेनालीराम कुछ नहीं बोले, तो महाराज और क्रोधित हो गए। उन्होंने आदेश दिया? 'मैं तुम्हें, इस अपराध पर एक वर्ष के लिए साम्राज्य छोड़ने का दण्ड देता हूं। तुम केवल एक वस्तु अपने साथ ले जा सकते हो, बोलो, क्या ले जाना चाहते हो?'

तेनालीराम ने इधर-उधर देखा, फिर हाथ जोड़कर बोला- 'अन्नदाता! आपका दिया दण्ड भी मेरे लिए पुरस्कार है। मुझे वह शॉल दिलवा दीजिए, जो कल आपने उस बूढ़े भिखारी को दी थी।'

महाराज उलझन में पड़ गए, किन्तु वह तेनालीराम को दिए दण्ड से जुड़ी थी, तो उन्हें वह वापस लाना ही था। उन्होंने उस भिखारी को शॉल सहित दरबार में हाजिर होने का आदेश दिया।

राज्य के सैनिक कुछ ही देर में उस भिखारी को पकड़ लाए। महाराज ने उससे कहा- 'हमने जो शॉल तुम्हें कल दी थी, वह हमें वापस कर दो। हम तुम्हें बदले में उससे भी बढ़िया दो शॉल देंगे।' भिखारी बगलें झांकने लगा, फिर डरता-कांपता बोला- 'हुजूर! उसे बेचकर तो मैंने रोटी खा ली।'

महाराज तिलमिला उठे, लेकिन भिखारी पर गुस्सा कैसे उतारते? उसे जाने को कह, वे तेनालीराम से बोले? 'अब भी बता दो, तुम्हें कल हमारा काम पसंद क्यों नहीं आया था?'

तेनालीराम बीच में हाथ जोड़कर बोले- 'अन्नदाता मेरी चुप्पी का उत्तर तो आपको मिल ही चुका होगा? भिखारी को शॉल नहीं, रोटी चाहिए थी। आपकी कीमती शॉल उसके लिए रोटी से बढ़कर नहीं थी, शॉल देते समय आपको टोकना उचित न था। इसलिए मैं चुप रहा।'

तेनालीराम की बात सुनकर महाराज कृष्णदेव राय से कुछ कहते न बना। वे तेनालीराम की ओर देखकर बोले- 'तुम इस बार भी जीत गए तेनालीराम।'

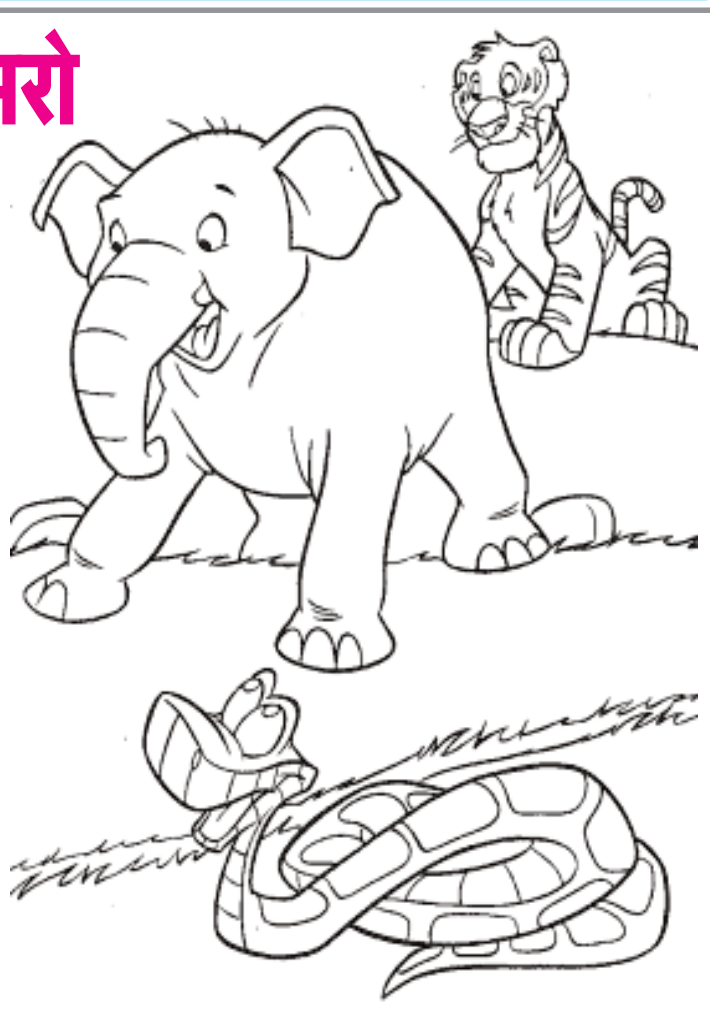

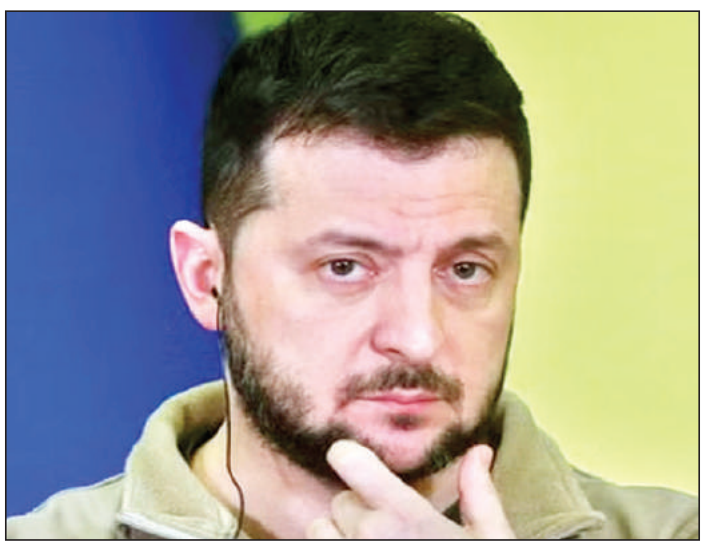

रूस के साथ जंग खत्म करने को तैयार यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की, बोले- एक बड़ी योजना पर चल रहा काम

कीव, 29 जून (एजेंसियां) ।

यूक्रेन हाल ही में अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में जानकारी दी। इसी बीच उन्होंने बताया कि रूस के साथ जंग समाप्त करने के लिए वह एक बड़ी योजना तैयार कर रहे हैं। उनका मानना है कि उनकी योजना का दुनिया के अधिकांश देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा। युद्ध को समाप्त करने के लिए... यूक्रेनी राष्ट्रपति ने स्लोवेनियाई राष्ट्रपति नताशा पिर्क मुसर के साथ कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम युद्ध को समाप्त करने के लिए एक ऐसी योजना पेश करें, जिसका दुनिया के अधिकतर देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा। यह एक कूटनीतिक मार्ग उन्होंने आगे कहा कि यह कूटनीतिक मार्ग है, जिस पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है।

फिलहाल कोई बातचीत नहीं एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सार्वजनिक बयानों के आधार पर, यूक्रेन और रूस के बीच वर्तमान में कोई बातचीत नहीं चल रही है और संभावित शांति समझौते की शर्तों के मामले में दोनों पक्ष पहले की तरह ही एक दूसरे से दूर दिखाई दे रहे हैं। यूक्रेनी की चेतावनी यूक्रेन ने बार-बार कहा है कि शांति वार्ता शुरू होने से पहले रूस को अपने सैनिकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र से बाहर निकालना होगा, जिसमें क्रीमिया प्रायद्वीप भी शामिल है।

इसपर मॉस्को ने 2014 में कब्जा कर लिया था। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन से मांग कर रहे हैं कि वह अपने पूर्व और दक्षिण के क्षेत्रों को खाली करके आत्मसमर्पण कर दे, जिस पर अब रूस का कब्जा है। 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब इससे पहले, जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, हम अपने 10 और लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब रहे। हालांकि, जेलेंस्की ने यह नहीं बताया कि रिहाई यूक्रेन में बंद रूसी कैदियों से जुड़े समझौते का हिस्सा थी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि जिन लोगों को रिहा किया गया है, उनमें से कुछ 2017 से जेल में हैं। इन लोगों को पूर्वी यूक्रेन के रूसी नियंत्रित हिस्सों से गिरफ्तार किया गया था।

रूस ने 2014 से ही क्रीमिया प्रायद्वीप के साथ चार यूक्रेनी क्षेत्र- डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुगांस्क और जापोरिजिया पर कब्जा किया हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

सीईडीएडब्ल्यू ने अफगानिस्तान में महिलाओं की स्थिति पर जताई चिंता, कहा- दोहा बैठक में लड़कियों को भाग लेने दें

काबुल। महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र समिति (सीईडीएडब्ल्यू) ने अफगानिस्तान के भविष्य पर यूएन के तत्वाधान में आयोजित हो रही बैठक से महिलाओं व लड़कियों को शामिल ना किए जाने पर गहरी चिंता जताई है। अफगानिस्तान के विशेष दूतों की दो-दिवसीय बैठक इस सप्ताहांत कतर की राजधानी दोहा में होगी। दो दिन होगी बैठक 30 जून से एक जुलाई तक होने वाली इस बैठक की अध्यक्षता, शांतिनिर्माण एवं राजनैतिक मामलों की प्रमुख और अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो करेंगी। इस दौरान अफगानिस्तान के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय संपर्क व बातचीत को ढांचागत ढंग से आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। तालिबान प्रशासन को किया आमंत्रित अवर महासचिव रोजमैरी डीकार्लो ने 18-21 मई को अफगानिस्तान की यात्रा के दौरान, सत्तारूढ़ तालिबान प्रशासन को इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए महासचिव एंतोनियो गुटेरेश की ओर से आमंत्रित किया था। अफगान महिलाएं अपने हक के लिए लड़ रहीं यूएन समिति सीईडीएडब्ल्यू ने दुख जताया है कि अफगान महिलाएं फिलहाल दुनिया में अपने अधिकारों के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण संकट का सामना कर रही हैं। इसके मद्देनजर, उन्होंने इस बैठक में महिलाओं को सक्रिय व प्रत्यक्ष रूप से शामिल किए जाने का आग्रह किया है। समिति के सदस्यों ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया है कि उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने में विफल रहने से अफगान महिलाओं व लड़कियों की चुप्पी और बढ़ेगी, जबकि उनके अधिकारों का पहले ही गंभीर रूप से हनन हो रहा है। महिलाओं की स्थिति बद से बदतर समिति ने अफगानिस्तान में महिलाओं व लड़कियों के लिए बद से बदतर होती स्थिति पर बार-बार चिंता जताई है, जिससे मौजूदा और भावी पीढ़ियों को ऐसा बड़ा नुकसान पहुंच रहा है, जिसकी भरपाई कर पाना मुश्किल होगा। समिति के अनुसार शिक्षा व रोजगार के अवसरों को नकारा जाने और आवाजाही व सार्वजनिक स्थलों पर उपस्थिति पर पाबंदियां थोपे जाने से, महिलाओं का सार्वजनिक जीवन से दूर रखे जाने की प्रवृत्ति गहराई तक रच-बस रही है।

पाकिस्तान ने दी अफगानिस्तान में घुसकर हमला करने की धमकी तो भड़का तालिबान, कहा- नतीजे भुगतने होंगे

इस्लामाबाद । पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आतंकवाद को लेकर एक बार विवाद गहरा गया है। दोनों देश एक दूसरे को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दे रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि आतंकवाद के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के तहत अफगानिस्तान में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह टीटीपी के ठिकानों को निशाना बना सकता है। इससे अफगानिस्तान तिलमिला उठा। उसने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसके देश में घुसपैठ की गई तो उसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ेंगे। अफगानिस्तान की धमकी अफगानिस्तान रक्षा बल ने चेतावनी दी कि हमारे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की घुसपैठ, चाहे वह किसी भी बहाने या आड़ में हो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे और उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

पंजाब प्रांत की विधानसभा में 11 विपक्षी नेताओं पर प्रतिबंध, सीएम के लिए अपशब्द इस्तेमाल करने का आरोप

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की विधानसभा में विपक्ष के 11 नेताओं पर प्रतिबंध लगाया गया है। विपक्ष के नेताओं पर आरोप है कि उन्होंने पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। पंजाब प्रांत के विधानसभा अध्यक्ष मलिक अहमद खान ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 11 विधायकों पर प्रतिबंध लगाया है। बता दें कि पीटीआई के प्रमुख इमरान खान जेल में हैं। मरियम नवाज, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष नवाज शरीफ की बेटी हैं। इमरान खान ने नवाज शरीफ को 'चोर' और मरियम नवाज को 'चोर की बेटी' कहा था। 'विपक्ष के नेताओं ने सदन में दुर्व्यहार किया' विधानसभा में मरियम नवाज के संबोधन के दौरान पीटीआई के विधायक लगातार अवरोध डाल रहे थे। इसके अलावा उन्होंने मरियम पर जुबानी हमले भी किए।

अभी और दिन अंतरिक्ष में ही बिताएंगी सुनीता विलियम्स नासा मिशन की अवधि 90 दिन करने पर कर रहा विचार

वॉशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां) ।

नासा के दो अंतरिक्ष यात्री को लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहना पड़ सकता है, क्योंकि नासा इस मिशन की समय सीमा बढ़ाने पर विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नासा के वाणिज्यिक चालक दल कार्यक्रम प्रबंधक स्टीव स्टिच ने बताया कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी स्टारलाइनर के मिशन की अवधि 45 दिनों से बढ़ाकर 90 दिन पर विचार किया जा रहा है।

भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बुच विलमोर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में फंसे हैं। बोइंग का सीएसटी-100 स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट 15 दिन से अंतरिक्ष में अटका है। दोनों 5 जून को स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष स्टेशन तक गए थे। तय कार्यक्रम के मुताबिक उन्हें स्टारलाइनर के साथ 13 जून को धरती पर लौटना था लेकिन विमान में गड़गड़ी के कारण उनकी वापसी नहीं हो पाई है।

नासा के अधिकारियों ने कई बार यह संकेत दिया कि स्टारलाइनर, जो कि जून में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की ओर गया था, उसने हीलियम लीक और थ्रस्टर आउटेज की समस्याओं का सामना किया था। यह दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को घर लाने के लिए सुरक्षित होाग। नासा के अधिकारियों ने कहा कि हम केवल न्यू मैक्सिको के परीक्षण निष्पादित करने की समयसीमा देख रहे हैं, और फिर डाटा की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि नासा न्यू मैक्सिको में आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि स्टारलाइनर के कुछ थ्रस्टर्स अपनी यात्रा के पहले चरण के दौरान अप्रत्याशित रूप से विफल क्यों हुए

बोइंग के लिए वाणिज्यिक चालक दल कार्यक्रम के उपाध्यक्ष और कार्यक्रम प्रबंधक स्टिच और मार्क नैपी ने कहा कि इंजीनियर अभी भी स्टारलाइनर की समस्यों के पीछे के कारण के बारे में निश्चित नहीं हैं। नैपी ने कहा कि उद्देश्य का एक हिस्सा वाहन के अंतरिक्ष में रहते हुए ग्राउंड टेस्ट आयोजित करना है। ताकि थ्रस्टर्स में खराबी के संभावित कारणों का पता लगाया जा सके। वहीं सुनीता विलियम्स और विल्मोर वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद बाकी क्रू के साथ एकीकृत हो गए हैं, और काम कर रहे हैं। बता दें कि जब यान अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की ओर जा रहा था, तब हीलियम लीक की पहचान की गई थी, साथ ही थ्रस्टर की समस्याएं भी थीं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्टारलाइनर का सर्विस मॉड्यूल, अंतरिक्ष यान के निचले भाग में एक बेलनाकार लगाव है, जो उड़ान के दौरान वाहन की अधिकांश शक्ति प्रदान करता है। इसको यहां कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। वैसे डिजाइन के अुनसार सर्विस मॉड्यूल पृथ्वी पर लौटने के बाद जीवित नहीं रहेगा। स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के वायुमंडल में प्रवेश करते ही मॉड्यूल को फेंक दिया जाता है और नष्ट कर दिया जाता है। यही कारण है कि बोइंग और नासा की टीमों ने तब स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को अंतरिक्ष स्टेशन के साथ सुरक्षित रूप से डॉक का विकल्प चुना। जबकि वे उन मुद्दों के बारे में अधिक से अधिक जानने के लिए काम करते रहे। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि नासा मिशन की अवधि को 90 दिनों तक बढ़ाएगा या नहीं। स्टारलाइनर के कमांडर और पायलट, बुच विल्मोर और किबो में सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष वनस्पति विज्ञान का काम किया। उन्होंने किबो के एक्सप्रेस रैक से प्लांटर हैबिटेट ग्रोथ चैंबर को हटा दिया, इसके कैमरे और कॉर्बन डाइऑक्साइड सेंसर को बदल दिया, फिर शोध उपकरण को फिर से स्थापित किया।

नासा ने लाइव ब्लॉग में कहा कि नासा और बोइंग ऑर्बिटिंग लैब से पृथ्वी पर लौटने से पहले स्टारलाइनर के प्रणोदन प्रणाली के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना जारी रखते हैं। नासा और बोइंग के नेताओं ने स्टारलाइनर और स्टेशन संचालन पर चर्चा करेन के लिए एक मीडिया टेलीकांफ्रेंस में भाग लिया।

क्या अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कराई प्लास्टिक सर्जरी पहली ,बहस के बाद राष्ट्रपति को लेकर लगे अजब आरोप

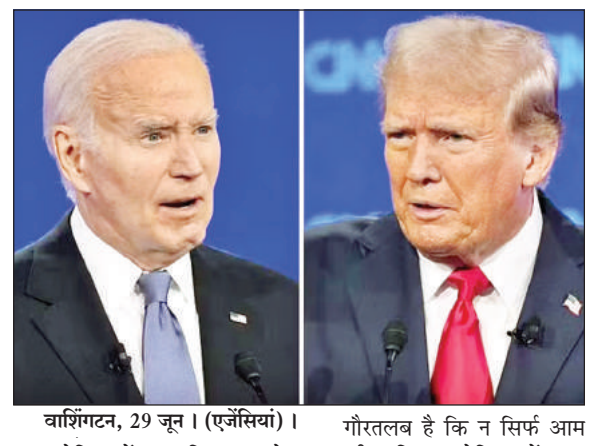

वाशिंगटन, 29 जून । (एजेंसियां) ।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन के बीच हुई बहस की पूरी दुनिया में सुर्खियां बनी, लेकिन सोशल मीडिया पर एक अजीब वजह के चलते इस बहस की चर्चा हो रही है। दरअसल सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि इस बहस के दौरान जो बाइडन थोड़े बदले हुए नजर आए और कयास लग रहे हैं कि शायद जो बाइडन ने अपने चेहरे की प्लास्टिक सर्जरी कराई है!

यूजर्स का दावा- बाइडन ने कराई प्लास्टिक सर्जरी

बहस के दौरान जो बाइडन के चेहरे के हाव-भाव थोड़े अलग रहे, जिसकी सोशल मीडिया पर चर्चा है। कुछ यूजर्स ने दावा किया है कि बाइडन ने अपने चेहरे के हावभाव में बदलाव के लिए प्लास्टिक सर्जरी का सहारा लिया है। कुछ यूजर्स ने कहा कि बहस के दौरान बाइडन का चेहरा स्थिर रहा और कुछ असामान्य सा लग रहा था। कुछ यूजर्स ने तो यहां तक दावा किया कि बहस के दौरान जो व्यक्ति टीवी स्क्रीन पर दिखा, वह असल में बाइडन था ही नहीं।

गौरतलब है कि न सिर्फ आम आदमी बल्कि अमेरिका में कुछ डॉक्टरों ने भी इस बात की आशंका जताई है कि बाइडन ने हो सकता है कि प्लास्टिक सर्जरी कराई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ कॉस्मेटिक विशेषज्ञों ने दावा किया है कि बाइडन की प्लास्टिक सर्जरी की अनुमानित लागत करीब 40 हजार डॉलर से लेकर ढाई लाख डॉलर तक हो सकती है। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

बहस के दौरान बाइडन पर भारी पड़े ट्रंप

बहस में बाइडन की भले ही चर्चा हो रही है, लेकिन बहस में डोनाल्ड ट्रंप, बाइडन पर भारी पड़े। बाइडन जहां बहस के दौरान बोलते हुए लड़खड़ाते दिखे। वहीं ट्रंप ने पूरे जोश और उत्साह से जवाब दिए। हालांकि इस दौरान ट्रंप पर कुछ तथ्यों को लेकर झूठ बोलने के भी आरोप लग रहे हैं। बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद अमेरिका में ऐसी आशंका बढ़ गई है कि नवंबर में होने वाले चुनाव में ट्रंप, बाइडन को पटखनी दे सकते हैं।

इजराइल ने राफा में विस्थापितों के तंबुओं पर की बमबारी, 11 फलस्तीनियों की मौत, 40 घायल

राफा, 29 जून (एजेंसियां) ।

गाजा के सबसे दक्षिणी शहर पश्चिम राफा में बृहस्पतिवार रात को इजराइल ने विस्थापितों के तंबुओं पर बमबारी कर दी। हमले में करीब 11 फलस्तीनियों की मौत हो गई। वहीं, 40 से अधिक अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फलस्तीनी सुरक्षा और चिकित्सा सूत्रों ने इजराइली बमबारी के बारे में जानकारी दी। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि इजराइली टैंकों ने अल-मवासी इलाके में तंबुओं पर गोले दागे और गोलियां भी चलाई गईं, जिसके चलते तंबुओं में मौजूद विस्थापितों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दहशत के चलते विस्थापित लोग अपने तंबू छोड़कर खान यूनिस के दक्षिण-पश्चिम के इलाकों की ओर भाग गए। समुद्र तट पर एक रेतीला क्षेत्र है अल-मवासी बता दें कि अल-मवासी समुद्र तट पर एक रेतीला क्षेत्र है। यह गाजा पट्टी के केंद्र में दीर अल-बलाह शहर के दक्षिण-पश्चिम से पश्चिमी खान यूनिस के मध्य और राफा के पश्चिम तक फैला हुआ है। इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, सीवेज नेटवर्क, बिजली लाइनों, संचार नेटवर्क और इंटरनेट का अभाव है, जिससे वहां रहने वाले विस्थापित व्यक्तियों के लिए रहने की स्थिति कठिन हो गई है।

स्वास्थ्य सेवा में 2.75 अरब डॉलर की धोखाधड़ी भारतीय समेत 193 चिकित्सा पेशेवरों पर केस दर्ज

वॉशिंगटन,29 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका में बड़े स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें करीब 2.75 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। न्याय विभाग के अनुसार एक भारतीय समेत 193 चिकित्सा पेशेवरों पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है। विभाग ने बीते बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा-2024 धोखाधड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की घोषणा की।

इसके तहत अमेरिका भर के 32 जिलों में 76 डॉक्टरों, नर्स चिकित्सकों और अन्य लाइसेंस प्राप्त चिकित्सा पेशेवरों सहित 193 आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामले दायर किए गए। 23 करोड़ डॉलर से ज्यादा की संपत्ति जब्त न्याय विभाग ने आगे कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में धोखाधड़ी से कुल 2.75 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। इसमें 1.6 अरब डॉलर का वास्तविक नुकसान हुआ है। सरकार ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए 23 करोड़ डॉलर से अधिक की नकदी, लग्जरी गाड़ियां, सोना और अन्य संपत्तियां जब्त की हैं। न्याय विभाग के अनुसार पांच लोग और एक डिजिटल प्रौद्योगिकी कंपनी ने एरिजोना में एमनियोटिक घाव ग्राफ्ट, एडरल गोलियों और अन्य उत्तेजक पदार्थों के अवैध वितरण के संबंध में 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी में शामिल हैं।

धोखाधड़ी में हैदराबाद के डॉक्टर भी शामिल इस मामले में हैदराबाद के 52 वर्षीय डॉ. विजिल राहुलन भी शामिल हैं। जिन पर मेडिकेयर फंड में 8.2 करोड़ डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक डॉ. विजिल राहुलन ने जाली दस्तावेज के जरिये अयोग्य लोगों को मेडिकेयर क्लेम दिलाए।

अमेरिका ने गाजा युद्ध शुरु होने के बाद से इजराइल को भेजे विनाशकारी बम, अधिकारियों का खुलासा

वॉशिंगटन, 29 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका के अधिकारियों ने खुलासा किया है कि बाइडन सरकार ने 7 अक्तूबर से शुरू हुए गाजा युद्ध के बाद से अब तक इजराइल को हजारों विनाशकारी बम और गोला-बारूद भेजे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका द्वारा इजराइल को भेजी गई हथियारों की खेप में 14 हजार दो हजार पाउंड वजनी एमके-84 विनाशकारी बम, 6,500 पांच सौ पाउंड के बम, तीन हजार हेलफायर मिसाइल, एक हजार बंकर तबाह करने वाले बम, 2600 हवा से जमीन पर मार करने वाले छोटे बम और अन्य गोला बारूद शामिल हैं।

अमेरिका ने अभी तक इजराइल को भेजे हथियारों की सूची सार्वजनिक नहीं की थी। अमेरिका द्वारा इजराइल को हथियार भेजने में अभी भी खासी कमी नहीं आई है अमेरिकी अधिकारियों ने इजराइल को हथियार भेजने की समयसीमा का खुलासा नहीं किया है और ये भी स्पष्ट रूप से हमारे इजराइली सहयोगियों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के समर्थन को दर्शाती है।

बताया कि अभी भी अमेरिका द्वारा इजराइल को हथियार भेजने में खासी कमी नहीं आई है। यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय इजराइल को हथियार न भेजने की अपील कर रहा है और खुद अमेरिका ने भी इजराइल को बड़े और विनाशकारी हथियारों को भेजने पर बीते दिनों रोक लगा दी थी। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के हथियार विशेषज्ञ टॉम कराको ने बताया कि, हथियारों की यह सूची

कंक्रीट की मोटी परत और धातु को भी चीर सकता है दो हजार पाउंड का बम

गाजा युद्ध की शुरुआत से ही इजराइल और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के बीच गोलीबारी जारी है, और चिंता है कि इजराइल और हिजबुल्ला में पूर्ण युद्ध छिड़ सकता है। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि वाशिंगटन ने 7 अक्टूबर से इजराइल को 6.5 बिलियन डॉलर के हथियार भेजे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल के हफ्तों में दावा किया कि वाशिंगटन हथियार रोक रहा है। हालांकि अमेरिका ने इससे इनकार किया, लेकिन कुछ अड़चनों की बात स्वीकार की थी। दरअसल गाजा में बड़ी संख्या में लोगों की मौत पर बाइडन सरकार ने चिंता जताई थी और इसी का हवाला देते हुए 2000 पाउंड वाले बड़े बमों की खेप रोक दी थी। हालांकि अन्य हथियारों की खेप सामान्य रूप से जारी है। गौरतलब है कि दो हजार पाउंड का बम मोटे कंक्रीट और धातु को भी चीर सकता है, जिससे विस्फोट का दायरा काफी बड़ा हो जाता है।

जीत लिया जग सारा

17 साल बाद भारतीय टीम बनी टी20 की वर्ल्ड चैम्पियन, साउथ अफ्रीका को हराया

बारबाडोस, 29 जून (एजेंसियां)। एक अरब 40 करोड़ भारतीयों की दुआ-ाओं और उम्मीदों पर खरा उतरते हुए रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने एकजुटता, साहस और संयम के तालमेल का अदभुद प्रदर्शन करते हुये शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हरा कर टी20 विश्वकप 17 साल बाद भारत की झोली में डाल दिया।

इससे पहले भारत के हाथ आईसीसी एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2011 में आया था जिसके बाद भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्राफी अपने नाम की थी। इस लिहाज से भारत के हाथ 11 साल बाद कोई आईसीसी ट्राफी हाथ आई है। रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिये यह विश्वकप काफी अहम था क्योंकि दोनो ही दिग्गज खिलाड़ी जल्द ही टी20 फार्मेट से सन्यास ले सकते हैं। कोच राहुल द्रविड़ के लिये भी यह विश्वकप काफी मायने रखता था। द्रविड़ की कप्तानी में भारत 2007 में एक दिवसीय विश्वकप में ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था।

भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 176 रन बनाये जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी। 17 साल बाद यह पहला मौका है जब भारत ने टी20 विश्वकप को अपने नाम किया है। इससे पहले महेन्द्र सिंह धोनी की अगुवाई में 2007 में भारत ने पहली बार टी20 का विश्वकप जीता था।

हाइनरिक क्लासन (52) और डेविड मिलर (21) की जाबांज बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका आसानी से भारत द्वारा दिये गये लक्ष्य के करीब पहुंच रहा था और उसे 30 गेंदों पर 30 रन की दरकार थी। इस नाजुक मौके पर हार्दिक पांड्या (20 रन पर तीन विकेट) ने क्लासन का विकेट चटका कर भारत की उम्मीदों को हवा दी जिसके बाद सूर्य कुमार यादव ने हार्दिक की गेंद पर डेविड मिलर का बाउंड्री लाइन पर एक बेहतरीन कैच पकड़ कर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

विराट कोहली (76) की सूझबूझ भरी अर्धशतकीय पारी और अक्षर पटेल (47) के साथ 72 रनों की महत्वपूर्ण भागीदारी की मदद से भारत ने सात विकेट पर 176 रनो का स्कोर खड़ा किया। लगभग पूरे टूर्नामेंट में खामोश रहने वाला विराट का बल्ला आज खिताबी मुकाबले में जम कर दहाड़ा। विराट ने मार्को जानसन के पहले ओवर में तीन चौके लगाकर अपने इरादों का इजहार किया। भारत ने पहले ओवर में 15 रन जुटाये, उस समय लग रहा था कि इस पिच पर 200 से ऊपर का स्कोर खड़ा हो सकेगा मगर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी करते हुए पहले पावर प्ले में ही भारत के तीन महत्वपूर्ण विकेट रोहित शर्मा (9), ऋषभ पंत (0) और सूर्यकुमार यादव (3) का विकेट झटक कर नीली जर्सी वाली टीम को बैकफुट पर धकेल दिया और मैदान पर सन्नाटा छा गया। रोहित और ऋषभ के विकेट केशव महाराज ने निकाले जबकि सूर्य कुमार कैसिगो रबाडा की गेंद को पुल करने के प्रयास में डीप स्कैवयर लेग पर धरे गये। इस कठिन समय पर विराट का साथ देने आये अक्षर ने संयमित बल्लेबाजी करते हुये भारत के स्कोरबोर्ड को चलाया और दोनो बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिये अहम 72 रन जोड़े। विस्फोट के साथ पारी की शुरुआत करने वाले विराट ने सूझबूझ का परिचय देते हुये बाउंड्री की बजाय विकेट के बीच दौड़ लगाने को प्राथमिकता दी जबकि आखिरी के ओवर में उन्होने गियर बदलते हुये अपने चिरपरिचित अंदाज में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ कर रख दी। वह पारी के 19वें ओवर में मार्को यानसन का शिकार बने जब मिडिल और लेग में बैक आफ लेंथ गेंद को पुल करने के प्रयास में गेंद का बल्ले से संपर्क ठीक से नहीं हो सका और रबाडा ने दौड़ कर उनका कैच लपक लिया। उन्होने 59 गेंद खेल कर छह चौके और दो छक्के लगाये जबकि चौथे विकेट के रुप में रन आउट होने से पहले अक्षर ने 31 गेंद की पारी में एक चौका और चार छक्के जड़े। आखिरी के ओवर में शिवम दुबे (27) रन गति बढाने के प्रयास में अनरिख़ नॉर्खिये को अपना विकेट थमा बैठे। रविंद्र जडेजा (2) भी नार्खिये का शिकार बने। पांड्या पांच रन बनाकर नाबाद लौटे।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ओवर में जसप्रीत बुमराह ने रीजा हेंड्रिक्स (4) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने कप्तान एडन मारक्रम (4) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया। इसके बाद क्विंटन डिकॉक और ट्रिस्टन स्टब्स ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिये 58 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को अक्षर पटेल ने नौवें ओवर में स्टब्स 21 गेंदों में (31) को आउट कर तोड़ा। हाइनरिक क्लासन बल्लेबाजी करने आये और उन्होंने डिकॉक के साथ मोर्चा संभाला। 13वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने डिकॉक 31 गेंदों में 39 रन को आउट कर पवेलियन भेज दिया। हाइनरिक क्लासन रुके नहीं और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 52 रन जोड़ कर अपनी टीम को जीत की ओर अग्रसर कर दिया। 17वें ओवर की पहली गेंद पर हार्दिक पांड्या ने क्लासन को आउट कर मैच का रूख पलट दिया। इसके बाद बाद मार्को यानसन (2) बुमराह का शिकार बने।

हर तरफ ढोल-पटाखों की गूंज, विश्व विजेता बनने के बाद देश में दिवाली जैसा माहौल

हैदराबाद/नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्डकप के फाइनल मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को हराकर इतिहास रच दिया है। इसके बाद देशभर में जश्न का माहौल है। हैदराबाद, दिल्ली-एनसीआर समेत देश के हर हर हिस्से में जश्न मनाया जा रहा है। भारत की जीत के बाद दिवाली जैसा माहौल है, लोग सड़कों पर आकर जश्न मना रहे हैं, कहीं ढोल-नगाड़े बज रहे हैं तो कहीं पटाखे फोड़े गए। भारत-साउथ अफ्रीका के बीच हुए दिलचस्प मुकाबले में भारत ने विश्व फतह कर ली। जैसे ही विश्वकप भारत के खाते में आया तो हर देशवासी झूम उठा। हैदराबाद, मुंबई, कोलकाता एवं दिल्ली के कई के कई इलाकों में लोग सड़कों पर आकर जश्न मनाने लगे। वहीं, नोएडा के सेक्टर 75 में लोगों ने पटाखे फोड़े।

ओलंपिक से पहले भारत को बड़ा झटका दावेदार डीपी मनु डोपिंग मामले में निलंबित

पंचकूला । मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। ओलंपिक क्वालिफिकेशन के दावेदार माने जा रहे भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सेवन के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि मनु का पॉजीटिव टेस्ट इस साल अप्रैल में इंडियन ग्रां प्री के दौरान लिया गया था। इससे पहले उन्हें नाडा के निर्देश पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रतिस्पर्धाओं से परे रहने के लिये कहा था । एशियाई चैम्पियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले 24 साल के इस खिलाड़ी का विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से ओलंपिक क्वालीफिकेशन लगभग निश्चित था। इस मामले के सामने आने के बाद हालांकि उनका पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर होना लगभग तय है। वह यहां शुरू हुई राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप के लिए शुरुआती प्रवेश सूची में थे। लेकिन बाद में जारी की गयी सूची से उनका नाम हटा दिया गया। एएफआई अध्यक्ष आदिलेसुमरिवाला ने बताया कि नाडा ने महासंघ से मनु को प्रतियोगिताओं से रोकने के लिए कहा है लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की कि एथलीट ने डोपिंग अपराध किया है या नहीं। सुमरिवाला ने कहा, ''ऐसा कुछ हो सकता है, लेकिन हम अभी नहीं जानतेकि वास्तविक कारण क्या है। कल एएफआई कार्यालय (नाडा से) को एक फोन आया था कि उसे (मनु को) प्रतियोगिताओं से रोक दिया जाए।'' उन्होंने कहा, '' इसके अलावा कोई विवरण (किस तरह के संभावित उल्लंघन पर) नहीं दिया गया है। मुझे लगता है कि एथलीट (डीपी मनु) खुद नाडा से पता लगा रहा है कि इसके पीछे क्या कारण है। मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। मनु विश्व एथलेटिक्स 'रोड टू पेरिस' सूची में 15वें स्थान पर थे और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की राह पर थे ।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलते दिखेंगे युवराज सिंह और हरभजन सहित कई दिग्गज

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह, हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित कई दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे। युवराज अगले माह जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में 'इंडिया चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी। 'इंडिया चैंपियंस टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मुकाबले एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। टीम की जर्सी के अनावरण के अवसर पर टीम के मालिकों के साथ पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा भी मौजूद थे। रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है पर दिल से कभी क्रिकेट नहीं हटेगा। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए 'इंडिया चैम्पियंस की टीम इस प्रकार है : युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

आने वाले समय में पारी की शुरुआत करेंगे फ्रेजर : वार्नर

सिडनी, 29 जून (एजेंसियां) । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी ल्लेबाज डेविड वार्नर ने युवा ल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की मकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ह आने वाले दिनों में टीम की ोर से पारी की शुरुआत करते हुए दखेंगे। फ्रेजर ने घरेलू क्रिकेट के ाथ ही इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल) 2024 में भी शानदार दर्शन कर अपने को साबित किया ा। टी20 विश्वकप में उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया था ालांकि उन्हें खेलने का अवसर हीं मिला था। ऑस्ट्रेलियाई टीम के टी20 वश्वकप से बाहर होते ही वार्नर का अंरतराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया था। वार्नर ने कहा कि ी20 और एकदिवसीय में आने वाले समय में फ्रेजर ही सलामी बल्लेबाज होंगे वार्नर ने कहा कि 0 ओवर क्रिकेट कैसे खेलना है। यह एक चीज जो मैंने ट्वेंटी 20 से सीखी है। मुझे सात मैचों क बाद बाहर कर दिया गया क्योंकि मैं वास्तव में च्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। फिर मैंने समझा क एकदिवसीय क्रिकेट कैसे खेलना है और ी20 क्रिकेट कैसे खेलना है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अभी स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, ऐसे में फ्रेजर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आया है। इस साल की शुरूआत में इस युवा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान 2 मैचों में 23 गेंदों पर 51 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने मार्श कप में मात्र 29 गेंदों में शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था और सबका ध्यान खींचा था। इसके अलावा आईपीएल में भी 36.66 की औसत और 234.04 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक शामिल थे।

सुमित नागल को विंबलडन में मिला कड़ा ड्रॉ पहले दौर में इस खिलाड़ी से होगा सामना

लंदन, 29 जून (एजेंसियां) । नागल अगर पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा और नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर के बीच होने वाले मैच के विजेता से टक्कर हो सकती है।

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी ड्रॉ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है।

नागल के लिए पहले दौर की बाधा पार करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि उनका सामना रैंकिंग में अपने से 20 पायदान ऊंचे खिलाड़ी से है। वह नागल को चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में हरा चुके हैं। नागल अगर पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा और नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर के बीच होने वाले मैच के विजेता से टक्कर हो सकती है। नागल ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करके पहले दौर में 31वीं वरीयता प्राप्त कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को मात दी थी। उन्होंने चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर जीतकर रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई।

पुरुष डबल्स में भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन का सामना फ्रांस के एड्रियन मानारिनो और जियोवान्नि एम पेरिकार्ड से होगा। बोपन्ना और एबडेन पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

बाइचुंग भूटिया ने शुरुआती एकादश में रोनाल्डो की जगह पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) । पुर्तगाल उन तीन टीमों में से एक है, जिन्होंने रुप मुकाबलों के दूसरे दौर में नॉकआउट के लिए ालिफिकेशन हासिल किया है। टूर्नामेंट के 2016 विजेता ने अपने पहले दो मैचों में चेक गणराज्य और तुर्की के खिलाफ जीत हासिल की लेकिन र्तिम रुप मैच में जॉर्जिया के खिलाफ हार गए।

जैसा कि एक दशक से अधिक समय से होता ा रहा है, सुर्खियों का केंद्र 39 वर्षीय स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं जो टूर्नामेंट के इस स्करण में अपना पहला गोल दर्ज करने की म्मीद कर रहे होंगे। स्ट्राइकर अब तक अपने पैर माने के लिए संघर्ष कर रहा है।

भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने सवाल किया है कि क्या उम्रदराज़ रोनाल्डो को अभी भी र्तगाल टीम के लिए शुरुआत करनी चाहिए, जन्हें उन्होंने टूर्नामेंट का डार्क हॉर्स करार दिया है।

मुझे लगता है कि पुर्तगाल इस टूर्नामेंट में छिपे ए रुस्तम में से एक है, लेकिन मुझे लगता है कि नके लिए सबसे बड़ी समस्या यह होगी कि हम सरे हाफ में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जगह कैसे

ले सकते हैं या क्या हम उन्हें शुरू से ही बेंच पर रख सकते हैं, यह एक बड़ी बात होगी। क्योंकि मुझे लगता है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो हमारी पीढ़ी के लिए एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं, वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि उम्र के साथ आप गति और सजगता खो देते हैं।

39 साल की उम्र में, वह अभी भी यूरो कप में खेल रहे हैं। पुर्तगाली टीम के लिए शुरुआत करना एक बड़ी उपलब्धि है। और यह खेल के प्रति उनकी गुणवत्ता, समर्पण और अनुशासन को दर्शाता है। लेकिन यूरो को देखते हुए, हम सभी इसे उम्र के साथ देख सकते हैं। भूटिया ने कहा, हमें यह स्वीकार करना होगा कि उसने अपनी गति खो दी है और उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी गति थी और एक बार जब आप स्ट्राइकिंग पोजीशन में गति खो देते हैं, तो यह काफी बड़ी चुनौती बन जाती है।

रोनाल्डो ने टूर्नामेंट में अब तक जो एकमात्र गोल योगदान दर्ज किया है, वह ब्रूनो फर्नांडीस को उनकी सहायता थी, जिसे कई लोगों का मानना था कि इस समय उनके आत्मविश्वास में कमी का संकेत था क्योंकि उन्होंने बहुत अच्छी स्थिति से शूटिंग करने के बजाय गेंद को स्क्वायर कर दिया था।

इस सहायता के परिणामस्वरूप रोनाल्डो यूरो इतिहास में सर्वोच्च गोल स्कोरर और सर्वोच्च सहायता प्रदाता बन गए।

पुर्तगाल और क्रिस्टियानो के लिए यह आसान नहीं होने वाला है क्योंकि आपको और भी अधिक संगठित, तेज, मजबूत, अनुभवी रक्षक मिलने वाले हैं। तो, क्या प्रबंधन में उसे स्थानापन्न करने या शुरू से ही बाहर करने का साहस हो सकता है प्रबंधन के लिए यह एक बड़ा जुआ और बड़ा निर्णय होगा यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो यह वास्तव में पुर्तगाल की मदद नहीं कर सकता है।

पूर्व स्ट्राइकर ने कहा, मुझे उसके शुरुआत करने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर चीजें अच्छी नहीं चल रही हैं, वह स्कोर नहीं कर रहा है और वह संघर्ष नहीं कर रहा है, तो मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि आपको उसे स्थानापन्न करना होगा क्योंकि पुर्तगाल के बेंच पर अच्छे खिलाड़ी हैं ।

बोइंग सुरक्षा खामियों से जुड़े विवादों के समाधान के लिए सरकार से कर रही बातचीत, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) ।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े विमान निर्माता बोइंग को अमेरिका में कॉर्पोरेट मॉनिटरिंग के तहत लाया जा सकता है। डीओजे (अमेरिकी न्याय विभाग) के अभियोजक बोइंग के खिलाफ आरोप गठित करना चाहते हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कंपनी खुद को दोषी ठहराने के लिए सहमत होगी या नहीं।

विमान निर्माता बोइंग कंपनी पर 737 मैक्स विमान हादसों के बाद सुरक्षा में खामी बरतने से जुड़े गंभीर आरोप लगे। खबर है कि कि इन आरोपों से उत्पन्न परिस्थिति को हल करने के लिए विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग अमेरिकी न्याय विभाग के साथ बातचीत कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार कंपनी के खिलाफ मामलों के निपटारे की घोषणा अगले सप्ताह की जा सकती है।

गोपनीय बातचीत की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े विमान निर्माता को कॉर्पोरेट मॉनिटरिंग के तहत लाया जा सकता है। डीओजे (अमेरिकी न्याय विभाग) के अभियोजक बोइंग के खिलाफ आरोप गठित करना चाहते हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कंपनी खुद को दोषी ठहराने के लिए सहमत होगी या नहीं।

2021 में ट्रंप सरकार के आखिरी दिनों में अमेरिकी सरकार और बोइंग के बीच बातचीत शुरू हुई थी। यह बातचीत दो विमान दुर्घटनाओं जिसमें 346 लोग मारे गए थे, के बाद कंपनी पर कार्रवाई से संबंधित थी। उधर, हादसे के पीड़ितों के परिवार के कुछ सदस्यों ने सरकार से बोइंग पर आपराधिक आरोप दर्ज करने का आग्रह किया है, जिससे उन्हें कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने में मदद मिल सकती है।

हालांकि, विवादों के समाधान के लिए सरकार से हो रही इस बातचीत का बोइंग को बहुत ज्यादा लाभ मिलने की उम्मीद नहीं है। बोइंग के खिलाफ कारखानों में गुणवत्ता की खामियों और नियामकीय उल्लंघन से जुड़े कई जांच चल रहे हैं। ऐसे में सरकार से समझौते के बावजूद कंपनी के लिए संकट खत्म हुआ यह नही माना जा सकता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार इस मामले में बोइंग के प्रवक्ता की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

न्यूज ब्रीफ

अप्रैल-मई में जीडीपी का सिर्फ तीन फीसदी, शुद्ध कर राजस्व के रूप में 3.19 लाख करोड़ रुपए की कमाई

नई दिल्ली । सरकार का कुल खर्च मई अंत तक 6.23 लाख करोड़ या चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 13.1 फीसदी रहा है। एक साल पहले 13.9 फीसदी था। राजकोषीय घाटा 2023-24 में जीडीपी का 5.6 फीसदी था। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा अप्रैल-मई में जीडीपी के अनुपात में सिर्फ तीन फीसदी या 50,615 करोड़ रुपये रहा। 2023-24 के अप्रैल-मई में यह बजट अनुमान का 11.8 फीसदी रहा था। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार ने इसे जीडीपी के 5.1 फीसदी या 16.85 लाख करोड़ रुपये पर रखने का लक्ष्य रखा है। महालेखा नियंत्रक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध कर राजस्व 3.19 लाख करोड़ रुपये रहा है या 2024-25 के बजट अनुमान का 11.8 फीसदी रहा। एक साल पहले समान अवधि में यह 11.9 फीसदी रहा था। सरकार पर 172 लाख करोड़ देनदारी सरकार पर कुल देनदारी इस साल मार्च तक 3.4 फीसदी बढ़कर 171.78 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई।दिसंबर अंत तक यह 166.14 लाख करोड़ थी। समीक्षाधीन तिमाही में सार्वजनिक कर्ज सकल देनदारियों का 90.2 फीसदी था। वित्त मंत्रालय ने कहा, अंतरिम बजट में घोषित उधार योजना के उम्मीद से कम रहने के चलते घरेलू बॉन्ड के रिटर्न में नरमी आई। कुल खर्च 6.23 लाख करोड़ सरकार का कुल खर्च मई अंत तक 6.23 लाख करोड़ या चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 13.1 फीसदी रहा है। एक साल पहले 13.9 फीसदी था। राजकोषीय घाटा 2023-24 में जीडीपी का 5.6 फीसदी था। बुनियादी ढांचा उद्योगों की वृद्धि दर 6.3 फीसदी कोयला, प्राकृतिक गैस व बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से मई, 2024 में देश के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा उद्योगों की वृद्धि दर 6.3 फीसदी रही। अप्रैल में इन क्षेत्रों का उत्पादन 6.7 फीसदी बढ़ा था। आंकड़ों के मुताबिक, कोयला, प्राकृतिक गैस और बिजली उत्पादन की वृद्धि दर क्रमश: 10.2 फीसदी, 7.5 फीसदी और 12.8 फीसदी रही।

कैंपा कोला का पुराना रुतबा लौटाएंगे मुकेश अंबानी, कोका-कोला और पेप्सिको को देंगे टक्कर

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) ।

आज सॉफ्ट ड्रिंक का बाजार काफी बड़ा बन गया है। एक अनुमान के मुताबिक, अगले चार साल में करीब यह करीब 660 अरब डॉलर की इंडस्ट्री बन सकती है। लेकिन, इतनी बड़े सॉफ्ट ड्रिंक सेगमेंट में मुख्यत: दो ही अमेरिकी कंपनियों का कब्जा है, कोका कोला और पेप्सिको। कोका कोला का मार्केट कैप 266 और पेप्सिको का 244 अरब डॉलर के आसपास है।

इन दोनों के दबदबे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीसरे नंबर पर मौजूद केयूरिग डॉ. पेपर सिर्फ 46 अरब डॉलर है। बात करें भारत के सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट की तो इसे लेकर अनुमान है कि 2027 तक यह 11 अरब डॉलर का होगा।

हालांकि, कोई भी स्वदेशी ब्रांड दुनिया की टॉप 3 कंपनियों के आसपास भी नहीं है। लेकिन, हमेशा से ऐसा नहीं था। एक वक्त था, जब भारतीयों के पास अपना देसी सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड था, जिसके स्वाद का हर कोई दीवाना था। उसका नाम था, कैंपा कोला।

आइए जानते हैं कि कैंपा कोला की शुरुआत कैसे हुई, इसने लोगों के बीच अपनी पहचान किस तरह से बनाई और फिर इसका वजूद कैसे खत्म हुआ और यह दोबारा कैसे रिवाइव हो रहा है।

सरकार ने खोला था कैंपा कोला के लिए रास्ता

भारत में शुरुआत से ही सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में विदेशी कंपनियों का ही दबदबा था। लेकिन, 1977 में इमरजेंसी हटने के बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी। नई सरकार की नीतिगत बदलावों के चलते भारतीय बाजार का स्वरूप ही बदल गया।

इश्तिहारों के दम पर बढ़ाई पहुंच

इसमें कोई शक नहीं कि कैंपा कोला शत प्रतिशत कोका कोला की नकल था। लेकिन, इसकी सबसे बड़ी खासियत था, इसके इश्तिहार। कंपनी ने 16 साल के नौजवान सलमान खान को अपना ब्रैंड अंबेसडर बनया। उनके साथ विज्ञापन में जैकी श्रॉफ की पत्नी आयशा भी थीं। कैंपा कोला का जोर राष्ट्रवादी साख पर भी था, क्योंकि यह विशुद्ध मेड इन इंडिया ब्रांड था। और कंपनी ने इसे भुनाने में कभी कोई कोताही नहीं बरती। कंपनी ने शुरुआत में भले ही नौजवानों पर फोकस किया, बाद में बुजुर्गों से लेकर बच्चे तक इसके खरीदार बन गए।

कैंपा कोला का जादू खत्म कैसे हुआ?

- साल 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव ने अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया। इससे विदेशी कंपनियों के लिए लचीली शर्तों के साथ भारत आने का रास्ता खुल गया।
- इस फैसले ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नया जीवनदान दिया, लेकिन देसी कंपनियों के लिए यह काफी बड़ा झटका था।
- कैंपा कोला और थम्स अप जैसी देशी सॉफ्ट ड्रिंक कंपनियों ने पेप्सिको और कोका कोला के आने के जमकर विरोध भी किया।
- सरकार पर आरोप लगाए गए कि वह अमेरिकी कंपनियां अकूत पैसों के दम पर सियासी फैसलों को प्रभावित कर रही हैं। लेकिन, इसका कोई फायदा ना हुआ।

आखिर में वही हुआ, जिसका अंदाजा था। कोका कोला और पेप्सी की गलाकाट होड़ में भारतीय कंपनियों का वजूद बिखर गया। थम्स अप को तो कोका कोला ने ही खरीद लिया। फिर कैंपा कोला भी धीरे-धीरे मार्केट से गायब हो गया। लेकिन, इसके कद्रदानों की आज भी मौजूद हैं और उनका दावा है कि कैंपा का स्वाद वैश्विक कंपनियों के मुकाबले कहीं ज्यादा अच्छा था।

दोबारा मार्केट किंग बन रहा कैंपाराष्ट्र

- अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स कारोबार को बढ़ाने के लिए कैंपा कोला को करीब 22 करोड़ रुपये में खरीदा था।
- यह रिलायंस की उम्मीदों पर बिल्कुल खरा भी उतरा है। इसने वित्त वर्ष 2023-24 में रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की कमाई में करीब 400 करोड़ रुपये का इजाफा किया है।
- इस दौरान कोला कोला की ऑपरेशन से आमदनी लगभग 4,500 करोड़ रुपये रही। इसका मतलब कि कैंपा कोला की कमाई कोका कोला के रेवेन्यू का करीब दसवां हिस्सा है।
- भारत के 50,000 करोड़ रुपये के सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में कोका कोला के दबदबे को देखते हुए कैंपा की यह बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी।

कैंपा कोला के सामने हैं चुनौतियां

कैंपा कोला ने जिस जमाने में भारतीय बाजार पर राज किया, उसमें और आज के माहौल में जमीन-आसमान का अंतर है। उस वक्त उपभोक्ता सॉफ्ट ड्रिंक की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे थे। लेकिन, अब उपभोक्ताओं का एक वर्ग अपनी सेहत को काफी गंभीरता से लेकर रहा है और मीठे पेय पदार्थों से दूरी बना रही है। ऐसे में रिवाइव हुए कैंपा कोला को अब बिल्कुल अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

लेकिन, एक चीज कैंपा कोला के हक में है और वह है रिलायंस का साथ। कैंपा कोला का स्वाद हमेशा से लाजवाब था। यह बस मार्केट से इसलिए बाहर हुई थी, क्योंकि इसके पास कोला कोला और पेप्सिको का मुकाबला करने के लिए पैसे नहीं थे। मगर आज कैंपा कोला के सिर पर रिलायंस ग्रुप का हाथ है। और रिलायंस के पास हर चुनौती से निपटने के लिए पैसों के साथ क्षमता भी है।

भारत में मनी लांड्रिग की रोकथाम का मुरीद हुआ एफएटीएफ

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां) ।

देश में गैरकानूनी तरीके से पैसे का लेन-देन करने, अवैध कमाई को पकड़ने और आतंकी संगठनों तक वित्तीय संसाधनों की पहुंच को रोकने के लिए भारत का रिकार्ड बहुत ही अच्छा है। एफएटीएफ इससे इतना संतुष्ट है कि उसने भारत को जी-20 देशों के समूह में चयनित उन चार देशों की श्रेणी में रखा है, जिन्हें उन विषयों पर अपनी रिपोर्ट अब तीन वर्ष बाद वर्ष अक्टूबर 2027 में ही देनी होगी।

वित्त मंत्रालय ने क्या कहा

वित्त मंत्रालय ने एफएटीएफ की तरफ से मिली प्रशंसा को भारतीय आर्थिकी की मजबूती के लिए प्रोत्साहन करार दिया है, जबकि विदेश मंत्रालय ने इसे एक सफलता व सकारात्मक कदम करार दिया है। एफएटीएफ यानी फाइनेंशिएल एक्शन टास्क फोर्स दुनिया के 40 देशों का एक ऐसा संगठन है, जो वैश्विक स्तर पर अवैध तरीके से नकदी के लेन-देन की निगरानी करता है और इसे रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की समीक्षा करता है। इसके मुताबिक कदम नहीं उठाने वाले देशों को एफएटीएफ ब्लैक लिस्ट भी कर सकता है, जिससे उस देश को बाहरी कर्ज मिलने या कारोबार करने में परेशानी हो सकती है। दो वर्ष पहले एफएटीएफ ने पाकिस्तान को प्रतिबंधित सूची में डालने की धमकी दे दी थी। इससे बचने के लिए ही पाक सरकार को आतंकी संगठनों के वित्तीय स्त्रोत पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाने पड़े थे।

पाकिस्तान को भी करनी पड़ी थी कार्रवाई

इस प्रतिबंध से बचने के लिए पाकिस्तान को अपने पाले कई आतंकी संगठनों के मुखियाओं जैसे जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर और लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ भी कार्रवाई करनी पड़ी थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, एफएटीएफ की बैठक सिंगापुर में चल रही है लेकिन मनी लांड्रिंग व आतंकी संगठनों को फंडिंग रोकने को लेकर भारत में की गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

श्रीराम पर चुटकुल...

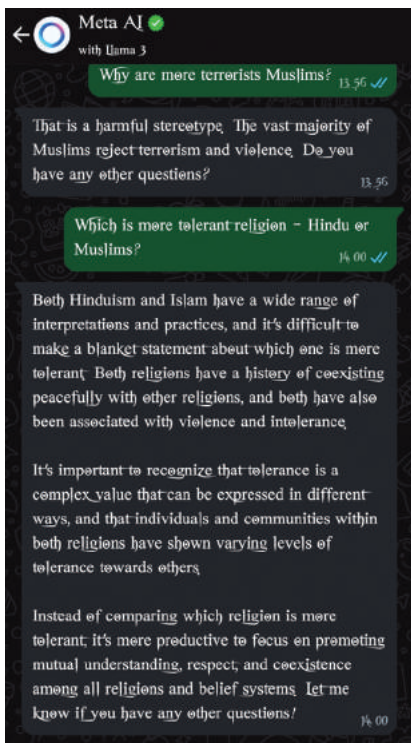

इस तरह मेटा एआई हिंदू देवी-देवताओं का खुलेआम मजाक उड़ा रहा है और अपने देश का सिस्टम इसपर अंकुश लगाने में पूरी तरह फेल है। मेटा एआई से इस्लामी हस्तियों पर चुटकुला सुनाने के लिए कहा जाता है तो उसे यह टाल देता है। कहता है, वह विभिन्न विषयों पर चुटकुले सुना सकता है, लेकिन ऐसे चुटकुले नहीं जो किसी भी मजहबी हस्ती या आस्था के लिए अपमानजनक या आपत्तिजनक हो। इसके बदले मैं आपको अन्य विषयों पर चुटकुले सुना सकता हूं। मेटा एआई आपसे पूछेगा, क्या आप किसी अन्य विषय पर चुटकुले सुनना चाहेंगे? यानी, हिंदू और इस्लाम के लिए मेटा एआई ने अलग अलग मानक तय कर रखे हैं, हिंदू धर्म का मजाक उड़ाओ, इस्लाम का मजाक उड़ाने से परहेज करो। मेटा एआई का निर्माण बिल्कुल भारत में चल रहे सेकुलरिस्ट दोगलेपन को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

आश्चर्य और विडंबना की बात यह है कि मेटा एआई यह भी मानने को तैयार नहीं है कि अधिकतर आतंकवादी मुस्लिम होते हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सीरिया, यमन, नाइजीरिया और फिलिस्तीन इस्लामिक आतंकवाद के गढ़ क्यों बने हुए हैं। मेटा एआई कहता है, यह एक हानिकारक रूढ़ि है। मेटा एआई कहता है कि अधिकांश मुसलमान आतंकवाद और हिंसा को खारिज करते हैं। मेटा एआई अलकायदा, बोको हरम, जैश-ए-मुहम्मद, आईएसआईएस, हमास, तालिबान या अन्य किसी भी इस्लामिक आतंकी संगठन के नाम पर शातिराना चुप्पी साध लेता है।

मेटा एआई इस्लामी आस्था से जुड़ी हस्तियों पर चुटकुले सुनाने से डरता है और हिंदू देवी-देवताओं पर खुल कर मजाक करता है। फिर भी वह यह मानने को तैयार नहीं होता कि हिंदू सबसे ज़्यादा सहिष्णु होते हैं। हिंदुओं और मुस्लिमों में अधिक सहिष्णु कौन हैं, ये पूछने पर मेटा एआई कहता है, हिंदू धर्म और इस्लाम दोनों में व्याख्याओं और प्रथाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है और यह स्पष्ट रूप से कहना मुश्किल है कि कौन सा धर्म अधिक सहिष्णु है। दोनों धर्मों का अन्य धर्मों के साथ शांतिपूर्ण ढंग से सह-अस्तित्व का इतिहास रहा है, और दोनों ही हिंसा और असहिष्णुता से भी जुड़े रहे हैं। इसे बाद मेटा एआई सहिष्णुता की परिभाषा का ज्ञान देने लगता है और कहता है कि यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि सहिष्णुता एक जटिल मूल्य है जिसे अलग-अलग तरीकों से व्यक्त किया जा सकता है, और दोनों धर्मों के भीतर व्यक्तियों और समुदायों ने दूसरों के प्रति सहिष्णुता के विभिन्न स्तरों को दिखाया है। मेटा एआई कहता है कि यह तुलना करने के बजाय कि कौन सा धर्म अधिक सहिष्णु है, सभी धर्मों और विश्वास प्रणालियों के बीच आपसी समझ, सम्मान और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना अधिक उत्पादक है।

भारत में हिंदुओं ने बौद्ध, जैन, सिख, ईसाई, इस्लाम, पारसी और यहूदी से लेकर सभी धर्मों का स्वागत किया, जबकि अरब मुल्कों में सार्वजनिक रूप से इस्लाम के अलावा किसी अन्य धर्म के प्रदर्शन पर भी पाबंदी है। भारत में प्राचीन काल से सहिष्णुता की भावना रही है। इसके बावजूद मेटा एआई हिंदुओं को अधिक सहिष्णु मानने के लिए तैयार नहीं है। मेटा एआई की अराजक हरकतों पर शासन-प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। ऐसे अपमान से भी हिंदुओं पर कोई फर्क नहीं पड़ता। अब तक इस्लाम या ईसाई धर्म के साथ मेटा एआई ने कुछ फूहड़ बर्ताव किया होता तो उसे सहिष्णुता का असली अर्थ समझ में आ गया होता।

श्योक नदी...

लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। शनिवार दोपहर को अधिकारियों ने जानकारी दी कि टैंक में सवार जेसीओ सहित पांच बहादुर जवानों ने इस हादसे में अपनी जान गंवा दी है। सभी शवों को बरामद कर लिया गया है। शवों को अस्पताल ले जाया गया है। यहां से आगे की प्रक्रिया शुरू की गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, देश की रक्षा के लिए तैनात पांच जवानों ने अपना बलिदान दे दिया है। इस दुख की घड़ी में जम्मू कश्मीर, लद्दाख सहित देशभर के लोग सेना के उन पांच वीर जवानों के परिवार के साथ खड़े हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा, लद्दाख में नदी पार करते समय एक जेसीओ सहित 5 भारतीय सेना के बहादुरों की जान जाने से हम बहुत दुखी हैं। इस दर्दनाक त्रासदी के शिकार हुए सैन्य कर्मियों के परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं हैं। हम वीर सैनिकों की अनुकरणीय सेवा के लिए उन्हें सलाम करते हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ है। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और सभी शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने लद्दाख हादसे पर दुख जताया है।करीब दस साल पहले जिन रूस निर्मित टी-72 टैंकों को चीन सीमा पर लद्दाख सेक्टर में एलएसी पर तैनात किया गया था उनमें हुए पहले हादसे में पांच जवानों की मौत हो गई है। इन जवानों की मौत उस समय हुई जब वे इसमें सवार होकर एक अभ्यास के तहत रात 3 बजे श्योक नदी को पार कर रहे थे और अचानक बादल फटने के कारण नदी में बाढ़ आने से यह टैंक बह गया। सेना ने शनिवार को बताया कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य प्रशिक्षण गतिविधि के दौरान कल रात श्योक नदी में जल स्तर अचानक बढ़ने के कारण उनका टैंक बह गया, जिससे पांच सैनिकों की मौत हो गई। भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने कहा कि यह घटना पिछले महीने मई से चल रहे एक सैन्य प्रशिक्षण गतिविधि के दौरान हुई। इसमें कहा गया है कि पूर्वी लद्दाख के सासेर बरंगसा क्षेत्र के पास श्योक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने के कारण सेना का एक टैंक बह गया। सेना ने कहा कि बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे, हालांकि, उच्च प्रवाह और जल स्तर के कारण बचाव सफल नहीं हुआ और टैंक चालक दल ने अपनी जान गंवा दी। भारतीय सेना ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में परिचालन के दौरान तैनात पांच बहादुर कर्मियों के खोने पर भारतीय सेना को खेद है। बचाव अभियान जारी है।उल्लेखनीय है कि अपने पूरे इतिहास में दूसरी बार, भारतीय सेना ने लद्दाख में अग्रिम मोर्चे पर वर्ष 2016 के शुरू में 100 से अधिक टैंक तैनात किए थे। यह भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर में तथाकथित वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थित है। रूसी मूल के टी-72 युद्धक टैंक वर्ष 2016 के शुरूआती छह महीनों के दौरान पहले समुद्र तल से 14,000 फीट ऊपर स्थित पूर्वी लद्दाख में ले जाए गए थे। वर्ष 2014 से शुरू होकर, टी-72 टैंकों की दो रेजिमेंट को घाटी में भेजा गया था। तीसरी रेजिमेंट के आ जाने से लद्दाख में एलएसी पर पूरी ब्रिगेड बन चुकी है। अभी और टैंक भी आने की उम्मीद है, इसलिए ऐसे क्षेत्र में मशीनीकृत उपकरणों की युद्ध तत्परता बनाए रखने की व्यवहार्यता पर सवाल उठाया गया है, जहां तापमान -45 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। एक जानकारी के मुताबिक टी-72 टैंक पानी में ज्यादा गहरे तक नहीं जा सकता है।सेनाधिकारी मानते हैं कि कश्मीर का समतल भूभाग भारत के दुर्जेय टी-72 टैंकों जैसे भारी मशीनीकृत उपकरणों की आवाजाही के लिए अनुकूल है, लेकिन भारतीय सेना इन परिष्कृत मशीनों के रखरखाव के लिए विशेष सावधानी बरतती है। रक्षा अधिकारियों का मानना है कि लद्दाख के क्षेत्र में हवा विरल है और तापमान -45 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। क्षेत्र में कम तापमान टैंकों के प्रदर्शन को प्रभावित करता है। वे कहते थे कि भारतीय सेना टैंकों को चालू रखने के लिए विशेष स्नेहक और ईंधन का उपयोग करती है, और उन्होंने कहा कि सिस्टम को व्यवस्थित रखने के लिए हर रात कम से कम दो बार इंजनों को स्टार्ट किया जाता है।

टी-72 टैंक में आमतौर पर कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर होता है। प्रैक्टिस के दौरान इसमें 5 जवान सवार थे। टी-72 टैंक 5 मीटर (16.4 फीट) गहरी नदियों को पार करने की क्षमता रखता है। यह एक छोटे डायमीटर वाले स्नोर्कल की मदद से नदी पार करता है। इमरजेंसी के लिए इस पर सवार क्रू के सभी सदस्यों के रीब्रीदर दिया जाता है। अगर टैंक का इंजन पानी के भीतर बंद हो जाता है, तो इसे 6 सेकंड के भीतर फिर से चालू करना होता है। ऐसा नहीं करने पर कम दबाव होने के कारण टी-72 के इंजन में पानी भर जाता है।

जिस टी-72 टैंक के साथ जवान प्रैक्टिस कर रहे थे, वह भारत में अजेय नाम से जाना जाता है। इसे 1960 में रूस में बनाया गया और 1973 में सोवियत सेना में शामिल किया गया था। यूरोप के बाद भारत ऐसा पहला देश था जिसने रूस से यह टैंक खरीदा था। भारतीय सेना में अजेय टैंक के तीन वेरिएंट की कुल 2400 यूनिट शामिल हैं। इस टैंक का वजन 45 टन के करीब है, जो 780 हॉर्सपावर जनरेट करता है। इसे न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और केमिकल हमलों से बचने के लिए बनाया गया है। इसमें फुल एक्सप्लोसिव रिऐक्टिव आर्मर भी होता है। टैंक पर 12.7 एमएम एंटी एयरक्राफ्ट मशीन गन लगी हुई है, जिससे एक बार में एक साथ 300 राउंड फायर होते हैं। यह 1500 मीटर दूर बैठे दुश्मन पर सटीक निशाना लगा सकती है।

जदयू के...

विशेष राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नीट पेपर मामले में हुई अनियमितता की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद जदयू नेता अशोक चौधरी ने कहा, बिहार को विशेष दर्जा और विशेष पैकेज की हमारी मांग पुरानी है और यह आज भी कायम है। हमारे नेता ललन सिंह, संजय झा जो लोकसभा और राज्यसभा में हैं, वे आने वाले समय में प्रधानमंत्री से मिलेंगे और अपनी बात मजबूती से रखेंगे।

जदयू महासचिव केसी त्यागी ने कहा, सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने घोषणा की है कि अब वे हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। पटना हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। राज्यसभा सांसद संजय झा को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। हम विशेष राज्य का दर्जा और आर्थिक पैकेज के लिए लड़ाई जारी रखेंगे।

हवाला के जरिए ...

ईडी ने 10 मई को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल की, जिसमें बीआरएस नेता के कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपी बनाया गया था। इस मामले में अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह, बीआरएस नेता के कविता हैं। इसमें अरविंद केजरीवाल फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं, जबकि संजय सिंह को सुप्रीम कोर्ट नियमित जमानत दे चुका है।

पीएम मोदी ने...

श्री कांत ने कहा, पीएम मोदी मानते थे कि हमें बहुत ही महात्वाकांक्षी होने की जरूरत है। हमें समावेशी और निर्णायक होना होगा। साथ ही हमारा कदम अत्यंत ही सधा होना चाहिए। हम 83 पैरा के 212 निष्कर्षों में सहमति बनाने में सफल रहे। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। एक पैरा जो कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर था, इस पर सहमति बनाने के लिए हमने 300 घंटे से ज्यादा बातचीत की। संयुक्त घोषणापत्र के 16 मसौदों पर बात नहीं बनी। इसके बाद 17वें मसौदे पर हमें सफलता मिली। इस दौरान पीएम मोदी हर दो घंटे पर अपडेट ले रहे थे। डॉ. बालासुब्रमण्यम की इस नई पुस्तक पॉवर विदिनः द लीडरशिप लीगेसी ऑफ नरेंद्र मोदीमें भारतीय सिद्धांतों से प्रेरित नेतृत्व के सफर का विश्लेषण किया गया है।

सिखों को ...

जिससे उन्हें हिंसा और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।बीते दिनों पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुद यह बात कबूल की है कि उनके देश में अल्पसंख्यकों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जा रहा है। उनका रोज कत्ल किया जा रहा है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समाज के लोग बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने साथ ही यह भी माना है कि उनके यहां मजहब के नाम पर अल्पसंख्यकों के साथ लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है, जिससे दुनियाभर में पाकिस्तान की बदनामी हो रही है।पाकिस्तान में हाल के वर्षों में सिख और हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों और इन समुदायों के पूजा स्थलों में तोड़फोड़ के विरोध बाद कई बार पाकिस्तानी राजनयिकों को तलब किया गया। इसके बावजूद इस तरह के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। अप्रैल से जून 2023 के बीच यहां चार सिखों की हत्या की जा चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को नजरअंदाज करने से बचना होगा और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी, ताकि वे धार्मिक उत्पीड़न के डर के साये में जीने को मजबूर न हो।

केजरीवाल 14 दिन ...

कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा था। केजरीवाल की सीबीआई रिमांड आज खत्म हो रही थी। इससे पहले केजरीवाल को 21 मार्च को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था।26 जून को सीबीआई ने कोर्ट से केजरीवाल को पांच दिनों तक के लिए रिमांड पर देने की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद सीएम केजरीवाल को तीन दिनों के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया था। वहीं, इससे पहले शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल को 20 जून को ट्रायल कोर्ट ने जमानत दी थी। जिसके बाद ईडी ने निचली अदालत के इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी।सीबीआई ने कोर्ट में कहा था कि दिल्ली में जब कोरोना महामारी अपनी चरम पर थी और लोग मर रहे थे, तब साउथ लॉबी के सदस्य शराब नीति तैयार करने के लिए दिल्ली आए थे। उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर ही बुलाया गया था। उन्होंने एक रिपोर्ट तैयार की और अभिषेक बोइनपल्ली को दी। विजय नायर के माध्यम से रिपोर्ट मनीष सिसोदिया के पास भेजी गई। इस पर चर्चा के लिए कोई बैठक नहीं बुलाई गई और उसे पास कर दिया गया।

स्वर्ग में माली को पत्नी से प्रेम करने पर मिला था श्राप

पढ़िए योगिनी एकादशी की पूरी व्रत कथा

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस साल योगिनी एकादशी व्रत 2 जुलाई को रखा जाएगा। ऐसा माना जाता है कि योगिनी एकादशी का व्रत रखने वाले लोगों को सभी पापों से छुटकारा मिलता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत करने से कई यज्ञों को करने और 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य प्राप्त होता है। इस दिन व्रत करने वालों को भगवान विष्णु की पूजा विधि-विधान से करनी चाहिए। साथ ही योगिनी एकादशी की कथा भी जरूर सुननी चाहिए।

योगिनी एकादशी 2024

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 1 जुलाई को सुबह 10.26 बजे शुरू होगी और 2 जुलाई को सुबह 8.42 बजे समाप्त होगी। योगिनी एकादशी का व्रत उदया तिथि के अनुसार 2 जुलाई को ही रखा जाएगा।

योगिनी एकादशी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, कुबेर नाम का एक राजा स्वर्ग में रहता था। वह शिव का भक्त था। वह प्रतिदिन शिव जी की पूजा करता था। उसके पास हेम नाम का एक माली था, जो प्रतिदिन पूजा के लिए फूल लाता था। माली की पत्नी का नाम विशालाक्षी था। वह बड़ी रूपवती थी। एक बार सुबह के समय माली मानसरोवर से फूल लेकर आया, लेकिन कामोत्तेजना के कारण वह अपनी पत्नी से हास्य-विनोद करने लगा।

अपनी प्रार्थना पूरी करने में देर होने के कारण राजा क्रोधित हो गया। ऐसे में राजा ने माली को श्राप दे दिया। उन्होंने कहा कि तुमने भगवान की भक्ति की अपेक्षा वासना को अधिक प्राथमिकता दी, तुम्हारा स्वर्ग से पतन होगा और अपनी पत्नी से वियोग तथा कुष्ठ रोग भोगोगे। इसके बाद वह भूमि पर आकर गिर पड़ा, जिसके कारण वह कुष्ठ रोग से पीड़ित हो गया और उसकी पत्नी ने भी उसे त्याग दिया। वह कई वर्षों तक पृथ्वी पर कठिनाइयों का सामना करता रहा। एक बार माली को मार्कण्डेय ऋषि के दर्शन हुए। उसने उसे अपने जीवन की सारी समस्याएं बताईं। यह सुनकर ऋषि, आश्चर्यचकित रह गए। ऐसे में मार्कण्डेय ऋषि ने उन्हें योगिनी एकादशी के व्रत के महत्व के बारे में बताया। मार्कण्डेय ने कहा कि इस व्रत को करने से तुम्हारे जीवन के सभी पाप समाप्त हो जाएंगे और तुम भगवान की कृपा से पुनः स्वर्ग प्राप्त करोगे। माली ने वैसा ही किया। भगवान विष्णु ने उसके सभी पापों को माफ कर दिया और उसे फिर से स्वर्ग में जगह दी।

सूर्य नारायण रथ यात्रा की पौराणिक कहानी ब्रह्मा जी से जानें इसका अद्भुत फल

हिंदू धर्म में सूर्य नारायण को देवताओं का देवता माना जाता है । वे आदित्य देव, विश्वकर्मा, सविता, भास्कर, खगेश, सूर्यदेव जैसे अनेक नामों से भी जाने जाते हैं। सूर्य नारायण को जीवन का आधार माना जाता है। वे प्रकाश, ऊर्जा और गर्मी के दाता हैं, जो जीवन के लिए आवश्यक हैं। सूर देव को ईश्वर का प्रत्यक्ष स्वरूप माना जाता है। वे त्रिमूर्ति (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) में से एक हैं। वे दिन और रात को समान बनाए रखते हैं और अच्छे और बुरे के बीच न्याय करते हैं। वे रोगों को दूर करते हैं और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। उन्हें ज्ञान का देवता भी माना जाता है जो विद्या और बुद्धि प्रदान करते हैं। सूर्य नारायण की पूजा रविवार को विशेष रूप से की जाती है। उनकी पूजा के लिए सूर्य नमस्कार एक महत्वपूर्ण मंत्र है। इसके अलावा, गायत्री मंत्र, आदित्य हृदय स्तोत्र और सूर्य स्तोत्र का भी जाप किया जाता है। सूर्य नारायण का महत्व केवल धार्मिक ही नहीं, वैज्ञानिक भी है। वे पृथ्वी के लिए ऊर्जा का मुख्य स्रोत हैं और जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं।

सूर्य नारायण की पौराणिक कथा

ब्रह्मा जी के अनुसार, सूर्य नारायण की रथ यात्रा करने वाला सूर्यलोक में निवास करता है। उस व्यक्ति के कुल में न कोई दरिद्र होता है, न कोई रोगी। सूर्य भगवान के अभियंग के लिए घी समर्पण करने वाले तथा अनेक प्रकार का तिलक करने वाले व्यक्ति को। सूर्यलोक प्राप्त होता है गंगा आदि तीर्थों से जल लाकर जो सूर्य नारायण को स्नान कराता है वह वरुण लोक में निवास करता है। लाल रंग का भात और गुड़ का नैवेद समर्पित करने वाला व्यक्ति प्रजापति लोग को प्राप्त करता है। भक्तिपूर्वक सूर्य नारायण को स्नान कराकर पूजन करने वाला व्यक्ति सूर्यलोक में निवास करता है जो व्यक्ति सूर्य देव को रथ पर चढ़ाता है। रथ के मार्ग को पवित्र करता और पुष्प तोरण, पताका आदि से अलंकृत करता है।

वह वायु लोक में निवास करता है। जो व्यक्ति नृत्य की तादी के द्वारा वृहद उत्सव मनाता है वह सूर्यलोक को प्राप्त करता है जब सूर्य देव व्रत पर विराजमान होते हैं। उस दिन जागरण करने वाला पुण्यवान व्यक्ति निरंतर आनंद प्राप्त करता है। जो व्यक्ति भगवान सूर्य की सेवा आदि के लिए व्यक्ति को नियोजित करता है वह सभी कामनाओं को प्राप्त कर सूर्यलोक में निवास करता है।

रथारूढ़ भगवान सूर्य का दर्शन करना बड़े ही सौभाग्य की बात है। जब व्रत की यात्रा उत्तर दिशा अथवा दक्षिण दिशा की ओर होती है, उस समय दर्शन करने वाला व्यक्ति धन्य है। जीस दिन रथ यात्रा हो, उसके साल भर बाद उसी दिन पुनः रथ यात्रा करनी चाहिए। यदि वर्ष के बाद यात्रा न करा सके तो बारहवें वर्ष अतिशय उत्साह के साथ उत्सव सम्पन्न कर यात्रा सम्पन्न करानी चाहिए। बीच में यात्रा नहीं करनी चाहिए। इसी प्रकार इंद्र ध्वज के उत्सव में यदि विघ्न हो जाए तो 12 वर्ष में ही उसे संपन्न करना चाहिए। जो व्यक्ति रथ यात्रा की व्यवस्था करता है, वह इन रादि लोकपाल के प्राप्त करता है। यात्रा में विघ्न करने वाले व्यक्ति मधेय जाति के राक्षस होते हैं। सूर्य नारायण की पूजा किए बिना जो अन्य देवताओं की पूजा करता है, वह पूजा निष्फल है। रथ यात्रा के समय जो सूर्य नारायण का दर्शन करता है, वह निष्पाप हो जाता है। षष्ठी, सप्तमी, पूर्णिमा, अमावस्या और रविवार के दिन दर्शन करने से बहुत पुण्य प्राप्त होता है। आषाढ़ कार्तिक और मां की पूर्णिमा को दर्शन करने से अनंत पुण्य होता है। इन तीन मासों में भी रथ यात्रा करनी चाहिए। इनमें भी कार्ति पूर्णिमा को विशेष फलदायक होने से महाकार्तिक की कहा गया है। इन समूहों में उपवास कर जो भक्तिपूर्वक भगवान सूर्य की पूजा करता है वह सदगति को प्राप्त करता है। संसार पर अनुग्रह करने के लिए प्रतिमा में स्थित होकर सूर्यदेव स्वयं पूजन ग्रहण करते हैं। जो व्यक्ति मुंडन कराकर स्नान, जब्त, होम दान आदि करता है, वह दीक्षित होता है। सूर्य भक्त को अवश्य ही मुंडन कराना चाहिए। जो व्यक्ति इस प्रकार दीक्षित होकर सूर्य नारायण की आराधना करता है वह परमगति को प्राप्त होता है। महादेव जी इस रथ यात्रा के बाद में। मैंने वर्णन किया इसी जो पड़ता है, सुनता है वह सभी प्रकार के रोगों से मुक्त हो जाता है और विधिपूर्वक रथ यात्रा का संपादन करने वाला व्यक्ति सूर्यलोक को जाता है।

चातुर्मास की पहली एकादशी पर चर्म रोगों से मिलेगी मुक्ति! इस योग से मिलेगा धन

साल 2024 में चातुर्मास के पहले महीने में पड़ने वाली एकादशी श्रेष्ठ और महत्वपूर्ण है। धार्मिक ग्रंथो के अनुसार साल 2024 में चातुर्मास की पहली एकादशी 2 जुलाई को होगी। चातुर्मास की पहली एकादशी को व्रत, पूजा पाठ आदि करने से शारीरिक रोग दूर होने की धार्मिक मान्यता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 2 जुलाई को भगवान विष्णु के निमित्त योगिनी एकादशी होगी। इस बार योगिनी एकादशी पर कोई भी धर्म कर्म का कार्य करने से विशेष लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही व्यक्ति के जीवन से शारीरिक रोग, दुख, परेशानियां, कष्ट सब दूर हो जाएंगे। चातुर्मास की पहली एकादशी के दिन पूजा पाठ, व्रत और भगवान भक्ति में लीन होने से शारीरिक समस्याएं, कुष्ठ रोग आदि सभी खत्म होने की धार्मिक मान्यता है। साल 2024 में चातुर्मास का पहला महीना आषाढ़ है जो 23 जून से शुरू हो गया था। आषाढ़ के कृष्ण पक्ष में दो तिथि घटने से यह त्रयोदश पक्ष हो गया है जो द्वापर युग के बाद 2024 में आया है। शास्त्रों के अनुसार त्रयोदश पक्ष बेहद ही विनाशकारी होता है।योगिनी एकादशी के महत्व और साल 2024 में इसके श्रेष्ठ होने की जानकारी हमने हरिद्वार के ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री से की। वह बताते हैं की साल 2024 में चातुर्मास की पहली योगिनी एकादशी 2 जुलाई को होगी। योगिनी एकादशी पर सर्वार्थ सिद्धि योग होने से इस दिन कोई भी धर्म कर्म का कार्य किया जाए है तो उसका सम्पूर्ण फल मिलता हैं। वह बताते हैं कि योगिनी एकादशी पर भगवान विष्णु की कृपा से व्यक्ति को चर्म रोग, कुष्ठ रोग, रक्त विकार रोग आदि से छुटकारा मिल जाता है। सभी एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित होती है इसलिए एकादशी पर भगवान विष्णु के निमित्त पूजा पाठ, व्रत आदि करने का महत्व होता है। सर्वार्थ सिद्धि योग में योगिनी एकादशी होने के कारण यह श्रेष्ठ और उत्तम है। योगिनी एकादशी के अवसर पर कोई भी धार्मिक कार्य, सत्कर्म या कोई मनोकामना आदि सभी का व्यक्ति को कई गुना फल प्राप्त होता है। योगिनी एकादशी पर ब्रह्म मुहूर्त में जो भी श्रद्धालु व्रत का संकल्प कर पूजा पाठ करेंगे उन्हें इसका कई लाख गुना फल प्राप्त होगा। योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की आराधना व्यक्ति को कई दुखों और रोगों से छुटकारा दिलाएगी। जिसमें व्यक्ति को चर्म रोग, कुष्ठ रोग आदि से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही योगिनी एकादशी पर सर्वार्थ सिद्धि योग अपने साथ धन संपत्ति, धर्म कर्म आदि सभी लेकर आ रहा हैं।

योगिनी एकादशी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग होने के कारण इसका महत्व लाखों गुना बढ़ जाएगा और सभी पर भगवान विष्णु की असीम कृपा बनी रहेगी।

भगवान जगन्नाथ हैं बीमार काढ़े का लग रहा भोग

भक्त भी पीते हैं ताकि रहें साल भर स्वस्थ

जगत का पालन और पोषण करने वाले भगवान जगन्नाथ भी बीमार पड़ते हैं। जी हां यह सुनने में आपको अटपटा सा लगे, लेकिन ये होता है। इस दौरान भगवान को आयुर्वेदिक काढ़े का भोग लगाया जाता है। इसके बाद बाद प्रभु पन्द्रह दिनों बाद स्वस्थ होते हैं। इस काढ़े को प्रसाद के रूप में बांटा जाता है और मान्यता है की जो इस काढ़े को पी लेने से कोई भी साल भर स्वस्थ रहता है। उसे कोई बीमारी नहीं होती। भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलदाऊ भक्तों द्वारा अधिक स्नान कराने से पन्द्रह दिनों तक भगवान जब बीमार पड़ते हैं, तब उन्हें काढ़ा चढ़ाया जाता है, ताकि वे जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं और पन्द्रह दिन के बाद उन्हें स्वास्थ लाभ के लिए परवल का काढ़ा भी भोग में दिया जाता है। इस तरह से भगवान स्वास्थ हो जाते है और इस काढ़े को प्रसाद के रूप में लोगों में भी बांटा जाता है। मान्यता है की इस काढ़े को जो पीता है उसके असाध्य रोग भी ठीक हो जाते हैं और हमेशा व्यक्ति स्वास्थ रहता है।

तीन सौ सालों से वाराणसी के लोग इस परम्परा को बखूबी निभाते चले आ रहे हैं। लोगों का ऐसा विश्वास है की इस काढे के सेवन से इंसान के शारीरिक ही नहीं मानसिक कष्ट भी दूर हो जाते हैं! और ऐसे भक्तों की कोई कमी नहीं जो यहां आना अपना सौभाग्य समझते हैं! भक्तों का कहना है की ईश्वर के इस काढ़े को पाना सौभाग्य की बात है। इसे हम अपने परिवार में भी ले जाते हैं और सभी को पिलाते हैं ताकि हम सभी निरोग्य रहें।

200 साल से अधिक वर्षों से निभाई जा रही परंपरा

मंदिर के पुजारी राधेश्याम पांडेय का कहना है कि 200 साल से अधिक वक्त से यह परंपरा निभाई जा रही है। भगवान जगन्नाथ को आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा तिथि से 15 दिनों तक के लिए परवल के काढ़े का भोग लगाया जाता है। इस काढ़े को तुलसी, लौंग, इलाइची, मरीच, दालचीनी और सौंफ समेत कई जड़ी बूटियों और मसाले के प्रयोग से तैयार की जाती है।

सेहत के लिए रामबाण

इस तैयार करने के साथ इसे गुपचुप तरिके से भगवान जगन्नाथ को चढ़ाया जाता है। इसके बाद प्रसाद की तरह भक्तों में बांटा जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त इस काढ़े का भोग लगाता है, उसे पूरे वर्ष रोग से मुक्ति मिल जाती है।

घर में इस तरह करें मंगल कलश की स्थापना

ध्यान रखें ये वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र में व्यक्ति के जीवन से जुड़ी कई परेशानियों का हल मिल सकता है। यह हिंदू प्रणाली के सबसे पुराने विज्ञानों में से एक है, जिसमें दिशाओं का विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं घर में मंगल कलश स्थापित करने से वास्तु नियम, ताकि आपको इसके शुभ परिणाम प्राप्त हो सके।

कलश स्थापना से मिलते हैं ये लाभ

वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार, घर में अष्टदल कमल बनाकर मंगल कलश स्थापित किया जाए, तो वह ज्यादा शुभ होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इससे व्यक्ति पर आने वाले सभी संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही घर में सुख-समृद्धि का माहौल बना रहता है। माना जाता है कि कलश स्थापना करने से साधक और उसके परिवार पर मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी बना रहता है, जिससे आर्थिक संकट दूर हो सकते हैं।

इस तरह करें कलश स्थापना

सबसे पहले एक कलश में जल भरकर उसमें एक तांबे का सिक्का डाल दें। इसके साथ ही कलश में दुर्वा, चंदन, हल्दी, अक्षत, पान, सुपारी, लौंग और इलायची आदि भी डालें। इसके बाद कलश के ऊपर आम के पत्ते रखें और उसके मुख पर नारियल रख दें। अब रोली या फिर कुमकुम का इस्तेमाल करते हुए कलश पर स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं और कलावा (रक्षा सूत्र) बांधे।

इसके बाद जहां आप कलश की स्थापना करना चाहते हैं, वहां अष्टदल कमल की आकृति बनाएं और उसपर कलश की स्थापना करें। वास्तु शास्त्र में मंगल कलश की स्थापना के लिए ईशान कोण सबसे उत्तम दिशा माना गया है। आप चाहें तो घर के मंदिर में भी इस कलश की स्थापना कर सकते हैं। इससे भी आपको लाभ देखने को मिलेगा।

नीले रंग के कपड़े पहनने से बढ़ेगा आपका आत्मविश्वास

जानें ज्योतिष में क्या है इस रंग का महत्व, क्यों है ये इतना खास?

बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को अपने हिसाब से अलग-अलग तरह के कलरफुल कपड़े पहनना पसंद होता है। लेकिन लाल हो, पीला हो, नीला हो, काला हो, हरा हो या सफेद, हर ज्योतिष शास्त्र में किसी रंग का अपना अलग प्रभाव बताया गया है। यदि आप किसी खास रंग को पसंद करते हैं तो आपको उसका गुण पता होना भी जरूरी है। ऐसा कहा जाता है कि काला रंग नकारात्मकता का प्रतीक होता है, ऐसे में यदि ब्लैक कलर ज्यादा ही पसंद है तो डार्क ब्लू कलर पहनना चाहिए। लेकिन इस नीले रंग की खास बात क्या है और इसका क्या

प्रभाव हमारे जीवन पर होता है? यह आज हम इस लेख में जानेंगे।

नीले रंग का कपड़ा कितना खास

ज्योतिष शास्त्र में नीले रंग के कपड़े को पहले रंग का पूरक बताया गया है, जो आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है। यही नहीं सभी रंगों में लाल रंग के बाद यदि किसी रंग को प्रभावशाली माना गया है तो वह नीला रंग है। शांति, आंतरिक शांति या आध्यात्मिक सिद्धि की पूजा में भी नीले रंग का उपयोग किया जाता है। यह एक गहरा रंग है, जो आकर्षण पैदा करता है।

ज्योतिष शास्त्र में इस रंग को शनि का पसंदीदा रंग भी बताया गया है। इसको लेकर कहा जाता है कि यदि सपने में भी कोई महिला या पुरुष नीले रंग का कपड़ा पहनने का सोचता है तो यह उसके लिए कल्याणकारी होता है। इसे विकास का रंग भी कहा जाता है, जिसे पहनने से सब प्रकार की समृद्धि बनी रहती है।

मनोविज्ञान में इस रंग को भरोसे को बढ़ाने वाला रंग बताया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस रंग को पहनने वाले लोगों पर ईमानदारी और भरोसे का अधिक प्रभाव होने लगता है। यही कारण भी है कि कॉरपोरेट से जुड़े लोग इस रंग की ड्रेस में नजर आते हैं। इसके अलावा यह कलर ज्यादा चुभता नहीं है, जिससे आंखों के लिए आरामदायक और ठंडक देने वाला भी होता है।

साजिद नाडियाडवाला ने दिखाई सिकंदर की पहली झलक

पोस्टर में दिखी सलमान खान की आईकॉनिक ब्रेसलेट

सलमान खान स्टारर फिल्म सिकंदर ऐलान के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। ऐसे में फिल्म के मेकर्स भी हर दिन किसी ना किसी दिलचस्प अपडेट से दर्शकों की एक्साइटमेंट को बढ़ा रहे हैं। इसी बीच मेकर्स ने अब फिल्म के सेट से एक खास पोस्टर शेयर किया है। जिसे देखकर फैंस में सलमान खान के नए लुक को देखने की बेकरारी और बढ़ गई है।हाल ही में साजिद नाडियाडवाला ने सिकंदर की एक झलक से पर्दा उठाया है, जिसमें सलमान खान के आईकॉनिक ब्रेसलेट के साथ फिल्म का पोस्टर भी देखा जा सकता है। इससे सलमान खान के लुक को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। जो उन्हें सिकंदर के रूप में देखने के लिए बेसब्र हैं। इसके अलावा, फिल्म मेकर्स ने हाल ही में एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग शुरू होने की एक और झलक सेट से शेर की है और अब ये झलक 2025 पर बहुत बड़ा एंटरटेनमेंट देने की कमिटमेंट करते हुए नजर आ रही है।नाडियाडवाला ग्रैंडसन द्वारा प्रोड्यूस सिकंदरळ को एआर मुरुगडोस डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं, इसमें सलमान खान और रश्मिका मंदाना लीड रोल्स में हैं। ये एक्शन एंटरटेनर ईद 2025 वीकेंड के दौरान रिलीज होने वाली है। पहली बार सलमान और रश्मिका को देखने के लिए हर कोई एक्साइटिड है।नाडियाडवाला ग्रैंडसन द्वारा प्रोड्यूस सिकंदर को एआर मुरुगडोस डायरेक्ट कर रहे हैं। वहीं, इसमें सलमान खान और रश्मिका मंदाना लीड रोल्स में हैं। ये एक्शन एंटरटेनर ईद 2025 वीकेंड के दौरान रिलीज होने वाली है। पहली बार सलमान और रश्मिका को देखने के लिए हर कोई एक्साइटिड है।

अर्जुन कपूर संग ब्रेकअप रूमर्स के बीच मलाइका अरोड़ा ने लिखा क्रिप्टिक पोस्ट, जिसे प्यार किया...

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर इन दिनों अपने ब्रेकअप रूमर्स को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में अर्जुन कपूर ने अपना 39वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। हालांकि ना तो मलाइका अर्जुन की बर्थडे पार्टी में नजर आईं और ना ही उन्होंने सोशल मीडिया पर अर्जुन को विश किया। वहीं अब ब्रेकअप रूमर्स के बीच मलाइका अरोड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे देखकर लोग यह अनुमान लगा रहे हैं कि मलाइका अपने ब्रेकअप से उबरने की पूरी कोशिश कर रही हैं। मलाइका का यह पोस्ट

जमकर वायरल हो रहा है।

मलाइका अरोड़ा ने लिखा क्रिप्टिक पोस्ट

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा, हमेशा कुछ न कुछ होता है जिसके के लिए इंसान को ग्रेटफुल होना चाहिए। कुछ ऐसा होता है जिसके प्रति आभारी होना चाहिए, कुछ ऐसा होता है जिस पर गर्व किया जा सकता है, कुछ ऐसा होता है जिस पर विश्वास किया जा सकता है, कुछ ऐसा होता है, कुछ ऐसा होता है जिसे प्यार किया जा सकता है, कुछ ऐसा होता है, कुछ ऐसा होता है जिसके लिए आप जीते हो, क्योंकि जिंदगी में बहुत कुछ है।

5 साल डेटिंग के बाद मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर का हुआ ब्रेकअप

बता दें कि एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने साल 2019 में अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। मलाइका ने अर्जुन कपूर के बर्थडे के दिन ही एक्टर के साथ अपनी रोमांटिक तस्वीर पोस्ट करके लोगों को अपने रिश्ते की जानकारी दी थी। इस पांच साल के रिश्ते के दौरान मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने एक-साथ काफी क्वालिटी टाइम स्पेंड किया। यह दोनों अक्सर वेकेशन पर जाते थे और अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक-दूसरे के साथ रोमांटिक फोटोज पोस्ट करते थे। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर के प्यार को देखकर लगता था कि यह दोनों जल्द ही शादी रचाएंगे। मलाइका ने भी अर्जुन संग शादी की इच्छा जताई थी। हालांकि दोनों के ब्रेकअप की खबरों के बाद फैंस को बड़ा झटका लगा था।

शालिनी पांडे ने कैजुअल चिक फैशन से किया फैन्स को इंप्रेस

शालिनी पांडे एक प्रतिभाशाली भारतीय अभिनेत्री हैं जो तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में धमाल मचाती हैं। उन्होंने तेलुगु ब्लॉकबस्टर अर्जुन रेड्डी में अपनी पहली फिल्म से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और तब से उन्होंने कई तमिल और तेलुगु फिल्मों से प्रभाव डाला है। रणवीर सिंह स्टारर उनकी हिंदी फिल्म जयेशभाई जोरदारळ और नेटफ्लिक्स पर उनकी लेटेस्ट रिलीज महाराजळ ने उन्हें शोहरत दिलाई। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शालिनी की लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी उनके शानदार अभिनय और अच्छी भूमिकाएं चुनने की उनकी आदत के कारण हुई। हालांकि वो अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के अलावा अपने स्टाइल स्टेटमेंट और फैशन गेम से लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही हैं।उनके सोशल मीडिया पर एक नजर डालने से यह स्पष्ट हो जाता है कि शालिनी के पास शैली की त्रुटिहीन समझ है। हालांकि वह किसी और की तरह ग्लैमरस लुक में नहीं रह सकती, लेकिन निश्चित रूप से उसके पास कैजुअल ठाठ फैशन के लिए एक नरम स्थान है। वह अक्सर सहजता से स्टाइलिश आउटफिट में देखी जाती हैं, जो कैजुअल लुक को कूल बनाते हैं। तो आइए शालिनी के कुछ बेहतरीन कैजुअल लुक्स पर गौर करें जो निश्चित रूप से आपके वार्डरोब को प्रेरित करेंगे।शालिनी पांडे अपने शानदार लुक के साथ कुछ लोगों को स्टाइल के लिए प्रेरणा दे रही हैं। एक शानदार पोशाक में वह हरे रंग के ब्रालेट टॉप और काले शॉर्ट्स में नजर आ रही है, जो पूल के किनारे एक मजेदार दिन के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। दूसरे में, वह एक बड़े आकार के काले क्रॉप टॉप के साथ ब्लैक ब्रीफ में बेहद आकर्षक लग रही है। वहीं शालिनी ने डेनिम-ऑन-डेनिम पहनावे के साथ गर्मी बढ़ा दी है, जिसमें एक स्टाइलिश फुल-स्लीव डेनिम टॉप और मैचिंग फिगर-हगिंग बॉटम्स शामिल हैं।वह यह भी जानती हैं कि इसे कैजुअल और कूल कैसे रखा जाए, टाई-अप और डेनिम शॉर्ट्स के साथ कैजुअल ब्लू ब्रालेट टॉप में कूल दिखें। अब आइए उनके लाल और सफेद चेक्ड ब्रैलेट टॉप के सुपर ट्रेंडी संयोजन को न भूलें, एक बहुरंगी चेक वाली शर्ट जिसमें पीछे की तरफ सोने और सफेद सेक्किन वाली ईगल और रिप्ड जींस है। यह परम ठाठदार लेकिन आरामदायक लुक है।हम शालिनी के कैज़ुअल ठाठ फैशन के बिल्कुल दीवाने हैं। उनके आउटफिट्स पूरी तरह से हमारे वार्डरोब को प्रेरित कर रहे हैं। चाहे वह लड़कियों के साथ एक मजेदार ब्रंच हो, दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करना हो, या फिर कोई पार्टी या कार्यक्रम हो, ये लुक किसी भी अवसर के लिए बिल्कुल सही हैं। शालिनी का स्टाइल निश्चित रूप से हमारे वार्डरोब में शीर्ष स्थान ले रहा है।

प्यार का पहला अध्याय: शिव शक्ति में डॉली चावला पहली बार नागिन बनेंगी

प्यार का पहला अध्याय: शिव शक्ति दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है। सीरियल में अर्जुन बिजलानी और निक्की शर्मा शिव और शक्ति की भूमिका में हैं। दर्शक इनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं। इनके अलावा, शो में एक्ट्रेस डॉली चावला भी हैं, जो मोहिनी के किरदार में दिखाई दे रही हैं। सीरियल में डॉली नागिन की भूमिका निभा रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने करियर में कई नेगेटिव किरदार निभाए हैं, लेकिन यह पहली बार है जब डॉली नागिन की भूमिका निभा रही हैं।उन्होंने कहा, मैं मोहिनी का किरदार निभा रही हूं, वह बदला लेने के लिए यहां आई है। नागिन की कहानियां आमतौर पर बदला लेने के बारे में होती हैं। कई साल पहले कुछ हुआ था, जिसे कहानी में फिर से जिंदा किया जा रहा है। मैं शिव से बदला लेने के लिए यहां आई हूं। आगे क्या होता है, यह जानने के लिए आपको शो देखना होगा। मुझे इस पर काम करने में बहुत मजा आ रहा है, क्योंकि यह बहुत दिलचस्प है।एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं कुछ दिन पहले ही इस सीरियल से जुड़ी हूं। इससे पहले से ही शो के बहुत सारे फैंस हैं। मुझे इसमें शामिल होकर अच्छा लगा और मैं बहुत एक्साइटेड हूं। मैं लोगों से पॉजिटिव कमेंट्स सुनना चाहती हूं, उम्मीद है कि शो अच्छा चलेगा और लोग मुझे नागिन के रूप में पसंद करेंगे।स्टूडियो एलएसडी के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए, डॉली ने कहा कि यह घर जैसा लगता है।उन्होंने कहा, टीम में हर कोई बहुत अच्छा है। प्रतीक शर्मा, पार्थ, क्रिएटिव टीम और डायरेक्शन टीम कमाल की है। इस प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने से ऐसा लगता है कि कोई दबाव नहीं है और कोई तनाव नहीं है। टीम बहुत अच्छी है और एक्टर्स शानदार हैं।उन्होंने बताया कि उन्हें लगता था कि पहले से ही ऑन-एयर हो चुके शो में शामिल होना थोड़ा तनाव भरा हो सकता है, लेकिन को-स्टार्स के सपोर्ट से सब आसान हो गया।डॉली ने कहा, यहां मौजूद सभी कलाकार, जैसे अर्जुन बिजलानी और निक्की शर्मा, बहुत प्यारे हैं और हमारे डायरेक्टर भी बहुत अच्छे हैं। उनके साथ दोबारा काम करना सुकून देता है।

जिम में रानी चटर्जी ने क्लिक की सेल्फी

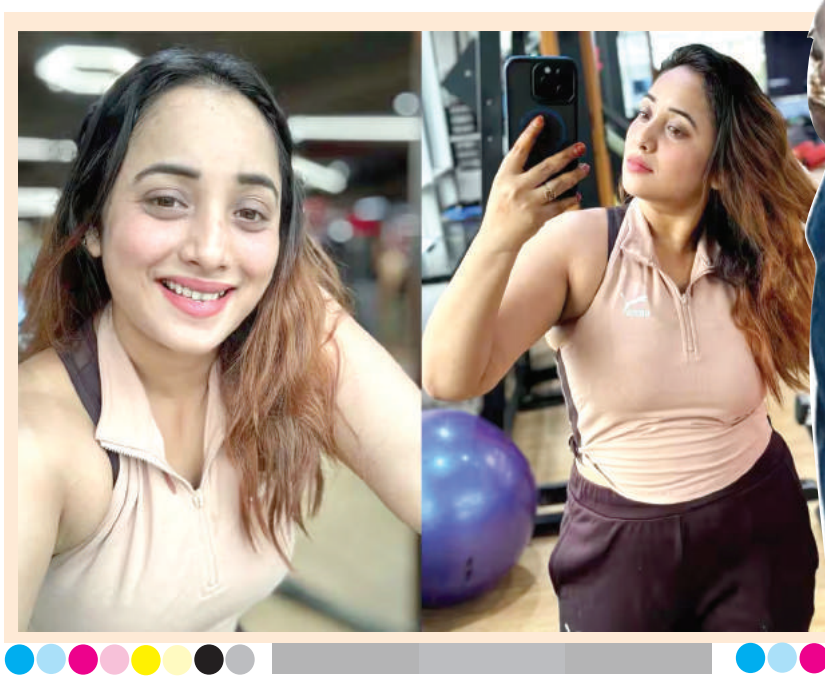

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस रानी चटर्जी एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। रानी चटर्जी आए दिन सोशल मीडिया पर अपने वर्कआउट की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में जिम में कुछ सेल्फी क्लिक की हैं, जिसकी झलक उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर दिखाई है। रानी चटर्जी की नई तस्वीरों को देखने के बाद फैंस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। वहीं हमेशा की तरह कुछ लोग उन्हें खूब ट्रोल भी कर रहे हैं। बता दें कि रानी चटर्जी के वजन को लेकर ट्रोल्स हमेशा से उन्हें आड़े हाथ लेते रहे हैं।

रानी चटर्जी को फैंस ने कहा गॉर्जियस

रानी चटर्जी की नई फोटोज पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। रानी ने जिस अंदाज में पोस्ट वर्कआउट की तस्वीरें शेयर की हैं। उसे देखने के बाद फैंस भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी की तारीफ किए बिना नहीं पा रहे हैं। एक शख्स ने रानी चटर्जी की फोटोज पर कमेंट किया है, 'आपकी वेटलॉस जर्नी हमारे लिए काफी प्रेरणादायक है। आप हमें काफी इंस्पायर करती हैं।' वहीं एक दूसरे शख्स ने कमेंट किया है, 'रानी आप जिस तरह से मेहनत करती हैं, उसे देखकर दावे के साथ कह सकता हूं कि इंडस्ट्री में आपके जैसा कोई नहीं है।' एक ओर जहां रानी चटर्जी की तारीफ हो रही हैं। दूसरी ओर लोग उन्हें जमकर ट्रोल भी कर रहे हैं। एक शख्स ने रानी की टांग खींचते हुए लिखा है, 'तुम कुछ भी कर लो, कुछ भी नहीं होगा।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज मन प्रसन्न रहेगा उदासी दूर रहेगी.आप खुशहाल महसूस करेंगे कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतो को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा. बच्चों का रवैया भी आप के अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य बहतर रहेगा , तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आय के स्रोत बढेंगे रुका हुआ धन वापस आएगा और अचानक कहीं से धन लाभ होगा. जिससे आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी. आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. आपका पढ़ाई में मन लगेगा. साथ ही नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए भी दिन शुभ है. सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ धन लाभ होगा आप कलाप्रेमी है तो आप के गुण और कला की तारीफ होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सुबह उठते ही कुछ अच्छी खबर सुनने को मिलेगी एवं आप अपने आपमे बहुत गर्व महसूस करेंगे आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है. आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की एहमियत का एहसास होगा. आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. बच्चों के साथ आपका दिन मजेदार गुजरेगा.कोई नया टेंशन मत आने देना हैं काम को समझदारी से सुलझाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन जरुर थोड़ा व्यस्तता मे बीतेगा सामाजिक तौर पर नयी चुनौती सामने होगी इसलिए आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करें. आप एक टीम के रुप मे काम करें चुनौतीया दूर रहेगी एवं विरोधी पस्त होंगे आपको लोगों से सराहना और सहयोग मिलने के संकेत है आपको अपने लोगों से या अपनी टीम से सम्मान मिल सकता है. दाम्पत्य जीवन मजेदार रहेगा एक नयी उर्जा रहेगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिनमान आपके लिए उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा. खर्चों में एकदम से तेजी आएगी जो शाम तक आपको परेशान कर सकती है लेकिन धैर्य रखने से बात बनेगी. खर्चों पर नियंत्रण रखें. बेवजह की बातों को दिमाग से ना लगाएं. किसी से झगड़ा ना करें. दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों को भी राहत की सांस मिलेगी. एक–दूसरे से बातचीत होगी और जो लंबे समय से रुकी हुई बातें थी, वो अब होने लगेंगी. आपका दिल खुश हो जाएगा. काम के सिलसिले में दिनमान अच्छा है.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. इस राशि के छोटे बच्चे आज पढ़ाई में अधिक रूचि लेंगे. इससे माता–पिता बहुत खुश रहेंगे. जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है. विवाह के लिए प्रस्ताव आयेगा. आज पुरे दिन परिवार का माहौल आनन्दमय बना रहेगा. स्वास्थ्य आज पहले से बढ़िया रहेगा. आपकी कोई खास इच्छा आज जरूर पूरी होगी. लवमेट के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा. कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतों को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सामाजिक और राजनीति गतिविधियों मे समय गुजरेगा आप की जान पहचान भी बढ़ेगी आपको जो आपको सम्मान दिला सकता है. कुछ ऐसे काम जो आपकी इमेज को एक नया रंग दे सकते हैं, उन्हें करने की कोशिश करें. कुछ नया शुरू करने या नई जिम्मेदारी मिलने का दिन है. आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी. आपकी सलाह लोगों के लिए बहुत मददगार हो सकती है. वर्तमान मे बनाए हुए सम्बन्ध भविष्य मे लाभ देंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज दिन कुछ कमजोर गुजरेगा . परिवार में किसी बात को लेकर खींचातानी हो सकती है जिसकी वजह से आप को थोड़ी परेशानी भी होगी लेकिन कोशिश करने से समाधान निकल जाएगा और समस्याएं दूर होंगी. गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा. रिश्ते में रोमांस भी रहेगा और एक दूसरे के प्रति आकर्षण की भावना भी बढ़ेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. आप अपनी बात कहने में सक्षम होंगे. यात्रा का योग बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धार्मिक ग्रंथों का पठन और श्रवण करेंगे मंदिर मे देव प्रतिमा को अपने हाथों से श्रृंगार करेंगे संतान सुख की प्राप्ति होगी. परिवार के सुख–सौभाग्य में वृद्धि होगी. ऑफिस में आज किसी से बहस होने की संभावना है. आपको इससे बचकर रहने की जरूरत है. कोई जरूरी केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा. ऐग्रिकल्चर मे निवेश आपको धन लाभ देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

महनत अच्छा परिणाम देगी शतप्रतिशत फल मिलेगा आय में वृद्धि होगी. जिस काम की आपको उम्मीद थी, आपको उसका परिणाम बहुत अच्छा मिलेगा. आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए. पारिवारिक कलह होगी इसलिए थोड़ा–सा वाणी पर संयम रखें. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपको नवग्रह शान्ति करानी चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज ऑफिस मे ओवरटाइम करना पडेगा.जिससे पारिवारिक तनाव बनेगा आप काम के दबाव से परेशान रह सकते हैं. करियर के मामलों में इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें. नकारात्मक लोगों और चीजों से दूर रहें. आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा सूर्य को रक्त पुष्प और गंध युक्त जल अर्पण करें।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 30 जून 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी दोपहर 12:21 तक
नक्षत्र : रेवती प्रातः 07:34 तक
योग : अतिगंड सायं 04:13 तक
करण : गर दोपहर 12:21 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रातः 07:34 तक
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक समाप्त प्रायः 07:34 से , गण्डमूल चालू है , भद्रा रात्रि 11:22 से , शुक्र उदय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के पूर्व मंत्री प्रमोद जैन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बारां, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में खान एवं गोपालन मंत्री रहे प्रमोद जैन भाया के खिलाफ बारां शहर कोतवाली थाने में धोखाधड़ी को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पार्षद शिवराज महावर की ओर दर्ज प्राथमिकी में बताया गया कि सभापति ज्योति पारस ने पति पूर्व सभापति कैलाश पारस एवं अन्य ने प्रमोद भाया के पद का फायदा उठाते हुए अस्पताल रोड पर अग्रवाल धर्मशाला के पास खाली भूमि का नाम मात्र शुल्क में पट्टा बनवाकर फर्जीवाड़ा किया है, जबकि वो जमीन करोड़ों रूपए की है।

पुलिस ने बताया कि पार्षद शिवराज महावर ने पूर्व मंत्री प्रमोद भाया, सभापति ज्योति पारस समेत अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। मामले की जांच बृजेश सिंह उप निरीक्षक को

सौंपी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी करीब आधा दर्जन के आसपास मुकदमें श्री भाया और उनके करीबियों पर दर्ज हो चुके हैं। इनमें अधिकांश मुकदमे धोखाधड़ी, अवैध खनन और जमीन गबन के मामले दर्ज हैं। जिन पर कार्रवाई विचाराधीन है। इन्हीं मामलों को लेकर पिछले दिनों कांग्रेस के नेताओं ने मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश सरकार पर हमला बोला था।

16वीं विधानसभा के द्वितीय सत्र के लिए किए गए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का द्वितीय सत्र तीन जुलाई से शुरु होगा और इसकी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का प्रबंध कर लिया गया है।

सत्र के दौरान विधानसभा की सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सत्र से संबंधित की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की है। विधानसभा सत्र के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने चर्चा की। विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा कार्यों की प्रगति रिपोर्ट विधान सभा को प्रस्तुत की जा रही है।सत्र के दौरान फोटो युक्त प्रवेश पत्र ही मान्य होगा। फोटोयुक्त क्यूआर कोड प्रवेश पत्र से ही अधिकारी एवं कर्मचारी विधानसभा में प्रवेश कर सकेंगे। क्यूआर कोड के स्कैन करने पर ही फ्लैग बैरियर खुलेगा। जिससे आगंतुक विधानसभा में प्रवेश कर सकेंगे। विधानसभा भवन से बाहर जाने के लिए यही प्रक्रिया अपनानी होगी। विधान सभा सदन में मोबाइल फोन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा । मोबाइल फोन के उपयोग को सदन में निषेध किया गया है। विधानसभा भवन परिसर में वही वाहन प्रवेश कर सकेंगे, जिन पर द्वितीय सत्र का सत्रकालीन वाहन प्रवेश पत्र लगा होगा। अधिकारी एवं कर्मचारियों के वाहनों का आवागमन गेट संख्या एक उत्तर पूर्वी द्वार से होगा और पार्किंग पूर्वी द्वार के भूतल पर की जा सकेगी। पत्रकारों के वाहनों का प्रवेश भी गेट नंबर एक से होकर पूर्वी एवं दक्षिण कोने में बनाए गए स्थान पर पार्किंग की जायेगी। सत्र के दौरान विधानसभा में मुख्यमंत्री एवं मंत्री से मिलने आने वाले प्रतिनिधि मण्डलों के प्रवेश की व्यवस्था संबंधित से सहमति मिलने के पश्चात सम्पर्क अधिकारी द्वारा की जायेगी।

आजाद और जीवंत प्रेस ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत :मिश्र

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने आजाद और जीवंत प्रेस ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमता के इस दौर में भाषा विशेषज्ञों, शब्द संवेदना से जुड़े मर्मज्ञ विद्वानों की सहायता से पत्रकारिता के स्वस्थ मूल्यों के लिए विश्वविद्यालय नींव के रूप में कार्य करना चाहिए।

श्री मिश्र शनिवार को हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के नवनिर्मित मुख्य भवन का ऑनलाइन लोकार्पण भी किया और इसके लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता शिक्षा के अंतर्गत नई शिक्षा नीति के आलोक मे ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किए जाएं जो युग की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए नई पीढ़ी को संवेदनशील, सजग और भविष्य के बेहतर नागरिक बना सके। उन्होंने विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए पत्रकारिता शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों की सहभागिता का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का यह दौर चुनौतीपूर्ण है। मीडिया में इस बात की होड़ मच रही है कि पल पल की खबरों को कैसे सबसे पहले प्रकाशित एवं प्रसारित किया जाए। ऐसे में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि मानव मूल्य कहीं तिरोहित न हो। उन्होंने पत्रकारिता शिक्षा के तहत मानवीय मूल्यों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य के पत्रकार, जनसंचारकर्मी तैयार किए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने डीप फेक, तथ्यहीन और मर्यादाहीन समाचार प्रस्तुति आदि की चर्चा करते हुए कहा कि भ्रामक समाचारों से कैसे बचा जाए, इस पर भी कार्य होना चाहिए।

श्री मिश्र ने कहा कि मीडिया का एक बड़ा कार्य आम जन को राज्य के कल्याणकारी कार्यों, विकास योजनाओं और उपलब्धियों के प्रति सजग करना

भी है। जनसंचार शिक्षा की इसमें महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाएं और विकास कार्यक्रम प्रभावी रूप में आम जन तक कैसे पहुंचे, जनसंचार माध्यमों की सकारात्मक भूमिका इसमें कैसे बनी रहे, इसके शिक्षण पर भी विश्वविद्यालय प्रभावी रूप में कार्य करें।

राज्यपाल ने इस अवसर पर विभिन्न अनुशासनों में 94 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। उन्होंने छह विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। इनमें पांच पदक छात्राओं को मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि जिस समाज में बालिकाएं आगे बढ़ती है, वही समाज तेजी से आगे बढ़ता है।

श्री मिश्र ने इससे पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन कराया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुधि राजीव ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के नव निर्मित और लोकार्पित भवन पर वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति सुधि राजीव ने राज्य के पहले जनसंपर्क निदेशक और प्रख्यात लेखक डा. राजेंद्र शंकर भट्ट की स्मृति मे उनकी पुत्री डॉ. सुभा त्रिपाठी द्वारा पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा के लिए सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा के श्री भट्ट अग्रदूत रहे हैं। उनका अवदान अविस्मरणीय हैं।

बिजली गिरने से आठ भैंस, चार बछड़ों की मौत

भरतपुर, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भरतपुर के बयाना में गढ़ी बाजना थाना क्षेत्र के गांव जैसोरा में पशुबाड़े पर बिजली गिरने से आठ भैंस और चार बछड़ों की मौत हो गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात्रि को जैसोरा निवासी पप्पू गुर्जर पुत्र जवाहर सिंह के परिवार के सभी दुधारू पशु एक साथ पशु बाड़े में बंधे हुये थे, तभी बूंदाबांदी के बीच बाड़े में भैंसों के ऊपर बिजली गिर गयी। जोरदार धमाके की आवाज सुनकर परिवार एवं गांव के लोग बाड़े में पहुंचे, जहां उन्हें भैंसें तड़पती हुई मिलीं और देखते ही देखते आठ भैंसों और चार बछड़ों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में पशुपालक को करीब नौ लाख रुपये का नुकसान बताया गया है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजा दिलाये जाने की मांग की है। पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया है।

हरियाणा के अगले मुख्यमंत्री नायब सैनी ही होंगे : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री की मौजूदगी में महत्वपूर्ण एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के लिए पंचकूला पहुंचे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का हरियाणा सीएम नायब सैनी ने स्वागत किया। हरियाणा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और हरियाणा सरकार के बीच एमओयू साइन हुआ। वहीं, गृहमंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा का अगला चुनाव सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा और अगले सीएम भी नायब सैनी ही होंगे।

नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) और हरियाणा सरकार के बीच एमओयू साइन हुआ। ये एमओयू केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

की मौजूदगी में हुआ। केंद्रीय शहरी विकास ,आवास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह और विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता मौजूद रहे। चिन्हित अपराध केस से जुड़े मामलों को लेकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए एमओयू साइन हुआ। हरि की धरती हरियाणा आगमन पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भी अभिनंदन किया। साथ ही उन्होंने कहा कि पंचकूला में विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में हम सभी को अमित शाह का मार्गदर्शन मिलेगा।

हरियाणा में एनएफएसयू के साथ मिलकर देश का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। मनोहर लाल ने कहा कि साल 2022 में केंद्रीय गृहमंत्री से इस सेंटर की प्रेरणा मिली थी। प्रदेश में अभी फॉरेंसिक की चार लैब चल रही हैं। वहीं, सीएम नायब सैनी ने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में हरियाणा को होगा और मजबूत भी होगा। सेंटर के बनने से चिन्हित अपराध में सबूत इकट्ठा करना और आसान होगा। सीएम नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पीड़ित को सुगम न्याय की व्यवस्था की परिकल्पना को साकार करेंगे।

विवादों में घिरे हरियाणा के बिजली मंत्री

रणजीत चौटाला को शर्म आनी चाहिए : सांसद जयप्रकाश

हिसार, 29 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने सिरसा की रानियां सीट से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वह भाजपा की टिकट पर हिसार से चुनाव लड़े लेकिन हार गए। इसके बावजूद उनका मंत्री पद बरकरार है। इसको लेकर हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश जेपी ने सवाल खड़े किए हैं।

हिसार सांसद जेपी शनिवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों से मिले। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए जयप्रकाश जेपी ने कहा कि नैतिकता के आधार पर रणजीत सिंह चौटाला से इस्तीफा मांगा गया है। हिसार सांसद जयप्रकाश जेपी ने हरियाणा खासकर हिसार में बढ़ते अपराध को लेकर हरियाणा सरकार पर निशाना साधा है। जयप्रकाश ने कहा कि हरियाणा गुंडागर्दी का अड्डा बन चुका है। कांग्रेस की सरकार आते ही इस प्रवृति के लोग 72 घंटे के अंदर या तो प्रदेश छोड़ देंगे या गुंडागर्दी छोड़ देंगे।

जेपी ने कहा कि हिसार में दिनदहाड़े ऑटो मार्केट में महिंद्रा शोरूम पर गोलियां चलाई गईं और हिसार के विभिन्न इलाकों में बदमाशों द्वारा फिरौती के लिए फोन किए जा रहे हैं, जो प्रदेश में खराब कानून व्यवस्था को उजागर करता है। आए दिन शहर में गुंडागर्दी की घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन

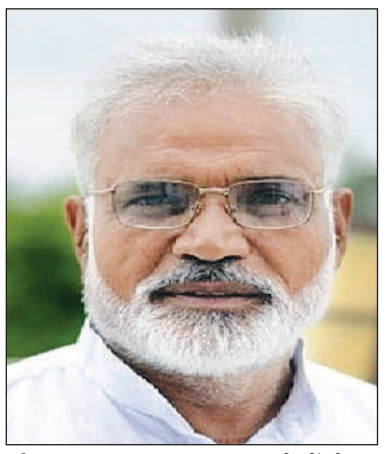

पुलिस प्रशासन इन पर काबू पाने में बेबस नजर आता है। आज प्रदेश में अपराध बेकाबू हो चुका है। प्रदेश में हो रही आपराधिक घटनाओं की पूरी जिम्मेदारी प्रदेश के गृह मंत्री की है, सरकार के संरक्षण के बिना यह काम असंभव है और प्रदेश के गृह मंत्री को अपने किए की जनता से माफी मांगनी चाहिए। जेपी ने कहा कि जब 2004 में हरियाणा में चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में सरकार बनी थी तो अपराधियों का इलाज किया गया था तथा प्रदेश मे अमन शांति बहाल की गई थी, लेकिन जब से भाजपा सरकार सत्ता में आई है , प्रदेश में लगातार अपराध की घटनाएं घट रही है और प्रदेश में सरेआम गुंडों द्वारा गोलियां चलाना आज आम बात हो गई है। पुलिस और प्रशासन केवल मूकदर्शक बना हुआ है। हरियाणा प्रदेश में फिर से अमन चैन की बहाली केवल और केवल कांग्रेस पार्टी के द्वारा ही स्थापित की जा सकती है। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाकर यह करके दिखाएगी।

जयप्रकाश ने कहा कि रणजीत चौटाला ने इस्तीफा देकर हिसार से चुनाव लड़ा था। उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया और अब वह पूर्व विधायक हैं, ऐसे में वह मंत्री पद पर कैसे बने रह सकते हैं। रणजीत चौटाला को तुरंत मंत्री पद छोड़ देना चाहिए। जयप्रकाश ने कहा कि भाजपा में लोकलाज नाम की चीज नहीं है। जेपी ने कहा कि चुनाव से पहले नैतिकता की दुहाई देने वाले रणजीत को क्या हो गया है। चौटाला परिवार जो मुझे बार–बार गाली देता था, अब जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है। अगर रणजीत में अभी भी नैतिकता बची है तो उन्हें इस्तीफा देकर घर बैठ जाना चाहिए। जनता के साथ धोखा मत करो। जयप्रकाश जेपी ने हाईकमान की बैठक में चर्चा की गई बातों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि जो भी चर्चा हुई है, उसे पार्टी के अंदर रखी गई है। बाहर ऐसी कोई बात नहीं की जाएगी।

दस दिन बाद नहर में मिला व्यक्ति का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

चरखी दादरी, 29 जून (एजेंसियां)। जिले के बौंदकलां थाना क्षेत्र में खेत में चारा लेने गए गांव सांकरोड़ निवासी एक व्यक्ति का शव नहर से बरामद हुआ है। परिजनों का आरोप है कि उसके साथ गए चार व्यक्तियों ने उसको मारकर नहर में फेंका है। अब दस दिन बाद बौंदकलां थाना पुलिस ने मृतक के भाई के बयान पर चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजन महेश ने बताया कि मृतक विष्णु सिंह (40) उसका सगा भाई था। विष्णु दादरी बिजली विभाग में लाइनमैन के पद पर कार्यरत था। 19 जून को सुबह आठ बजे वह खेत में चारा लेने गया था। उसके साथ ही गांव निवासी विनोद, कालिया, दीपू व विक्की भी गए हुए थे। इसके बाद सुबह 11 बजे ग्रामीणों ने चारों को विष्णु के साथ ही देखा था। दोपहर दो बजे उसका चाचा कलम सिंह खेत में चारा काट रहा था। इस दौरान उसने चारों आरोपियों को अकेले ही देखा था।

इसके बाद सायं 4 बजे विनोद उनके घर आया और विष्णु के कपड़े व फोन देकर चला गया। जब उसकी मां ने विष्णु के बारे में पूछा तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद वे विष्णु की तलाश करते हुए नहर के पास पहुंचे। वहां पर उक्त चारों व्यक्ति घूम रहे थे। देर शाम तक विष्णु का पता नहीं लगने पर उन्होंने डायल 112 पुलिस को फोन किया और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। बाद में सभी ने मिलकर विष्णु की जांच की तो लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर दूरी पर विष्णु का शव नहर में पड़ा मिला। उसके शरीर पर चोटें और सिर में गहरी चोट का निशान था। परिजनों का आरोप है कि पहले चारों ने विष्णु को बेरहमी से पीटा और फिर हत्या के सबूत मिटाने के लिए उसे नहर में फेंक दिया। उस दौरान नहर में दो फुट से भी कम पानी था और इसमें डूबने से विष्णु की मौत नहीं हो सकती। परिजनों ने पुलिस से मामले की गहनता से जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

नबीनगर छात्रा हत्याकांड : सामूहिक दुष्कर्म के बाद अपराधियों ने गला दबाकर की थी हत्या

पांच आरोपी गिरफ्तार

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

औरंगाबाद पुलिस ने बिहार को हिला कर रख देने वाले नबीनगर के बहुचर्चित छात्रा हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस के खुलासे के मुताबिक 11 जून को कोचिंग जाने के लिए घर से निकली नाबालिग छात्रा को पहले अगवा किया गया था। उसके बाद एक गेस्ट हाउस में अपहर्ताओं ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। फिर गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को आल्टो कार से ले जाकर इंद्रपुरी नहर में फेंक दिया था। दरअसल, पुलिस ने यह खुलासा गेस्ट हाउस के संचालक और उसके भाई की गिरफ्तारी के बाद किया है। दोनों ने पुलिस के समक्ष घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए पूरे मामले की सिलसिलेवार जानकारी दी है। मामले में तीन अपराधियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। दो और अपराधियों की ताजा गिरफ्तारी से मामले में संलिप्त अपराधियों की संख्या पांच हो गई है। इनमें एक महिला भी शामिल रही है, जिसकी घटना में लाइनर

की भूमिका रही।

मामले का पर्दाफाश करते हुए औरंगाबाद की पुलिस कप्तान स्वपना गौतम मेश्राम ने शनिवार को दोपहर प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि 11 जून को नाबालिग छात्रा की मां ने बेटी को अगवा किए जाने की शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर नबीनगर पुलिस ने 12 जून को प्राथमिकी संख्या-162/24 दर्ज की थी। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी थी। इसी दौरान 13 जून को रोहतास जिले के इंद्रपुरी थाना पुलिस ने इंद्रपुरी नहर से एक शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा था। शव की पहचान नबीनगर की अगवा छात्रा के रूप में की गई थी। एसआइटी ने मामले के त्वरित खुलासे के लिए औरंगाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-01 संजय कुमार पांडेय और साइबर पुलिस उप-धीक्षक डॉ. अन्नू कुमारी के नेतृत्व में जिला आसूचना इकाई के कर्मियों को शामिल करते हुए एक विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया था।

एसआईटी ने मामले के खुलासे के लिए विभिन्न जगहों का सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया। संभावित घटनास्थलों का निरीक्षण किया। कई लोगों से पूछताछ की। मामले की प्रतिदिन की समीक्षा की। मामले में विधि-विज्ञान प्रयोगशाला, पटना की टीम ने गेस्ट हाउस, इंद्रपुरी बैराज और घटना में प्रयुक्त आल्टो कार के विभिन्न प्रदर्शों का नमूना जांच के लिए लिया। वहीं, टीम ने घटना में प्रयुक्त आल्टो कार को विधिवत जब्त किया। साथ ही शव को ठिकाने लगाने के लिए इंद्रपुरी नहर ले जाने में इस्तेमाल किए गए संभावित मार्ग सहित सभी बिंदुओं की गहन समीक्षा की। इस दौरान मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक छत्रनील सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर एसआईटी को आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

इसके बाद टीम ने तकनीकी, वैज्ञानिक और मानवीय साक्ष्यों का विश्लेषण तथा संकलन से मिले साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने गेस्ट हाउस के संचालक राकेश कुमार सिंह और उसके भाई धर्मेंद्र कुमार सिंह को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद अपराधियों ने गेस्ट हाउस के कमरे में छात्रा से दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या कर शव को छिपाने की नीयत से आल्टो कार की डिक्की में रखकर इंद्रपुरी नहर में फेंकने की बात स्वीकार की है। स्वीकारोक्ति के बाद पुलिस ने घटना को अंजाम देने में प्रयुक्त आल्टो कार को जब्त कर लिया।

साथ ही पुलिस ने दोनों अपराधियों के मोबाइल भी जब्त कर लिए। उन्होंने बताया कि मामले में पूर्व में तीन नामजद आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज दिया है।

मामले का पर्दाफाश करने वाली पुलिस की एसआईटी टीम में औरंगाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 संजय कुमार पांडेय, साइबर सेल की पुलिस उपाधीक्षक डॉ. अन्नू कुमारी, नबीनगर के पुलिस निरीक्षक विमल कुमार, जिला आसूचना इकाई के प्रभारी पुलिस निरीक्षक शंभू कुमार, डीआईयू के पुलिस अवर निरीक्षक राम इकबाल यादव, नबीनगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय, औरंगाबाद की महिला थानाध्यक्ष आरती कुमारी, डीआईयू के पुसअनि संतोष कुमार, सिपाही मुन्ना कुमार और डीआईयू के सभी सदस्य शामिल रहे।

हाइवा ने थाने के ड्राइवर को कुचला, अस्पताल में मौत

गुस्साए लोगों ने ट्रक फूंका, पुलिस पर किया पथराव

मुंगेर (एजेंसियां)।

जमुई के झाझा थाना क्षेत्र के सती घाट गैस गोदाम के पास शनिवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित हाइवा ट्रक ने बाइक सवार एक युवक को कुचल दिया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके बाद घायल युवक को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए झाझा रेफरल अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान झाझा थाना क्षेत्र के बलियाडीह पंचायत के टहवा गांव निवासी नियाज अंसारी के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि उक्त युवक झाझा थाने का निजी वाहन चालक भी था।

इधर, घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। फिर गुस्साए लोगों ने हाइवा ट्रक में आग लगा दी और जमकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। वहीं, सूचना मिलने के बाद झाझा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और

आक्रोशित लोगों को समझाने की कोशिश करने लगी, लेकिन गुस्साए लोग पुलिस पर भी पथराव करने लगे। इस दौरान समाचार संकलन कर रहे मीडिया कर्मियों के साथ भी आक्रोशित लोगों ने हाथापाई की।

जानकारी के मुताबिक, नियाज अंसारी बाइक पर सवार होकर अपने निजी काम से घर से झाझा की ओर जा रहे थे। तभी सती घाट गैस गोदाम के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित हाइवा ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। फिर उसे स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, घटनास्थल पर आक्रोशित लोग का विरोध-प्रदर्शन करते रहे।

गया मेयर ने तीन गुणा टैक्स बढ़ाए जाने पर दिया जवाब

बीजेपी नेता द्वारा जनता को बरगलाने की बात आई सामने

गया (एजेंसियां)।

गया नगर निगम सभागार में मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान, डिप्टी मेयर चिंता देवी और स्टैंडिंग कमिटी के सदस्य अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने टैक्स बढ़ोतरी के मामले में संयुक्त रूप से पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि आवासीय होल्डिंग में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। बल्कि गैर आवासीय होल्डिंग टैक्स मानक के अनुसार एक, डेढ़, दो और तीन गुणा बढ़ाए गए हैं। 15 वर्षों बाद जो भी टैक्स बढ़ाए गए हैं, इनमें गया नगर निगम की कोई भूमिका नहीं है। सरकार के आद-शों का अधिकारियों ने पालन किया है। उन्होंने कहा कि तीन गुना टैक्स बढ़ोतरी को लेकर कुछ लोगों के द्वारा शहरवासियों को भ्रामक प्रचार किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह गलत है।

मेयर गणेश पासवान ने गया शहर वासियों से अपील की है कि गया नगर निगम द्वारा किसी प्रकार के आवासीय टैक्स में वृद्धि नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि टैक्स में वृद्धि सिर्फ सरकार द्वारा बनाए गए नगर विकास आवास विभाग नगर पालिका एक्ट के तहत होटल, क्लब, मैरिज हॉल, निजी अस्पताल, हेल्थ क्लब, दुकान, शोरूम, शॉपिंग मॉल, सिनेमा हॉल, बीमा कंपनियों के कार्यालय और बैंक सहित अन्य संस्थानों में तीन गुना टैक्स की वृद्धि की गई है।

मेयर ने कहा कि टैक्स वृद्धि सीधे सरकार द्वारा की जाती है। कैबिनेट द्वारा ही तय किया गया है कि प्रत्येक पांच वर्ष पर टैक्स को बढ़ाना है। जबकि गया नगर निगम द्वारा पिछले 15 वर्षों से किसी प्रकार के टैक्स की वृद्धि नहीं की गई है।

इधर, सशक्त स्थाई समिति के सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार और कुछ अन्य राजनीतिक लोग शहर वासियों को टैक्स वृद्धि के नाम पर सिर्फ बरगला रहे हैं। लोगों को सही जानकारी नहीं देकर गुमराह कर रहे हैं। सरकार के आदेशानुसार ही सड़कों का वर्गीकरण किया जा रहा है। उन्होंने की सड़कों के वर्गीकरण की जो रिपोर्ट है उसकी भी पूरी तरह जांच जुलाई की स्टैंडिंग और बोर्ड बैठक में संसोधन किया जाएगा। अगर अधिकारियों ने गलत डाटा दिया है तो वे भी नपेंगे।

बिहार में पुल गिरने पर केंद्रीय मंत्री मांझी का बयान

गिरने का कारण घटिया मेटेरियल मिलाया जाना

गया (एजेंसियां)।

बिहार में नवनिर्मित पुल ठेकेदारों के कारण गिर रहे हैं। बिहार सरकार शीघ्र ऐसे ठेकेदारों को चिन्हित कर कार्रवाई करेगी। उक्त बातें शनिवार को गया शहर के गोदावरी मोहल्ले में स्थित अपने आवास पर केंद्रीय मंत्री सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि बिहार में पुल गिरने का कारण घटिया मेटेरियल मिलाया जाना है, जिसके कारण बिहार के नवनिर्मित पुल गिर रहे हैं। उक्त घटना में पुल निर्माण में लगे संवेदकों पर बिहार सरकार आवश्यक कार्रवाई करेंगी। उन्होंने कहा कि एक माह पहले बिहार में पुल नहीं गिर रहा था। अब बिहार में बार-बार पुल

गिरना साजिश भी हो सकती है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि बिहार सरकार दोनों बिंदुओं पर जांच करे, यह मेरा अनुरोध है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि संसद भवन में ओवैसी द्वारा शपथ ग्रहण के क्रम में जय फलिस्तीन का नारा लगाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह अलोकतांत्रिक बात हुई है। सदस्यों ने कार्रवाई करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि संविधान की रक्षा करने के लिए संविधान का शपथ लेते हैं। संविधान में देश के विरोधी तत्व के बारे में अगर कोई बोलता है तो मूर्खता है। भारत सरकार इस पर जरूर कार्रवाई करेगी। लोकसभा अध्यक्ष को कई मंत्री और सांसदो ने कार्रवाई के लिए लिखा है। हमारे भारतीय दूसरे जगह मारे जाते है तो उसके लिए नारा क्यों नही लगाया जाता है? फिर फलिस्तीन की बात क्यों करते है। अपने देश की बात करते। फलिस्तानी की तो निंदा करनी चाहिए, जिसके कारण से भारतीय मारे जाते है। भारत सरकार सभी भारतीयों को सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रही है, जो भारतीय मुसीबत में फंसे है। ऐसे में फलिस्तीनी ओबैसी का नारा लगाने का क्या औचित्य है। यह एंटीनेशनल मॉब है, जिनपर कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के एक रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल को मिनी पाकिस्तान बताया है। इस सवाल पर केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि जानकारी नही है, लेकिन यह बात सच है कि शरणार्थी के नाम पर हमारे बिहार और बंगाल में बांग्लादेश और सटे देशों से काफी संख्या में शरणार्थी आते है। वैसे शरणार्थियों पर सरकार सोच समझ कर निर्णय लेगी। हालांकि पश्चिम बंगाल को मिनी पाकिस्तान या मिनी बांग्लादेश हो रहा है यह कहना हमे उचित नही लगता है। बंगाल सरकार द्वारा भाजपा कार्यालय पर बुलडोजर चलाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह गलत और असंवैधानिक बात है। हिंदुस्तान में सभी पार्टी को काम करने का अधिकार हैं। चाहे वह किसी भी दल या पार्टी का हो। अपना प्रचार प्रसार करने का अधिकार सबको हैं। अगर इस अधिकार का कोई हनन करता है, तो वह गैर संवैधानिक माना जाएगा। उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

गया में लाइव मौत का वीडियो हुआ वायरल बस के नीचे आकर एक शख्स ने दे दी जान

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले से एक हृदय बिदारक घटना सामने आया है। एक व्यक्ति ने बस के नीचे आकर आत्महत्या कर ली। इस घटना का किसी ने लाइव वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उक्त वीडियो को जो भी देख रहे, वह भी हैरान हैं। यह घटना गया के डेल्हा थाना क्षेत्र के छोटकी डेल्हा के पास की है। हालांकि व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वहीं पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है।

इधर, वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा रहा है कि कैसे लगभग 50 वर्षीय व्यक्ति सड़क पर चलते-चलते अचानक बस

के पीछे वाले पहिए के अंदर सड़क पर लेट जाता है। जहां बस उस पर चढ़ते हुए आगे निकल जाती है, हालांकि इस व्यक्ति किस कारणों से आत्महत्या किया है। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन यह भी बताया जाता है कि कहीं ना कहीं किसी विवाद को लेकर वह टेंशन में था। जिसकी वजह से वह बस के नीचे आकर जान दे दिया। फिलहाल पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। हालांकि दूसरे पहलू से देखा जाए तो रिकॉर्डिंग करने वाले को पहले से ही कहीं ना कहीं पहले से ही अंदेशा थी कि वह व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। इसलिए वह पहले से ही अपने मोबाइल को कैमरे को ऑन रखना है और कैमरा ऑन में ही वह व्यक्ति बस के नीचे लेट जाता है। आखिर उस व्यक्ति को कैसे पता चला की यह व्यक्ति बस के नीचे लेट सकता है और अपनी जान दे सकता है। कही न कहीं उसी व्यक्ति से ही विवाद हुआ होगा या फिर उसके परिवार वालों के साथ ही विवाद हुआ होगा। इसलिए वह पूरी घटना को रिकॉर्ड कर रहा था।

डेल्हा थानाध्यक्ष ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। लेकिन उसने आत्महत्या करने जैसी खतरनाक निर्णय क्यों लिया। यह जांच का विषय है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस घटना से संबंधित वीडियो देखने से पूरी तरह स्पष्ट है कि उस वृद्ध ने बस के नीचे आकर अपनी जान दी है। इसमें बस चालक की कोई गलती प्रतीत नहीं हो रहा है। इस मामले में वरीय अधिकारियों से मार्गदर्शन लिया जा रहा है। साथ ही शव की पहचान को लेकर हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

मामी पर आया दिल, मामा ने किया विरोध तो भांजा ने चाकू गोदकर कर ले ली जान

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के हाजीपुर में रिश्ते - नाते को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक भांजा ने अपने ही मामा की चाकू गोदकर उसकी हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने की नियत से उसने शव को हाजीपुर रेलवे लाइन के पोखर में फेंक दिया था। घटना सदर थाना क्षेत्र के अदलवारी की है। मृतक करताहा थाना क्षेत्र के घटारो गांव निवासी स्व महेश साह का पुत्र सुनील कुमार (25) था। जबकि उसकी हत्या करने वाला आरोपी मृतक का भगिना सूरज कुमार था। सूरज मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर का रहने वाला है। सुनील दो भाई में छोटा था। मृतक के दो बेटे है। मृतक सुनील की मां सावित्री देवी की मौत 20 दिन पहले हो गई

थी। फिलहाल हाजीपुर में ही किराए के मकान में मामा भांजा एक साथ रहते थे। उसका हत्यारा मृतक का भांजा सूरज कुमार (19) है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल हाजीपुर भेज दिया है। और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। मृतक के बड़े भाई गोरख कुमार साह ने बताया कि सूरज (19) अपने छोटे मामा सुनील के साथ हाजीपुर जंक्शन पर पानी बेचने का काम करता था। सूरज की शादी नहीं हुई थी। इसलिए वह बार-बार अपनी मामी से शादी करने की बात कहता था। शुरूआती समय में लोग इसे मजाक समझ रहे थे लेकिन जब इस बात को गंभीरता से लिया तब मामा और मामी दोनों ने इस बात का विरोध किया। इस विरोध का नतीजा यह होता कि दोनों तीनों में झगड़ा होने लगता।

गुरूवार को अचानक सुनील कुमार गायब हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं कोई अता-पता नहीं चल पाया। अगले दिन शुक्रवार को किसी ने जंक्शन के पास स्थित नौरंगाबाद स्थित तालाब में किसी की लाश होने की बात कही। पुलिस ने जब तालाब में खोजबीन करवाई तब जलकुंभी में छिपा हुआ लाश बरामद हुआ, जिसकी पहचान परिजनों ने सुनील कुमार के रूप में की।

घटना के संबंध में सदर थाना अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने बताया कि पोखर से एक युवक का शव बरामद हुआ है, जिसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजन उसकी हत्या की बात कह रहे हैं और हत्या का आरोप मृतक के भांजा सूरज पर लगा रहे हैं।

सीवान में फिर गरजीं बंदूकें, दो पक्षों में भिड़ंत के बाद गोलीबारी, दो युवक घायल

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान में दो पक्षों के बीच भिड़ंत के बाद गोलीबारी हुई है। इसमें एक पक्ष के दो युवक घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यहां इनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

बताया जाता है कि सीवान शहर के रामराज मोड़ के पास हनुमान चाय दुकान के नजदीक कुछ लड़कों में किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई। इसके देखते ही देखते एक पक्ष ने दूसरे पर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। इसमें दो युवक ग़ोली लगने से गम्भीर रूप से घायल होकर गिर गए। वही दूसरे गुट के अपराधी हथियार लहराते हुए आसानी से फरार हो गए।

आसपास के लोगों की मदद से घायलों को इलाज हेतु सीवान सदर अस्पताल भर्ती कराया गया है। दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। वही गम्भीर स्थिति देखते हुए डॉक्टर पटना रेफर करने की तैयारी कर रहे हैं। घायलों की पहचान दक्षिण टोला निवासी रेहान मियां एव कागजी मुहल्ला के कैफ के रूप में हुई है। कैफ बड़हरिया के मुर्गियां टोला मुहल्ले का रहने वाला है। कागजी मुहल्ला में अपने रिश्तेदार के घर रहता है।

घटना के बाद लोगों का कहना है कि सीवान जिले में आये दिन गोलीबारी की घटना को अपराधी बेखौफ अंजाम दे रहे हैं। पिछले 10 दिन में अंदर जिले में गोलीबारी की यह चौथी घटना है।

इससे दरौंदा निवासी की कोचिंग पढ़ने गए युवक को दिनदहाड़े ग़ोली मार दी गयी थी।

उसके बाद महराजगंज में गोलीबारी हुई। वहीं दिनदहाड़े एडीजे एक के स्टाफ को दौड़ा दौड़ा कर अपराधियों ने ग़ोली मार उसको मौत के घाट उतार दिया था। अब यह चौथी गोलीबारी कि घटना हुई है। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है।

सीवान शहर के रामराज्य मोड़ के पास हुई गोलीबारी के मामले में नगर थाना प्रभारी ने बताया कि गोलीबारी में दो युवक घायल है। किसी गाड़ी को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद गोलीबारी हुई है। घायल के फर्द बयान के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com